R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

वर्ष : 11
अंक : 240
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

3 धर्म गुरूओं ने की कोविड प्रभावित बच्चों की देखभाल की अपील

लखनऊ, रविवार , 13 जून 2021

मोदी ने गिरायी है देश की प्रतिष्ठा: प्रियंका 8

संक्षेप

आईआईआई रूड़की वैज्ञानिक ने विस्फोट प्रतिरोधी हेलमेट तैयार किया

हरिद्वार वार्ता। भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के वैज्ञानिक ने एक खास तरह का हेलमेट तैयार किया है। जो विस्फोट प्रतिरोधी यह हेलमेट जवानों को पारंपरिक हेलमेट की तुलना में ज्यादा बेहतर सुरक्षा दे सकेगा। आईआईटी रुड़की के यांत्रिक और ओद्यौगिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर शैलेश गणपुले ने बताया कि यह पारंपरिक हेलमेट का ही उन्नत संस्करण है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक हेलमेट आमतौर पर गोली से सुरक्षा के लिए डिजाइन किए जाते हैं। विस्फोट प्रतिरोध से बचने के लिए उन्होंने हेलमेट की ऊपरी परत पर एक खास तरह का पैड लगाया है। यह पैड विस्फोट से उठने वाली तरंगों के लिए शॉकर का काम करेगा साथ ही चेहरे की सुरक्षा के लिए इस हेलमेट पर एक विशेष फेस शील्ड भी लगाई गई है। इसे ग्रेन्युलर दानेदार मैटीरियल से तैयार किया गया है। जिससे विस्फोट की तरंगों से इस फेस शील्ड को बेहद कम क्षति पहुंचती है जिसको डिजाइन तैयार करने मे तीन साल का समय लगा हैं और यह आविष्कार जवानों की सुरक्षा और आतंकवाद रोधी प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोदी ने स्वामी शिवमयानंद के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामकृष्ण मठ के स्वामी शिवमयानंदजी महाराज के निधन पर दुःख व्यक्त किया है।
प्रधानमंत्री ने शनिवार को एक ट्वीट संदेश में कहा,रामकृष्ण मठ के स्वामी शिवमयानंदजी महाराज सामाजिक सशक्तिकरण पर केंद्रित सामुदायिक सेवा पहल में काफी सक्रिय थे। संस्कृति और आध्यात्मिकता की दुनिया में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से दुःखी हूं। ओम शांति।

कोरोना वायरस की तीसरी लहर की आशंका: भुजबल

नासिक,वार्ता। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण राज्य मंत्री और जिला अभिभावक मंत्री छगन भुजबल ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर से काफी छुटकारा मिल गया है लेकिन इसकी तीसरी लहर के छोटे बच्चों के लिए खतरनाक होने की आशंका है, इसलिए उनके लिए जिले में दो-स्तरीय कोविड अस्पताल जैसे चाइल्ड कोविड केयर अस्पताल और उच्च निर्भरता अस्पताल की योजना बनाई जा रही है। माता-पिता को भी ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे कोरोना की तीसरी लहर से प्रभावित न हों।भुजबल आज जिलाधिकारी के कार्यालय में कोरोना वायरस की वर्तमान स्थिति के उपायों एवं कोरोना पश्चात रोगों की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।जिलाधिकारी सूरज मंधारे, पुलिस आयुक्त दीपक पांडेय, नगर निगम आयुक्त कैलास जाधव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी लीना बंसोड़, जिला पुलिस अधीक्षक सचिन पाटिल, जिला सर्जन डॉक्टर अशोक थोराट, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर कपिल अहेर और नगर निगम के चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।श्री भुजबल ने कहा कि जिले में ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, साथ ही जिले के विभिन्न हिस्सों में स्थायी ऑक्सीजन आपूर्ति प्रदान करने के लिए 62 नयी ऑक्सीजन परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इस स्थिति में रोगियों की घटती संख्या को देखते हुए रोगियों की ऑक्सीजन की खपत कुछ हद तक कम हो गई है, उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति करने का प्रयास किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि ब्रेक द चेन के तहत लगाए गए सभी लेवल 3 प्रतिबंध अब तक प्रभावी रहेंगे। शनिवार और रविवार को, 50 लोगों की उपस्थिति में शाम चार बजे तक शादी समारोह की अनुमति दी गई है।

कोरोना में उपयोगी दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी में भारी कमी

नई दिल्ली वार्ता। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने कोरोना के उपचार में उपयोगी प्रमुख दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी दर में भारी कमी करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही ब्लैक फंगस में उपयोगी दवाओ पर जीएसटी को शून्य कर दिया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद् की आज हुई 44वीं बैठक में ये निर्णय लिए गए। परिषद् की 43वी बैठक इस संबंध में राज्यों के वित्त मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था और उसी की सिफारिशों के अनुरूप ये निर्णय लिए गए हैं।

बैठक के बाद वित्त मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि मंत्रियों के समूह की अधिकांश सिफारिशों को अनुमोदित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के लिए टॉसिलिजयूमैब और एम्फोटेरिसिन बी पर जीएसटी को पांच प्रतिशत से कम कर शून्य कर दिया गया है। उन्होने कहा कि हेपरिन, रेमदेसवीर पर जीएसटी को 12प्रतिशत से कम कर पांच फीसदी कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा फार्मा विभाग द्वारा कोविड उपचार के लिए अनुमोदित दवाओं पर जीएसटी दर अब पांच फ़ीसदी रहेगी।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज हुई जीएसटी परिषद की 44 वी बैठक में वैक्सीन पर जीएसटी को कम करने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका।वित्त मंत्री ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि सभी देशवासियों के लिए केंद्र सरकार वैक्सीन की खरीद कर राज्यों को दे रही है इसलिए जीएसटी दर को लेकर के किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। इस पर जीएसटी की दर यथावत है।

उल्लेखनीय है कि घरेलू स्तर पर अभी दो वैक्सीन का निर्माण हो रहा है जिस पर 5त्न जीएसटी लगता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, ऑक्सीजन जेनरेटर, ऑक्सीजन कांसेनट्रैटर, वेंटीलेटर, वेंटिलटर मास्क, बी आई पीए पी मशीन, हाई फ्लो नसल कैनुला, कोविड टेस्टिंग किट, पल्स ऑक्सीमटर पर जीएसटी को 12प्रतिशत से कम कर पांच प्रतिशत कर दिया गया है।श्रीमती सीतारमण ने कहा कि हैंड सैनिटाइजर, थर्मामीटर, दाह संस्कार के लिए उपयोगी उपकरण और उसकी स्थापना आदि पर जीएसटी को 18प्रतिशत से कम कर पांच फीसदी कर दिया गया है। इसके साथ ही एंबुलेंस पर भी जीएसटी को 28प्रतिशत से घटा कर 12 फ़ीसदी कर दिया गया है।

दो दशकों में बाल श्रमिकों की संया बढ़कर करीब 16 करोड़

नई दिल्ली वार्ता। विश्व भर में जहां पिछले दो दशकों में बाल श्रमिकों की संख्या बढ़कर 16 करोड़ लाख हो गयी है वहीं गत चार सालों में ही इनकी संख्या 84 लाख बढ़ी है।

शनिवार को वर्ल्ड डे अगेंस चाइल्ड लेबर के मौके पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और यूनिसेफ की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार 2000 और 2016 के अंतराल में बाल श्रमिकों की संख्या में 94 लाख की गिरावट आयी थी , लेकिन बाद के वर्षों में लगातार बढ़ोतरी हुई और यह क्रम अभी भी जारी है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक कोरोना काल में 2022 के अंत तक 90 लाख अतिरिक्त बच्चे बाल श्रमिक बन सकते हैं। अनुमान यह भी जताया गया है कि सामाजिक सुरक्षा सुलभ नहीं होने की स्थिति में यह संख्या 460 लाख तक पहुंच सकती है।रिपोर्ट के मुताबिक बाल श्रम के क्षेत्र में पांच से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है , जो कुल वैश्विक आंकड़ों के आधे से अधिक है। इनमें कृषि क्षेत्र में 70 फीसदी , सेवाओं में 20 फीसदी और उद्योग क्षेत्र में 10 फीसदी बाल श्रमिक हैं।

मोदी का जी-7 से ट्रिप्स समझौते में छूट दिये जाने का आह्वान

नई दिल्ली वार्ता। भारत ने विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले सात देशों के समूह जी-7 की बैठक में कोविड-19 महामारी के टीके के विनिर्माण के लिए ट्रिप्स समझौते रियायत दिये जाने तथा टीका बनाने के लिए आवश्यक कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला को खुला रखने का आह्वान किया जिसे व्यापक समर्थन मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में वीडियो लिंक के माध्यम से भाग लिया जिसका शीर्षक बिल्डिंग बैक स्ट्रॉन्गर -हैल्थ था जो कोविड महामारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को उबारने तथा भविष्य में होने वाली महामारियों के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता सशक्त करने पर केन्द्रित था।

प्रधानमंत्री ने 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का नारा दिया जिसका जर्मनी की चांसलर एंगेला मर्केल ने समर्थन किया। श्री मोदी ने कोविड-19 जैसी महामारियों की भविष्य में रोकथाम के लिए लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी समाजों को विशेष रूप से जिम्मेदार बताते हुए वैश्विक नेतृत्व एवं एकजुटता कायम करने का आह्वान किया।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने महामारी से मुकाबले में भारत के पूरे समाज की भागीदारी तथा हर स्तर पर सरकार, उद्योग एवं नागरिक समाज के बीच गहन समन्वय के व्यवहार को रेखांकित किया। उन्होंने संक्रमित लोगों के संपर्क में आने वालों की पहचान एवं टीकाकरण प्रबंधन के लिए डिजीटल माध्यम के उपयोग की सफलता की जानकारी दी और कहा कि भारत इस बारे में अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता को साझा करने का इच्छुक है।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन को सुदृढ़ करने के सामूहिक प्रयास का समर्थन करने के भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा टीका के विनिर्माण के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापारिक पहलुओं (ट्रिप्स) पर समझौते में रियायत देने के लिए विश्व व्यापार संगठन में भारत एवं दक्षिण अफ्रीका द्वारा पेश प्रस्ताव को जी-7 का समर्थन मांगा। ऑस्ट्रेलिया एवं अन्य देशों ने भी इसका मजबूती से समर्थन किया। भारत ने इस बात पर भी जोर दिया कि टीका बनाने के लिए कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला खुली रखी जाये जिससे भारत जैसे देशों में टीका उत्पादन बढ़ाया जा सके। इस बात को भी व्यापक समर्थन मिला।

श्री मोदी रविवार को दो सत्रों में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन का आयोजन हाइब्रिड मॉड में किया जा रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों, जर्मनी की चांसलर एंगेला मर्केल आदि प्रत्यक्ष रूप में शामिल हुए हैं।

चीन की नकेल कसने को जी-7 के देश तैयार, अमेरिका की अगुआई में चलेगा विकास अभियान

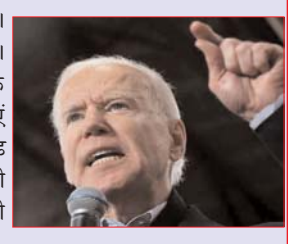

कार्बिस बे,वार्ता। दुनिया के सबसे संपन्न सात देशों (जी 7) के शिखर सम्मेलन में शनिवार को चीन मुख्य मुद्दा रहा। चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ अमेरिका की अगुआई में जी 7 देशों ने पहली बार इतने आक्रामक ढंग से फैसले किए। चीन के वन बेल्ट-वन रोड (ओबीओआर) अभियान के जवाब में अमेरिका और पश्चिमी देश मिलकर बुनियादी सुविधाओं के विकास का नया अभियान शुरू करेंगे। इस अभियान में सैकड़ों अरब डॉलर (सैकड़ों लाख करोड़ रुपये) की परियोजनाएं होंगी।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और जी-7 देशों के अन्य नेताओं के अनुसार इस परियोजना का नाम बिल्ड बैक बेटर व?र्ल्ड (बी3डब्ल्यू) होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस कार्यालय के अनुसार इस अभियान के तहत पारदर्शी तरीके और आपसी साझेदारी से आधारभूत ढांचे का विकास किया जाएगा। इसके तहत विकासशील देशों में 2035 तक 40 ट्रिलियन डॉलर की रकम खर्च की जाएगी।

बाइडन प्रशासन के अधिकारी ने कहा, इस मामले में हमारा चीन के साथ कोई टकराव नहीं है। हम अपने मूल्यों, गुणवत्ता और कारोबार के तरीके को लेकर आगे बढ़ेंगे। जी-7 के देश निजी क्षेत्र की पूंजी का इस्तेमाल पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, डिजिटल टेक्नोलॉजी और लैंगिक समानता के क्षेत्र में कार्य करने को बढ़ावा देने के लिए भी करेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य का क्या स्वरूप होगा और इसमें कितना धन खर्च किया जाएगा, यह अभी निश्चित नहीं किया गया है।चीन का ओबीओआर अभियान लाखों करोड़ रुपये का दुनिया में आधारभूत ढांचा तैयार करने का अभियान है। इसे वहां के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 2013 में शुरू किया था। लेकिन इस अभियान की शर्तों और पारदर्शिता के अभाव को लेकर विवाद की स्थिति रही है। दुनिया के 100 से ज्यादा देशों ने इस अभियान को लेकर चीन के साथ समझौता कर रखा है।इसके तहत चीन उन देशों में रेलवे, हाईवे, एयरपोर्ट, सीपोर्ट, मेट्रो रेल, पावर स्टेशन और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित करेगा। चीन इन कार्यों के लिए कर्ज भी देता है और उसकी कंपनियां ही इन योजनाओं के लिए ठेका भी लेती हैं। ऐसे में समझौते में शामिल देश के पास अपने हितों की रक्षा के बहुत कम विकल्प बचते हैं।पूरी दुनिया में चीन की साझेदारी वाली 2,600 से ज्यादा विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें 370 अरब डॉलर (करीब 30 लाख करोड़ रुपये) की पूंजी लगी हुई है। जी-7 के सदस्य देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, इटली और कनाडा ने अब चीन की ओबीओआर से बेहतर विकल्प दुनिया के सामने रखने का फैसला किया है।अब जी-7 की इस योजना को बढ़ाने के लिए अमेरिका अपनी संसद की अनुमति लेकर आगे बढ़ेगा।

अनुच्छेद-370 पर दिग्विजय के बयान पर कांग्रेस ने साधी चुप्पी

भाजपा ने कहा, एंटी नेशनल क्लब हाउस में तब्दील हो गई है पार्टी

नई दिल्ली वार्ता।संसद में अनुच्छेद-370 रद करने का विरोध करने के बाद अंदरखाने ही युवाओं के बीच घिर चुकी कांग्रेस अभी भी इससे उबर नहीं पाई है। एक क्लब हाउस चैट में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक कथित पाकिस्तानी पत्रकार से कहा, हम सत्ता में आए तो अनुच्छेद-370 को फिर से लाने पर विचार कर सकते हैं। इसके लीक होने के बाद राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इस मामले में चुप्पी साध ली है, वहीं भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस नेताओं के राष्ट्रविरोधी बयानों का हवाला देते हुए कहा कि इंडियन नेशनल कांग्रेस असल में एंटी नेशनल क्लब हाउस में तब्दील हो गई है।

भाजपा आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दिग्विजय के कथित क्लब हाउस चैट का एक हिस्सा ट्विटर पर शेयर करते हुए कहा कि अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के फैसले पर पुनर्विचार करना असल में पाकिस्तान की चाहत है। कांग्रेस की सोच भी वैसी ही है।

दिग्विजय सिंह की क्लब हाउस चैट में मौजूद थे पाकिस्तानी पत्रकार

बताते हैं कि दिग्विजय की क्लब हाउस चैट में पाकिस्तानी पत्रकार भी मौजूद थे और उसी के सवाल के जवाब में उन्होंने अनुच्छेद-370 पर पुनर्विचार की बात कही थी। चैट के आडियो में दिग्विजय कहते हैं, यहां (जम्मू-कश्मीर) से जब अनुच्छेद-370 हटाया गया, तब लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन नहीं किया गया। इस दौरान न ही इंसानियत का तकाजा रखा गया और न ही इसमें कश्मीरियत का ख्याल रखा गया। सभी को सलाखों के पीछे बंद कर दिया गया। अगर कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो हम इस फैसले पर फिर से विचार करेंगे और अनुच्छेद-370 बहाल करेंगे।

भाजपा ने सवाल खड़ा किया तो दिग्विजय ने थोड़ा पलटते हुए कहा, करने और पुनर्विचार करने में फर्क होता है। उन्होंने कहा, अनपढ़ लोगों की जमात को शैल (करेंगे) और कंसीडर (विचार करने) में फर्क शायद समझ में नहीं आता।

भाजपा ने गिनाए कांग्रेस के पुराने पाकिस्तान प्रेमी बयान

बहरहाल, दिग्विजय घिर चुके हैं और कांग्रेस के माथे पर एक और विवाद आ गया है। संबित पात्रा ने राहुल गांधी से लेकर मणिशंकर अय्यर तक तमाम कांग्रेसी नेताओं के पुराने बयान दिए, जिनमें विभिन्न मुद्दों पर पाकिस्तान के रुख का समर्थन किया गया था। अय्यर ने पाकिस्तान जाकर मोदी को हराने में मदद मांगी थी। राहुल ने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़ा किया था। पाकिस्तान में छिपे बैठे आतंकियों पर भारत की एयर स्ट्राइक को राहुल ने खून की दलाली कहा था। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को पाकिस्तान बहुत पसंद है और उन्होंने लाहौर लिट फेस्ट में कहा था कि पाकिस्तान ने कोरोना का ज्यादा अच्छा प्रबंधन किया। संबित ने कहा कि आतंकी मारे गए तो राहुल को क्यों दर्द हुआ। इन बयानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एंटी नेशनल क्लब हाउस बन चुकी कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री मोदी से घृणा करते-करते हिंदुस्तान से घृणा कर बैठे हैं। संबित ने दिग्विजय के बयान पर सोनिया और राहुल से सफाई भी मांगी।

संबित ने दिग्विजय के बयान को देश को अस्थिर करने के लिए तैयार टूलकिट का हिस्सा बताया। उनके अनुसार कांग्रेस की टूलकिट में ऐसे ही मुद्दे उठाकर देश विरोधी ताकतों को मजबूत करने और देश को कमजोर करने की रूपरेखा तैयार की गई थी।

भाजपा का सफल सिंधिया मॉडल, कांग्रेस के लिए अपने युवा नेताओं को बचाने की चुनौती

भोपाल वार्ता। प्रतिस्पर्धी को कमजोर कर खुद को मजबूत करने के सियासी दांव पर भाजपा का ज्योतिरादित्य मॉडल बेहद सफल दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में अगले साल की शुरुआत में होने जा रहे विधानसभा चुनाव की आहट के बीच कांग्रेस से एक और युवा चेहरे जितिन प्रसाद ने भाजपा में आमद दी है। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव तक ऐसे कई युवा नेता कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों को छोड़कर भाजपा का रुख कर सकते हैं, जिन्हें न तो अपने दल में अपेक्षानुरूप सम्मान मिल रहा और न ही सियासी भविष्य दिख रहा, जैसा सिंधिया को भाजपा में हासिल है।दरअसल, मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने को कांग्रेस सरकार के पतन और शिवराज सरकार की वापसी के सीमित सियासी घटनाक्रम तक देखा गया, जबकि भाजपा ने इसे बड़े प्रयोग के तौर पर चुनौती के रूप में स्वीकार किया। संगठन ने सिंधिया को पार्टी में ऐसे नेता के रूप में स्थापित करने की कवायद शुरू की, जिसे अपनी मूल पार्टी से ज्यादा सम्मान मिला।

रिकवरी दर बढ़कर 95 फीसदी के पार, सक्रिय मामलों की दर घटी

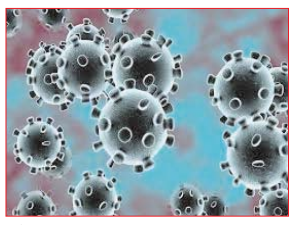

नई दिल्ली वार्ता। देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी पड़ने और इस महामारी को मात देने वालों की संख्या में निरंतर इजाफे से रिकवरी दर बढ़कर 95.7 फीसदी हो गयी है वहीं सक्रिय मामलों की दर घटकर 3.68 प्रतिशत रह गयी है।इस बीच शुक्रवार को 34 लाख 33 हजार 763 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 24 करोड़ 96 लाख 304 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 84,332 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 93 लाख 59 हजार 155 हो गया। इस दौरान एक लाख 21 हजार 311 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर देश में अब तक दो करोड़ 79 लाख 11 हजार 384 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। सक्रिय मामले 40 हजार 981 कम होकर 10 लाख 80 हजार 690 रह गये हैं।पिछले 24 घंटों के दौरान 4002 मरीज अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन लाख 67 हजार 81 हो गयी है। देश में कोरोना से मृत्यु दर अभी 1.25 फीसदी है।महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 1041 बढ़कर 1,64,629 हो गये हैं। इसी दौरान राज्य में 8104 और मरीजों के ठीक होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5616857 हो गयी है जबकि 2619 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 106367 हो गया है।केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 1295 कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 1,34,422 रह गयी है तथा 15355 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2557597 हो गयी है।

बसपा में स्वार्थी नेताओं की जगह कैडर को ज्यादा तवज्जो : मायावती

लखनऊ ब्यूरो। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी के लोगों को कैडर पर ज्यादा भरोसा करना चाहिए न कि उन नेताओं पर जो निजी स्वार्थ को इतना महत्त्व दे देते हैं कि पार्टी व मूवमेन्ट को भी आघात लगाने से नही हिचकते हैं और बिक जाते है। भले ही इसका एहसास उन्हें बाद में होता है।सुश्री मायावती ने शनिवार को यूपी में पार्टी से जुड़े विभिन्न समुदायों और वर्गों के लोगों के साथ बैठक में कहा कि बसपा अन्य पार्टियों से एकदम अलग सर्वसमाज के गरीबों व उपेक्षितों के हक- हकूक व उनके हित व कल्याण के लिए उनके योगदान पर संघर्ष करने वाली कैडर पर आधारित पार्टी है। इसीलिए पार्टी की जमीनी तैयारियाँ व इसकी मजबूती के लिए छोटी-छोटी कैडर बैठकों का सिलसिला हर हाल में मिशनरी भावना के तहत लगातार जारी रखना है। पार्टी के लोगों को कैडर पर ज्यादा भरोसा करना चाहिए न कि उन नेताओं पर जो निजी स्वार्थ को पार्टी हित से ज्यादा महत्त्व देते हैं व बिक जाते है।

बसपा अध्यक्ष ने कहा कि बसपा सर्वसमाज की हितैषी पार्टी है और इसीलिए अपने सभी चारों शासनकाल में यहाँ सर्वसमाज के लिए तथा कमजोर तबकों के लिए खास तौर से अनगिनत ठोस कार्य किये हैं जिसमें कई ऐतिहासिक महत्त्व के हैं, लेकिन दुःखद है कि बाद की सरकारों ने अपने स्वार्थ, राजनीतिक द्वेष व जातिवादी मानसिकता आदि के कारण उन्हें रोक दिया जिससे समाज के लोग प्रभावित हुए और अभी भी हो रहे हैं।उन्होने कहा कि किस-किस पार्टी को कितना-कितना चन्दा मिलता है इससे सम्बंधित खबरें मीडिया में लगातार आती रहती हैं, जिससे स्पष्ट है कि बी.एस.पी. एक अलग पार्टी है व धन्नासेठों व बड़े-बड़े पूंजीपतियों आदि के धनबल व उनके इशारों पर चलने वाली गुलाम मानसिकता वाली पार्टी बिल्कुल नहीं है।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भी पार्टी के लोगों को कैडर बैठक का ही सहारा लेना है और उन मीटिंगों में उन्हें याद दिलाना है कि किस प्रकार से बसपा ने सभी चारों शासनकाल में यहाँ सर्वसमाज के लिए आम तौर से तथा कमजोर तबकों के लिए खास तौर से एक-दो व गिने-चुने नुमाइशी काम नहीं बल्कि अनगिनत ठोस कार्य हैं।

उन्होने कहा कि पार्टी के लोगों को कैडर पर ज्यादा भरोसा करना चाहिए न कि उन नेताओं पर जो बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर और कांशीराम जी का नाम तो लेते हैं लेकिन निजी स्वार्थ को इतना महत्त्व दे देते हैं कि पार्टी व मूवमेन्ट को भी आघात लगाने से नही हिचकते हैं और बिक जाते है। लेकिन अन्ततः ऐसे लोग पार्टी से ज्यादा अपना ही अहित करते हैं भले ही इसका एहसास उन्हें बाद में होता है। ऐसे लोगों से सावधानी बनाए रखना जरूरी है।

बसपा और शिअद गठबंधन पंजाब में विकास के नये युग की शुरूआत: मायावती

लखनऊ ब्यूरो। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन को ऐतिहासिक करार देते हुये उम्मीद जाहिर की कि यह राजनीतिक पहल पंजाब में बहुप्रतीक्षित विकास और खुशहाली के नये युग की शुरूआत करेगी।सुश्री मायावती ने एक के बाद एक तीन ट्वीट कर पंजाब के लोगों को बधाई और शुभकामनाये दी। उन्होने कहा पंजाब में आज शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी द्वारा घोषित गठबंधन यह एक नया राजनीतिक व सामाजिक पहल है, जो निश्चय ही यहाँ राज्य में जनता के बहु-प्रतीक्षित विकास, प्रगति व खुशहाली के नए युग की शुरूआत करेगा। इस ऐतिहासिक कदम के लिए लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।उन्होने कहा वैसे तो पंजाब में समाज का हर तबक़ा कांग्रेस पार्टी के शासन में यहाँ व्याप्त गरीबी, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी आदि से जूझ रहा है, लेकिन इसकी सबसे ज्यादा मार दलितों, किसानों, युवाओं व महिलाओं आदि पर पड़ रही है, जिससे मुक्ति पाने के लिए अपने इस गटबन्धन को कामयाब बनाना बहुत जरूरी।÷सुश्री मायावती ने पंजाब के लोगों से अपील की कि वे अकाली दल व बी.एस.पी. के बीच आज हुये इस ऐतिहासिक गठबन्धन को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए यहाँ सन् 2022 के प्रारम्भ में ही होने वाले विधानसभा आमचुनाव में इस गठबन्धन की सरकार बनवाने में पूरे जी-जान से अभी से ही जुट जाएं।

दो बच्चों की डूबने से मौत

बुलंदशहर संवादाता। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के नरौरा क्षेत्र के गांव पिलखना में ईट भट्टे पर बने गड्ढे के पानी में डूब कर आज मासूमों की मौत हो गई ।पुलिस ने आज यहां कहा कि पिलखना के पास स्थित ईट भट्टे पर मिट्टी निकालने से एक गहरा गड्ढा बना है जिसमें पानी भर गया । शुक्रवार की शाम गांव के यूसुफ का 10 वर्षीय पुत्र अनस और अपनी ननिहाल आया 11 वर्षीय अयान खेलते खेलते गड्ढे में गिर गए ।दोनों जब देर रात तक घर ही पहुंचे तो परिजनों ने खोज शुरू की और उनके डूब कर मर जाने की सूचना मिली। पुलिस ने दे रात ग्रामीणों की मदद से पहले गड्डी के पानी को बाहर निकाला और दोनों मासूमों के शव बाहर निकाले।दोनों के शव परिजनों को सौंप दिये गये ।

दहेज उत्पीड़न पर पति के विरूद्व मुकदमा

बस्ती संवादाता। उत्तर प्रदेश मे बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के कटरी अंडुपुर ग्राम मे घटी दहेज उत्पीड़न की घटना के मामले मे पीड़ित ने पति समेत 3 व्यक्तियो के विरूद्व नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस सूत्रो ने यहां जानकारी देते हुए कहा है कि पुरानी बस्ती थाने मे पीड़िता ने तहरीर में कहा है कि दहेज के लिए पति सुभाषचन्द्र दूबे ,सुनीता देवी,रामनिरंजन द्वारा उसे मारा-पीटा जाता था और प्रताड़ित किया जा रहा था ।पुलिस ने तीनो आरोपियो के विरूद्व धारा 494,498,323,504,506 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है मामले की जांच की जा रही है।

कालाबाजारी करने वाले कोटेदार पर मुकदमा

बस्ती संवादाता। उत्तर प्रदेश मे बस्ती जिले के परशुरामपुर थाना क्षेत्र के मिश्रौलियाधीश ग्राम मे कोटेदार द्वारा खाद्यान्न की कालाबाजारी करने के मामले मे उसे निलम्बित करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है।पुलिस सूत्रो ने यहां यह जानकारी देते हुए कहा है कि पूर्ति निरीक्षक अयज वर्मा ने तहरीर देकर कहा है कि मिश्रौलियाधीश ग्राम मे पंकज कुमार उचित दर विक्रेता द्वारा खाद्यान्न की कालाबाजारी किया जा रहा था तथा खाद्यान्न के वितरण मे अनियमितता वरत रहा था ।पुलिस ने तहरीर के आधार पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

106 वर्षीय मंगल प्रसाद होंगे टीकाकरण अभियान के ब्रांड एम्बेसडर

औरैया, संवादाता। उत्तर प्रदेश के औरैया में 106 साल की उम्र में कोरोना का टीका लगवाने वाले मंगल प्रसाद ने उन लोगों करारा जवाब दिया है जो इसे नहीं लगाने के कई बहाने बनाते हैं । अब जिला प्रशासन ने उन्हें कोरोना टीका अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनाया है ।

जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने आज कहा कि कोविड वैक्सीन लगवाने वाले 106 वर्षीय मंगल प्रसाद जिले में कोविड टीकाकरण अभियान के ब्रांड एंबेसडर होंगे ।औरैया के जगजीवनपुर ग्राम सभा के मजरा धरमपुर में शुक्रवार को कोविड टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें गांव निवासी 106 वर्षीय मंगल प्रसाद ने टीका लगवा कर ग्रामवासियों को वैक्सीनेशन के प्रति प्रोत्साहित किया था। उन्होंने कहा कि टीका लगवाने से उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई है1 इसलिए कोरोना से बचाव के लिये सभी ग्रामवासी ?वैक्सीन अवश्य लगवाएं। यह पूर्ण रूप से सुरक्षित है?। ग्रामीण अफवाहों पर ध्यान ना दें । वैक्सीनेशन से ही कोविड जैसी महामारी से बचा जा सकता है।

वकील की गोली मार कर हत्या

बुलंदशहर संवादाता। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के खुर्जा नगर में एक अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या कर दीगई । अधिवक्ता का शव पंचवटी बंबे के पास पड़ा मिला।पुलिस ने आज यहां कहा कि खुर्जा नगर के मोहल्ला लक्ष्मण गंज निवासी सुमित गुप्ता अपने पिता अशोक कुमार गुप्ता के साथ वकालत करते थे । पिता के अनुसार वे शुक्रवार की शाम घर का कुछ सामान लेने बाजार गए थे । देर रात तक नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी लेकिन उसी समय जानकारी मिली की गोली से छलनी एक युवक का शव पंचवटी के पास पड़ा हुआ है ।पिता की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ है । पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है ।

घर के कमरे में लटकती मिली युवती की लाश

गोण्डा,संवादाता। उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के तरबगंज थानाक्षेत्र के सुसैला गांव मेंयुवती का संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता शव मिला ।पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सुसैला गांव में पल्लवी नामक 25 वर्षीय युवती की घर के कमरे मे लटकती लाश मिली है । परिजनों द्वारा दी गयी सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है ।उन्होनें बताया कि मौके से मृतका का सुसाइड नोट मिला है । जिससे प्रथमदृष्टया मृत्यु का कारण आत्महत्या प्रतीत हो रहा है । उन्होने बताया कि फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर छानबीन में जुटी है ।

एनएसयूआई के संयोजक सपा में शामिल

लखनऊ संवादाता। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (कांग्रेस) के राष्ट्रीय संयोजक जियाउल हक एडवोकेट ने आज समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।इस अवसर पर ऐडवोकेट राहुल यादव, नौमान आलम प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा तथा फहद फैसल उपस्थित थे।उन्होंने पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव में आस्था जताई और उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

सोनभद्र और चंदौली के विकास मॉडल को यूएनडीपी ने सराहा

लखनऊ,संवादाता। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने आकांक्षात्मक जिले सोनभद्र और चंदौली में हुए विकास कार्यों की सराहना की है।

यूएनडीपी की ताजा रिपोर्ट में एक ओर जहां चंदौली में 'काला चावल' की खेती और फिर विदेशों में इसके निर्यात के मॉडल को सफल बताया है, वहीं आकांक्षात्मक जिला घोषित होने के बाद अलग-अलग पैमानों पर तेजी से विकास करने वाले ज़िलों में सोनभद्र के प्रदर्शन की खासी सराहना की गई है। रिपोर्ट में इन जिलों में हुए कार्यों को स्थानीय क्षेत्र विकास के लिए बेहद सफल मॉडल बताया गया है। साथ ही कहा है कि जिन देशों में क्षेत्रीय भेदभाव हैं यह मॉडल उनके लिए काफी उपयोगी है।

कृषि क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा देने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीति का चंदौली ने बेहतरीन लाभ लिया। 'काला चावल' की खेती आमतौर पर मीरजापुर जिले के नारायणपुर, जमालपुर, राजगढ़, पहाड़ी, लालगंज और हलिया जैसे ब्लॉकों में होती है, लेकिन चंदौली जिले ने वैश्विक बाजारों में काले चावल की जबरदस्?त मांग और अच्?छे मुनाफा मार्जिन को देखते हुए उसकी खेती के साथ प्रयोग करने का निर्णय लिया। यह परियोजना सफल रही और अब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को उच्च गुणवत्ता वाले काले चावल का निर्यात किया जाता है। काला चावल को डायबिटीज के मरीजों के लिए और कैंसर से बचाव में काफी उपयोगी पाया गया है।

रिपोर्ट में आकांक्षात्मक जिला कार्यक्रम के चैंपियंस ऑफ चेंज डैशबोर्ड पर प्रदान की गई डेल्टा रैंकिंग की भी सराहना की गई है। इसके द्वारा प्रेरित प्रतिस्पर्धी एवं गतिशील संस्कृति ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले कई जिलों (बेसलाइन रैंकिंग के अनुसार) को पिछले तीन वर्षों के दौरान अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिए सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। रिपोर्ट में पाया गया है कि दो अन्य राज्यों के दो जिलों के साथ-साथ यूपी के चंदौली और सोनभद्र इस कार्यक्रम की शुरुआत के बाद सबसे अधिक प्रगति करने वाले जिलों में शामिल हैं। यूएनडीपी ने पांच मुख्य विषयों- स्वास्थ्य एव पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, बुनियादी ढांचा, कौशल विकास एवं आर्थिक समावेषण के आधार पर इसका विश्लेषण किया है। साथ ही कहा कि इस कार्यक्रम ने इन जिलों के विकास के लिए उत्प्रेरक का काम किया है।

विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस होगा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे : महाना

लखनऊ संवादाता। उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पूर्वांचल क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित करने में सफल होगा।

श्री महाना ने शनिवार को एक्सप्रेसवे का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि एक्सप्रेसवे के जुलाई में शुरू होने की संभावना है। इसके बनने के बाद पूर्वांचल में उद्योग धंधों का विकास होगा। वास्तव में यह एक्सप्रेसवे पूर्वांचल की लाइफ लाइन साबित होगा।

इस मौके पर अपर मुख्य सचिव गृह और यूपीडा के सीईओ अवनीश कुमार अवस्थी एवं अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास अरविन्द कुमार भी मौजूद रहे।श्री महाना ने अयोध्या में पैकेज दो के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माणाधीन पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के अवशेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें। श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ वृक्षारोपण के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं क्योंकि एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम जुलाई माह के पहले सप्ताह में अपेक्षित रूप से शुरू किया जाना है।

बाद में मंत्री ने सुल्तानपुर जिले में पैकेज 03 व 04 में निर्माणाधीन फ्लाईओवर व हवाई पट्टी के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण कर समीक्षा की। उन्होने भूमि से संबधित विवादों को शीघ्रता से निपटाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होने कहा कि पैकेज 04 के मेन कैरिजवे की शेष सभी गतिविधियों को शीघ्र पूरा किया जाए और वेसाइड अमेनिटीज और टॉयलेट ब्लॉक्स जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

सुल्तानपुर के बाद श्री महाना ने आजमगढ़ में पैकेज 05 में निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात पैकेज 05 व 06 के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि गुणवत्ता को ध्यान में रखकर वे स्ट्रक्चर्स व फ्लाईओवर्स के निर्माण कार्य तीव्रता से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें ताकि एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूर्ण किया जा सके।

पैकेज 07 व 08 के निर्माण कार्यों का मंत्री ने हवाई सर्वेक्षण कर स्थलीय निरीक्षण किया और कहा कि एक्सप्रेसवे के शेष बचे कार्य को शीघ्र ही पूर्ण कराया जाए इसके अतिरिक्त निर्माण कार्य में गुणवत्ता को ध्यान में रखकर दीर्घ सेतुओं, रैम्प एवं इण्टरचेंज के निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

मेरी निर्दोष बेटी पर तरस खाये योगी सरकार-गायत्री

लखनऊ संवादाता। उत्तर प्रदेश के कानपुर में चर्चित बिकरू कांड के अभियुक्त अमर दुबे की नवविवाहिता पत्नी खुशी दुबे की रिहाई की अपील उसकी मां ने आम आदमी पार्टी (आप) के मंच से करते हुये कहा कि उसकी बेटी निर्दोष है और सरकार को उसे रिहा करना चाहिये।खुशी दुबे की मां गायत्री तिवारी ने पत्रकारों से कहा हमारी यही मांग है कि हमारी बेटी को रिहा किया जाए। आज 11 महीने हो गए हैं, हमारी बेटी अधमरी हो गई है। जबसे वहां गई, वह अधमरी हो गई है। पता नहीं वहां उसके साथ क?या किया गया। उसको खून की उल्टी होती है।इस मौके पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि परिवार को आशंका है कि खुशी की कहीं हत?या न कर दी जाए, इसलिए उसकी मां को यहां बुलाया, जिससे कि उनकी आवाज योगी सरकार के कानों तक पहुंचे। उन्होने कहा कि जब सरकार पर बन आती है तो बेबस नजर आने वाले मुख्यमंत्री ताकतवर बन जाते हैं।

ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध?यक्ष राहुल त्रिपाठी ने कहा कि मामले में तीन दिन पहले अमर दुबे से ब्याही गई खुशी दुबे को गिरफ्तार किया। उस पर गिरोह चलाने के आरोप लगे। विकास दुबे के दबाव में तीन दिन पहले अमर से ब?याही गई नाबालिग खुशी दुबे भला कैसे गैंग चला सकती है। जब मामले ने मीडिया में तूल पकड़ा तो वहां के तत्कालीन एसएसपी ने बयान दिया कि खुशी निर्दोष है और उसको छोड़ दिया जाएगा इसके बाद भी खुशी दुबे आज 10 महीने से जेल में यातनाएं झेल रही है।

प्रतापगढ़ में बना कोरोना माता का मंदिर, प्रशासन ने हटाया

प्रतापगढ़ संवादाता। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ के शुकुलपुर इलाके के जूही गांव में कुछ लोगों ने कोरोना माता का मंदिर बना दिया । हालांकि प्रशासन ने इस मंदिर को हटवा दिया है।पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलस के अनुसार शुकुलपुर इलाके के जूही गांव में कोरोना वायरस से तीन लोगों की संदिग्ध मौत हो गई थी। इसके बाद ग्रामीणों में भय व दहशत फैल गई। इस पर गांव के लोकेश श्रीवास्तव ने कोरोना माता का सात जून को मंदिर बनवाने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने मूर्ति आर्डर कर दिया और उसे गांव के एक चबूतरे के पास नीम के पेड़ के बगल स्थापित कर दिया।लोग पूजा अर्चना भी करने लगे थे। इसकी जानकारी प्रशासन को हुई तो पुलिस ने इसे गिराने का फैसला किया। पुलिस शुक्रवार की रात जेसीबी भी लेकर गांव पहुंची और कोरोना माता की मूर्ति व मंदिर समेत बोर्ड जमीदोंज कर दिया।सारा मलबा गांव से 5 किलोमीटर दूर फेंकवा दिया गया। मामले में मंदिर स्थापित करने वाले आरोपी के एक भाई को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मंदिर जमीदोंज कराए जाने को लेकर दिन भर लोगों में चर्चा होती रही।मंदिर में कोरोना देवी की छवि को प्रतिमा के रूप में साकार किया गया था। इसके बाद यहां पूजा-पाठ शुरू हो गया था। मंदिर सिर्फ पूजा-अर्चना के लिए ही नहीं है, बल्कि कोविड-19 गाइडलाइन के पालन करने का संदेश दे रहा था।एक ग्रामीण ने कहा सामूहिक रूप से इस विश्वास के साथ मंदिर की स्थापना की है कि देवता की पूजा करने से निश्चित रूप से लोगों को कोरोना वायरस से राहत मिलेगी।

महिला से मिलने आये युवक को पीट पीट कर उतारा मौत के घाट

इटावा संवादाता। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के चैबिया इलाके मे गोपालपुर अगूपुर गांव मे महिला से मिलने आये युवक को घर वालो ने बंधक बना कर पीट पीट मौत के घाट उतार दिया ।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ओमवीर सिंह ने आज यहां कहा कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है । हत्या को लेकर कई तरह की बाते कही जा रही है ।

महिला के घर वाले तो हत्या के शिकार हुए युवक को जलाने जा रहे थे लेकिन गांववालो के जग जाने के कारण ऐसा करने के बजाय शव छोड कर फरार हो गये । इस वारदात से इलाके मे सनसनी फैल गई है ।

हत्या की वारदात की जानकारी मिलने के बाद मौके ए वारदात पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ओमवीर सिंह और सैफई के पुलिस उपाधीक्षक साधुराम पहुंच गये है जो पूरे मामले की जांव करने मे जुटे हुए है ।

मरने वाले की पहचान अनिल कुमार यादव के रूप में हुई है । अनिल कुमार यादव, लता नाम की महिला से मिलने के लिए आया हुआ था । महिला का पति नरेंद्र यादव सूरत मे किसी कारखाने मे काम करता है । महिला का जेठ अशोक भी भिवाडी मे काम करता है लेकिन देर रात महिला के अन्य परिजनो ने अनिल को लता के घर पर देख कर उसको पकड कर पीटना शुरू कर दिया । पुलिस ने लता और उसके ससुर किशन गोपाल यादव को हिरासत मे ले लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है ।पुलिस हिरासत मे ली गई महिला लता अनिल के साथ किसी भी तरह से अनैतिक संबधो से फिलहाल साफ इंकार कर रही है ।रात 11 बजे के आसपास की घटना बताई जा रही है। मौत के घाट उतारे जाने के बाद सबूत नष्ट करने के इरादे से शव को जलाने की थी तैयारी लेकिन आरोपी शव का जला नही पाये । वारदात को अंजाम दे आरोपी घर को बंद कर फरार हो गये है ।

सांसद ने कहा देश में जब भी कोई संकट आया मोदी ने नेतृत्व किया

देवरिया,संवादाता। उत्तर प्रदेश में देवरिया के सदर सांसद रमापति राम त्रिपाठी ने आज यहां कहा कि देश में जब भी कोई संकट आया देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे बढ़कर देश का नेतृत्व किया है।

श्री त्रिपाठी ने यहां अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करते हुए कहा कि देश और प्रदेश की सरकार किसानों की दशा सुधारने के लिए कृतसंकल्पित है और इसी के निमित्त विगत दिनों प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी का फैसला कर किसानों की आय को दोगुना करने की पहल की है।उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कोरोना माहमारी से देश की जनता को बचाने के लिए मुफ़्त वैक्सीन उपलब्ध कराने की घोषणा की । कोरोना के ख़िलाफ़ लड़ाई में मोदी सरकार हर देशवासी के साथ खड़ी है।

अलग अलग सड़क हादसे में तीन की मौत

मिर्जापुर संवादाता। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में आज अलग अलग सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए ।

अहरौरा थाना क्षेत्र के भगवतीदेई गांव के पास आज सुबह एक अज्ञात डम्पर के चपेट में आ जाने से बाईक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और उसका साथी गम्भीर रूप घायल हो गया है ।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चुनार थाना क्षेत्र के जलालपुरमाफी गांव निवासी शेरू सहानी अपने एक साथी के साथ बाईक से कही जा रहा था। सोनभद्र वाराणसी राजमार्ग पर स्थित भगवती देई गांव के पास एक डम्पर के चपेट में आ गया जिससे शेरू की मौत हो गयी। वाहन चालक फरार हो गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।दूसरी घटना मडिहान थाना क्षेत्र के पटेहरा गांव के पास की है। पुलिस ने बताया कि पटेहरा गांव निवासी रामबाबू अपने एक साथी के साथ बाईक से अपने रिश्तेदार के यहाँ से लौट रहा था। असंतुलित हो कर बाईक से गिर गया जिससे दोनों घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।इलाज के लिये वाराणसी ले जाते समय आज सुबह मौत हो गयी ।तीसरी घटना लालगंज थाना क्षेत्र के दुबारकलां बाजार की है। जहाँ स्कूटी और मोटर साइकिल की आमने सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई और दूसरा गम्भीर रूप घायल हो गया ।

सजी बेचने वाले की घर से बुला कर हत्या कर शव रेल लाइन के किनारे फेंका

इटावा संवादाता। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के बढपुरा इलाके में एक सब्जी बेचने वाले की हत्या कर दी गयी है । पुलिस अधीक्षक ~शहर~ प्रशांत कुमार ने आज यहां कहा कि रेलवे लाइन के किनारे से मिले हुए शव की पहचान कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है । मरने वाले के शरीर पर चोट के निशान पाये गये है ।हत्या की वारदात को अंजाम देने वालों ने शव को रेलवे लाइन के किनारे फेंक दिया जिससे वारदात को कोई और रूप दिया जा सके।शव की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में हुई है जो बढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंडेश्वर गांव का ही रहने वाला है। कृष्ण कुमार की पत्नी सोनम कुमारी का कहना है कि रात को 12 बजे के करीब किसी का फोन आया था और वह यह कह कर गया कि अभी आ रहा है।लेकिन रात में घर वापस नहीं लौटा सुबह उसकी हत्या की खबर मिली।

छत पर खड़े युवक ने हाथ उठाया, हाईटेंशन तार की चपेट में आया

जौनपुर संवादाता। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नडार गांव में शुक्रवार की देर रात एक युवक की मृत्यु हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हो गई।पुलिस के अनुसार मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नडार गांव निवासी बसंत लाल चौहान के तीन शौचालय का निर्माण एक साथ चल रहा था। शुक्रवार की देर रात मजदूर छत की ढ़लाई के काम में जुटे थे। पड़ोस का ही मंगल चौहान भी उत्सुकता वश वहां पहुंचा और छत पर चढ़ गया। विद्युत विभाग का 11हजार हाई वोल्टेज तार छत से महज कुछ फिट ही ऊपर से ही गुजरा है। असावधानीवश मंगल ने हाथ उठाया तो तार की चपेट मे आ गया और छटपटाने लगा।घटनास्थल पर जुटे लोग शोर मचाते हुए मंगल को बचाने में जुट गए। किसी तरह से विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई। मंगल चौहान को तार से खीचकर निकाला गया, तब वह पूरी तरह से झुलस चुका था। उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

फुटपाथ दुकानदारों, सब्जी विक्रेताओं व ऑटोचालकों का होगा टीकाकरण

झांसी संवादाता। उत्तर प्रदेश के झांसी में कोविड-19 से बचाव के लिए वृहद पैमाने पर चल रहे टीकाकरण अभियान और प्रसार देने के लिए स्वास्थ्य विभाग अब फुटपाथी दुकानदारों, सब्जी विक्रेताओं ,टेंपो और ऑटों चालकों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू करने जा रहा है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा. जे के निगम ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार जनपद में 14 जून से विशेष अभियान चलेगा। जिसमें दूध विक्रेता, सब्जी विक्रेता, ऑटो, टेंपो और ई-रिक्शा चालक, ठेला, खोमचा, रेहड़ी, पटरी व्यवसायी आदि संबंधित वर्ग को शामिल किया जाएगा। आरटीओ आफिस में ड्राइवर बूथ बनाकर यहां प्रतिदिन दो सत्रों में टीकाकरण किया जाएगा। नगर पालिका परिसर में स्ट्रीट वेंडर्स बूथ स्थापित किए जाएंगे। यहां पटरी दुकानदार, फल-सब्जी विक्रेता, रिक्शा/ठेला चालकों को वरीयता मिलेगी।जनपद में चल रहे कोरोना टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग कवायदों में जुटा हुआ है। सरकारी कर्मचारी, न्यायिक व मीडिया कर्मी सहित अभिभावक व महिला स्पेशल सत्र चलाए जा रहे हैं। इसीक्रम में अब फुटपाथी दुकानकारों, सब्जी विक्रेताओं, टेंपो व रिक्शा चालकों को शामिल किया गया है। 14 जून से इनके लिए भी विशेष सत्र चलाए जाएंगे। जनपद में अब तक 2.37 लाख से अधिक लोगों को टीके की पहली डोज़ लग चुकी हैं।कोरोना महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए प्रदेश में बृहद स्तर पर अलग-अलग समूह के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।

टीकाकरण में तेजी लाने के लिए समूहों के आधार पर रणनीति बनाई जा रही है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. रविशंकर ने बताया कि टीका लगने के बाद लाभार्थी को आधा घंटा आब्जर्वेशन में रखा जाता है। यहां टीकाकरण के बाद किसी लाभार्थी को कोई दिक्कत या परेशानी होती है तो इसकी निगरानी के लिए एईएफआई (एडवर्स इवेंट फालोइंग इम्युनाइजेशन) टीमें तैनात रहेंगी। इसके अलावा बूथों पर आकस्मिक स्थिति के लिए एंबुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी।

यूएनडीपी से वीसीसीएम गौरव ने बताया कि अब कोविड टीकाकरण के सर्टिफिकेट में कोविन एप से सुधार कर सकते है।

गंगा में हरे शैवाल की वजह मिर्जापुर एसटीपी की लचर व्यवस्था

वाराणसी, संवादाता। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में हरे शैवाल के लिए पड़ोसी जिले मिर्जापुर के विंध्याचल के चार-एमएलडी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की लचर व्यवस्था को संभावित कारण मानते हुए उसे

दुरुस्त करने के साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गंगा नदी में हरे शैवाल पाये जाने के सम्बन्ध में वाराणसी के जिलाधिकारी

कौशल राज शर्मा द्वारा गठित पांच सदस्यीय समिति के सदस्यों की जांच आख्या से यह खुलासा हुआ है। गत आठ से 10 जून के दौरान वाराणसी से मिर्जापुर (विन्ध्याचल अप स्ट्रीम) गंगा नदी के उद्गम, स्रोत तथा गंगा घाटों पर जाकर शैवाल के कारणों की जांच के बाद शुक्रवार को एक संयुक्त रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी गई।

उन्होंने बताया के आख्या में गंगा नदी में हरे शैवाल के संभावित कारणों की बाबत बताया गया है कि मिर्जापुर जिले

के विन्ध्याचल में चार-एमएलडी क्षमता का एसटीपी कन्वेंशन सिस्टम (लैगुनिंगसिस्टम) पर आधारित है। एसटीपी से जनित शुद्धिकरण उत्प्रवाह का निस्तारण बसवरिया ड्रेन के माध्यम से गंगा नदी में किया जाता है। शुद्धिकरण उत्प्रवाह से हरा शैवाल गंगा नदी में मिलने से गंगा नदी में धीरे-धीरे समय के साथ विकसित होती चली गयी। इस प्रकार एसटीपी विन्ध्याचल द्वारा शैवाल का मुख्य स्रोत प्रतीत होता है। गंगा नदी में फिलहाल जल का प्रवाह अपेक्षाकृत कम है तथा जल में 'एलग्ल ब्लूम' की वृद्धि के लिए उपयुक्त तापक्रम है, जो 'एलग्ल ब्लूम' को विकसित करने में सहायक होता है। साथ ही खेतों से जनित जल अपने साथ नाइट्रोजन, फास्फोरस, यूरिया, डीएपी आदि पानी के साथ बहने के कारण भी गंगा नदी में नाइट्रोजन, फास्फोरस की मात्रा बढ़ने की सम्भावना है। ये रसायन 'एलग्ल ब्लूम' की मात्रा बढ़ाने में सहायक होती है

श्री शर्मा ने समिति की जांच आख्या में शैवाल पाये जाने के संभावित कारणों के आधार पर विन्ध्याचल के चार

एमएलडी एसटीपी का उच्चीकरण कराने की संस्तुति से संबंधित अपना पक्ष रखा है। इसके अलावा चार एमएलडी एसटीपी जो कि हरे शैवाल को गंगा नदी में बहाये जाने तथा संचालन के लिए जिम्मेदार है, के कार्मिक को एसटीपी के सम्यक संचालन एवं रखरखाव संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये जाने की संस्तुति की गई है। गंगा किनारे बने सभी एसटीपी का समुचित संचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

उन्होंने वाराणसी में गंगा नदी में गिरने वाले नगवां/अस्सी, खिड़कियां, सामने घाट नालों को रमना स्थित 50 एमएलडी

क्षमता के एसटीपी में उपचारित करने को कहा है। इसी प्रकार रामनगर की ओर से गिरने वाले नालों के पानी को 10 एमएलडी क्षमता के एसटीपी, रामनगर में उपचारित करने पर जोर दिया है।

श्री शर्मा ने आख्या के आधार पर कहा है कि मिर्जापुर शहर से आंशिक एवं चुनार से जनित घरेलू मल-जल के शुद्धीकरण के लिए एसटीपी लगाये जाने की संस्तुति की जाये। गंगा नदी में गंदे पानी का बहाव कम से कम हो। हरे शैवाल को खत्म किये जाने एवं हरे शैवाल के कारण जलीय जंतुओं पर पड़ने वाले कुप्रभावों के अध्ययन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के संबंधित विभाग से कराये जाने की संस्तुति की गयी है।

जिलाधिकारी ने समिति की जांचआख्या के आधार पर मिर्जापुर एसटीपी के संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध शासन से कार्यवाही प्रस्तावित की है एवं अन्य सुझाव एवं संस्तुति से सम्बन्धित अधिकारियों एवं विभागों को अनुपालन के लिए निर्देश दे दिए गए हैं।

धर्म गुरुओं ने की कोविड प्रभावित बच्चों की देखभाल की अपील

लखनऊ, ब्यूरो। कोविड 19 महामारी से प्रभावित बच्चों की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए विभिन्न धर्म गुरुओं ने लोगों से अपील की है।

शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश एवं यूनिसेफ द्वारा आयोजित धर्म गुरु सम्मेलन में धर्म गुरुओं ने कहा कि कोविड प्रभावित बच्चों के बचपन को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपना कर्तव्य निभाना होगा। धर्म गुरुओं ने बच्चों को बाल श्रम से बचाने पर भी जोर दिया।

यूनिसेफ उत्तर प्रदेश की चीफ आफ फील्ड ऑफिस रूथ लीयनो ने कहा, ÷कोविड महामारी में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण आदि सब कुछ प्रभावित हुआ है और जिन बच्चों ने महामारी के कारण अपने माता पिता दोनों अथवा किसी एक को खोया है, उनके लिए यह समय और भी चुनौतीपूर्ण है। ऐसे बच्चों को विशेष देखभाल एवं स्नेह की आवश्यकता है। ÷ उन्होंने धर्म गुरुओं से टीकाकरण को भी बढ़ावा देने का अनुरोध किया ताकि कोविड 19 से होने वाली मृत्यु कम हों और जल्द ही स्थितियाँ सामान्य हो सकें।

महिला कल्याण विभाग के निदेशक, मनोज कुमार राय ने कहा, ÷कोविड प्रभावित बच्चों के लिए सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कि शुरुआत की गई है। हमारा उद्देश्य है कि योजना का लाभ प्रत्येक कोविड प्रभावित बच्चे तक पहुंचे। ऐसे किसी भी बच्चे की जानकारी 1098 अथवा 181 पर अवश्य साझा करें और बच्चों को गलत हाथों में पड़ने से रोकने में अपना सहयोग करें।÷ प्रदेश में अब तक लगभग 3000 कोविड प्रभावित बच्चों के विषय में पता चला है जिन्होंने माता पिता में से किसी एक अथवा दोनों को खोया है।मनकामेश्वर मठ लखनऊ की महंत देव्यागिरि ने कहा, ÷महामारी के कारण भय का वातावरण हैं। बच्चों के साथ ही बड़े भी अपनों को खोने के बाद भयभीत हैं और मानसिक रूप से टूट चुके हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि हम मिल कर ऐसे लोगों की सहायता के लिए सामने आयें। हमें सुनिश्चित करना होगा कि माता पिता के देहांत के बाद कोई भी बच्चा गलत व्यक्ति अथवा संस्थान के पास न जाए और प्रत्येक प्रभावित बच्चा सरकार द्वारा चलाई जा रही सेवाओं से जुड़ कर लाभ ले सके।÷

ऐशबाग ईदगाह के शाही इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, ÷हर मजहब हमें जरूरतमंदों की मदद करने की सीख देता है। आज जब तमाम मासूम बच्चे अपने माता पिता को खोने के बाद अकेले हो गए हैं तो हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इस समय ऐसे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही असली इबादत है।÷ उन्होंने बालश्रम निवारण के लिए भी कदम उठाने पर जोर दिया।

गुरुद्वारा गुरु का ताल आगरा के संत बाबा प्रीतम सिंह ने कहा, ÷सिख धर्म हमे सिखाता है कि हम हर किसी को अपनेपन की भावना से देखें अतः हर बच्चे को अपना समझें और उसकी रक्षा करें।÷ उन्होंने बताया कि महामारी में गुरुद्वारों ने भोजन एवं ऑक्सीजन लंगरों के माध्यम से बहुत से लोगों की मदद करने का प्रयास किया है।फादर वरगिस कुन्नाथ, रीजनल डाइरेक्टर इंटरफेथ डायलौग ने कहा, ÷किसी भी समाज और देश की तरक्की के लिए उसके बच्चों का स्वस्थ, शिक्षित और सुरक्षित होना अनिवार्य है। बच्चे ईश्वर का अवतार हैं और आज हमारे देश के बच्चों को हमारी जरूरत है। उनसे प्रेम करें और उनकी सहायता करें।

यूपी में कोरोना के सक्रिय मामले दस हजार से कम

लखनऊ, ब्यूरो। देश में घनी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में वैश्विक महामारी कोविड-19 की दूसरी लहर का प्रभाव लगातार कम हो रहा है, नतीजन राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या दस हजार से कम हो गयी है।अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना के कुल 524 नये मामले सामने आये है वहीं 1757 मरीज स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट गये। राज्य में फिलहाल 9806 मरीजों का उपचार चल रहा है।उन्होने बताया कि राज्य में कोरोना का रिकवरी रेट 98.1 फीसदी हो चुका है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के दो लाख 74 हजार संदिग्ध मरीजों के नमूने लिये गये । अब तक राज्य में पांच करोड़ 30 लाख टेस्ट किये जा चुके है जिसे करने वाला यूपी देश में इकलौता राज्य है।

श्री सहगल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जितने कुल सक्रिय केस है, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में इतने मामले रोज आ रहे हैं। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ट्रेस,टेस्ट और ट्रीट फार्मूले का असर है जिससे कोरोना को पूरी तरह काबू किया गया है। करीब एक लाख गांवों में 70,000 से अधिक निगरानी समितियों ने घर घर जाकर की संक्रमितों की पहचान की है। इसी वजह से 25 करोड़ की सबसे ज्यादा आबादी के बाद भी यूपी में मृत्यु दर महाराष्ट्र दिल्ली जैसे बेहद कम आबादी वाले राज्यों से बेहद कम रही।

यूपी में कांग्रेस एकमात्र मजबूत विकल्प : लल्लू

लखनऊ, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भ्रष्टाचार और घोटालेबाज सरकारों से त्रस्त जनता के सामने कांग्रेस एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरी है।श्री लल्लू ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि समाजवादी पार्टी टूट रही है, वही सत्ताधारी भाजपा पूरी तरह बिखर रही है, बारी-बारी से जनता को भृमित कर सत्ता में आने वाले सपा व भाजपा जैसे दलों के भ्रष्टाचार, अपराध, घोटालेबाजी के कारण ऊब चुकी है। संकट काल में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में जनता के मुद्दों पर सड़क से सदन तक संघर्ष कर रही है वही सेवा सत्याग्रह के माध्यम से कोरोना जैसी महामारी की विभीषिका में उसके कार्यकर्ता जरूरतमंदों की मदद करने में लगे है।माजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल यादव को पार्टी में शामिल कराने के अवसर पर उन्होने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी और प्रदेश को बर्बादी, बदहाली, बेरोजगारी, बढ़ते अपराध व भ्रष्टाचार से बचाकर उसके गौरव को पुनः स्थापित करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने सपा व भाजपा पर बरसते हुए कहा कि पिछले तीन दशकों से इन्होंने बारी-बारी से जनादेश का अपमान किया है और प्रदेश को बदहाल बनाने, बेरोजगारों से धोखा करने, नौकरियों में घोटाले करने व भर्तियों को लटकाए रखने व अपराधियों को खुलकर संरक्षण देकर प्रदेश की भरपूर उपेक्षा की है, कांग्रेस अपनी मजबूत विचारधारा व जनसरोकारों के बूते श्रीमती वाड्रा के नेतृत्व में जनादेश प्राप्त करने में सफल रहेगी व प्रदेश के गौरव को पुनः स्थापित कर बदहाल व्यवस्था को पटरी पर लाकर महंगाई, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार और किसानों को उत्पीड़न से मुक्त वातावरण में विकास के मार्ग पर ले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा के जनविरोधी शासन काल में हत्या, सामूहिक बलात्कार, महिला उत्पीड़न, लूट, बेरोजगरी, महंगाई के विरुद्ध श्रीमती वाड्रा के नेतृत्व में चट्टान की तरह अडिग होकर कांग्रेस संघर्ष कर रही है।

जय प्रकाश निषाद ने किया कोविड हास्पिटल का उद्घघाटन

लखनऊ, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री जय प्रकाश निषाद ने आज उत्तर प्रदेश में देवरिया के रूद्रपुर में आक्सीजन युक्त पचास बेड का कोविड अस्पताल का उद्घघाटन किया। इससे रूद्रपुर क्षेत्र के लोगों को कोविड के इलाज कराने में आसानी होगीश्री निषाद ने कहा कि योगी सरकार कोरोना से निजाद दिलाने के लिए तत्तपर है। मुख्यमंत्री के आदेश पर सभी जनप्रतिनिधियों ने एक एक अस्पताल को गोद लिया है जिसमें रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उनके द्वारा गोद लिया गया है। यहां अस्पताल में मूलभूत सुविधाये ऑक्सीजन पाइप लाइन और जरूरी सामान के लिए अपने विधायक निधि से 20 लाख रुपए दिया है और आगे भी अस्पताल में पैसे के अभाव से किसी मरीज का इलाज नहीं रुकेगा।

महंगाई बढ़ा कर जनता की मुश्किलें बढ़ा रही है भाजपा: राजभर

लखनऊ, ब्यूरो।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कोरोना संकट से बेहाल जनता के सामने सत्तारूढ़ भारतीय समाज पार्टी (भाजपा) महंगाई बढ़ा कर मुश्किले खड़ी कर रही है।

एक दिन पहले भाजपा को डूबती हुयी नैया बताने वाले श्री राजभर ने शनिवार को कहा कि वोट के लिये परेशान केन्द्र सरकार का महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, सरसों तेल ,राशन, सब्जी, लगभग हर सामान की बढ़ती हुई महंगाई से गरीब, मध्यमवर्ग, व्यापारी, किसान, हर वर्ग परेशान है।

श्री राजभर ने ट्वीट किया ÷ पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, सरसों तेल ,राशन, सब्जी, लगभग हर सामान की बढ़ती हुई महंगाई से गरीब, मध्यमवर्ग, व्यापारी, किसान, हर वर्ग परेशान है ,इससे जनता का ध्यान भटकाने के लिये भारतीय झूठ पार्टी सिर्फ ड्रामा,कर रही है,लोग कोरोना संकट,महंगाई से परेशान है,भाजपा वोट के लिए परेशान है,।÷

उन्होने कहा ÷ एक तरफ आम आदमी कोविड और आमदनी कम होने से परेशान है वहीं दूसरी ओर केंद्र/प्रदेश सरकार महंगाई से उनके लिए मुश्किल खड़ी कर रही है,आये दिन महगांई बढ़ रही है। केंद्र सरकार का महगांई के कीमतों पर कोई नियंत्रण नही है ।÷

इससे पहले शुक्रवार को अपना दल (एस) अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मुलाकात पर तंज कसते हुये श्री राजभर ने ट्वीट किया था ÷ भाजपा डूबती हुई नैया है,जिसको इनके रथ पर सवार होना है हो जाये पर हम सवार नहीं होंगे,जब चुनाव नजदीक आता है तब इनको पिछड़ो की याद आती है जब मुख्यमंत्री बनाना होता है तो बाहर से लाकर बना देते है,हम जिन मुद्दों को लेकर समझौता किये थे साठे चार साल बीत गया एक भी काम पूरा नहीं हुआ।÷

उन्होने कहा था ÷ उ.प्र.में शिक्षक भर्ती में पिछड़ो का हक लुटा,पिछड़ो को हिस्सेदारी न देने वाली भाजपा किस मुह से पिछड़ो के बीच मे वोट मांगने आएंगी इनको सिर्फ वोट के लिए पिछड़ा याद आते है। हमने भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया है जो भी उप्र. में भाजपा को हराना चाहते है हम उनसे गठबंधन करने को तैयार है।÷

सपा के कद्दावर नेता पारस नाथ यादव की पहली पुण्यतिथि मनाई गई

लखनऊ, ब्यूरो। समाजवादी पार्टी के संथापक सदस्य, जिले के कद्दावर नेता , पूर्व कैबिनेट मंत्री पारस नाथ यादव की प्रथम पुण्यतिथि शनिवार को उत्तर प्रदेश के जौनपुर नगर में स्थित पचहटिया स्थित कोल्डस्टोरेज पर मनायी गयी ।

जिले के मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के आदमपुर (कारो) गांव के निवासी पारस नाथ यादव पहली बार 1985 में जिले के बरसठी विधानसभा क्षेत्र से दमकिपा से विधायक चुने गए थे । उसके बाद इसी विधानसभा क्षेत्र से 1989 में जनतादल से चुनाव जीते और प्रदेश सरकार में मंत्री बने । श्री यादव बरसठी विधानसभा क्षेत्र से 1993 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक बने मुलायम सिंह यादव की सरकार में ये कैबिनेट मंत्री बने ।

साल 1996 में इन्होंने अपना चुनाव क्षेत्र बदल कर मड़ियाहूं कर दिया और सपा से विधायक चुने गए । मड़ियाहूं से ही 2002 में पुनः सपा से विधायक बने और फिर अपना चुनाव क्षेत्र बदल कर नवगठित विधानसभा क्षेत्र मल्हनी को चुना और 2012 में वहां से विधायक बने।

प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार में ये कैबिनेट मंत्री बने। इसके बाद 2017 में श्री यादव मल्हनी से भाजपा लहर के बावजूद फिर सपा के विधायक बने । विधायक के साथ ही साथ पारस नाथ यादव जौनपुर लोकसभा से 1998 और 2004 में समाजवादी पार्टी के सांसद भी चुने गए थे । श्री यादव सात बार विधायक , दो बार सांसद और तीन बार प्रदेश सरकार में मंत्री भी रहे हैं । श्री यादव को सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव बहुत मानते थे । जौनपुर में पार्टी को आगे बढ़ाने में श्री यादव का बहुत योगदान रहा है ।

बसपा और शिअद गठबंधन पंजाब में विकास के नये युग की शुरूआतः मायावती

लखनऊ, ब्यूरो। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन को ऐतिहासिक करार देते हुये उम्मीद जाहिर की कि यह राजनीतिक पहल पंजाब में बहुप्रतीक्षित विकास और खुशहाली के नये युग की शुरूआत करेगी।सुश्री मायावती ने एक के बाद एक तीन ट्वीट कर पंजाब के लोगों को बधाई और शुभकामनाये दी। उन्होने कहा पंजाब में आज शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी द्वारा घोषित गठबंधन यह एक नया राजनीतिक व सामाजिक पहल है, जो निश्चय ही यहाँ राज्य में जनता के बहु-प्रतीक्षित विकास, प्रगति व खुशहाली के नए युग की शुरूआत करेगा। इस ऐतिहासिक कदम के लिए लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उन्होने कहा वैसे तो पंजाब में समाज का हर तबक़ा कांग्रेस पार्टी के शासन में यहाँ व्याप्त गरीबी, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी आदि से जूझ रहा है, लेकिन इसकी सबसे ज्यादा मार दलितों, किसानों, युवाओं व महिलाओं आदि पर पड़ रही है, जिससे मुक्ति पाने के लिए अपने इस गटबन्धन को कामयाब बनाना बहुत जरूरी।

सुश्री मायावती ने पंजाब के लोगों से अपील की कि वे अकाली दल व बी.एस.पी. के बीच आज हुये इस ऐतिहासिक गठबन्धन को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए यहाँ सन् 2022 के प्रारम्भ में ही होने वाले विधानसभा आमचुनाव में इस गठबन्धन की सरकार बनवाने में पूरे जी-जान से अभी से ही जुट जाएं।

बसपा के पूर्व एमएलसी रामू द्विवेदी तथा उनके तीन साथियों को देवरिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, ब्यूरो। बहुजन समाज पार्टी(बसपा) के पूर्व एमएलसी रामू द्विवेदी के साथ उनके तीन साथियों को उत्तर प्रदेश की देवरिया पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर यहां रिमांड मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया ।

पुलिस अधीक्षक श्रीपति मिश्र ने आज यहां बताया कि रामू द्विवेदी तथा उनके तीन साथी यहां विभिन्न मुकदमों में वांछित चल रहे थे और उनकी गिरफ्तारी के लिये देवरिया पुलिस लगी हुई थी। शुक्रवार की रात देवरिया पुलिस ने पूर्व एमएलसी रामू को लखनऊ के बहुखंडी आवास के पास से गिरफ्तार किया। उनके तीन साथियों कुणाल मल्ल, बजरंगी तिवारी और मनीष मिश्र को भी देवरिया पुलिस ने विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया है।

ये लोग विभिन्न मुकदमों में वांछित थे तथा पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। चारों आरोपियों को रिमांड मजिस्ट्रेट के यहां पेश किया गया ।

रामू द्विवेदी तथा उनके साथियों पर आरोप है कि इन लोगों ने देवरिया निवासी तथा शराब कोरोबारी संजय केडिया पर जानलेवा हमला किया था तथा समाजसेवी निकुंज अग्रवाल के साथ मारपीट की थी। उत्तर प्रदेश के टॉप 33 माफियाओं की सूची में रामू द्विवेदी का नाम भी है।

मौसम ने ली अंगड़ाई, कहीं रिमझिम तो कहीं झमाझम बारिश के आसार

लखनऊ, ब्यूरो।उत्तर प्रदेश में मानसून की आहट के बीच मौसम विभाग ने लगभग समूचे राज्य में अगले 24 घंटों में बारिश का अनुमान जताया है। बारिश का यह सिलसिला अगले सप्ताह भी जारी रहने के आसार हैं।राज्य के कई इलाकों में बूदांबांदी से मौसम शनिवार को सारा दिन खुशगवार बना रहा। इस दौरान कुछ इलाकों में आसमान में बादलों का डेरा लगने से धूप छांव का खेल चलता रहा। मौसम विभाग के अनुसार लखनऊ समेत राज्य के कई इलाकों में अगले 24 घंटों में वर्षा के आसार है। इस दौरान कुछ इलाकों में तेज रफ्तार हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है।विभाग के अनुसार बारिश का यह सिलसिला कम से कम 16 जून तक जारी रहने की संभावना है हालांकि इस दौरान तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होगा और उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। मौसम में आये इस बदलाव को लेकर ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। किसान मौसम के रूख को भांपते हुये परिवार समेत खेतों को तैयार करने में जुट गये है।तय समय से पूर्व मानसून की संभावना को देखते हुये शहरी इलाकों में जलभराव के ज्यादा मामले देखने को मिल सकते है क्योंकि कानपुर समेत कई शहरों में नहर में जमा सिल्ट और गंदगी को हटाया नहीं जा सका है ।

अखिलेश ने स्वास्थ्य सेवा लचर होने का लगाया आरोप

लखनऊ, ब्यूरो।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज फिर आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की उपेक्षा के चलते उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हो गई है।

प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी पर कोई नियंत्रण नहीं है। दवाओं, इंजेक्शन की कालाबाजारी बेरोकटोक जारी है। कोरोना कर्फ्यू और ऑक्सीजन की किल्लत ने लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है। भाजपा दोतरफा बातें और चालें चलती है। एक तरफ सरकार कहती है कि कोरोना का इलाज फ्री में है वहीं दूसरी ओर सरकारी बैंक कोरोना इलाज के लिए 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर से लोन दे रहे है।उन्होंने कहा कि बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल यह है कि मिर्जापुर के तिलोवगांव में एक गंभीर मरीज को चारपाई में लादकर उपचार के लिए 8 किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाने का मामला सामने आया है। भाजपा राज में गंभीर मरीजों को एंबुलेंस तक नसीब नहीं है। कानपुर में ठेले पर एक मरीज को लाने और कूड़ा गाड़ी में शव ले जाने की शर्मनाक घटनाएं भी हुई है।

निजी अस्पतालों ने कोरोना संकट में जबरन लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आगरा के पारस अस्पताल में ऑक्सीजन बंद कर मरीजों को मौत के मुंह में जाने दिया गया। सरकार ने जो दरें इलाज और आवश्यक दवाओं के लिए तय की, उनका कहीं पालन नहीं हुआ।

कोरोना संकट के दौर में ही भाजपा सरकार ने अपनी खूब वाहवाही की लेकिन दूसरी लहर के आने के साथ सब किंकर्तव्यविमूढ़ की स्थिति में चले गए। ब्लैक फंगस का सही इलाज अस्पतालों में नहीं हो पाया। दवाओं, इंजेक्शन का अकाल है। मुख्यमंत्री जी दिल्ली में अपने शीर्ष नेतृत्व से भेंट वार्ता में व्यस्त रहे। प्रदेश में हाहाकार मचा है। जनता त्रस्त है। भाजपा जनता के दुःख दर्द से जुड़ने के बजाय सिर्फ सत्ता बचाने में व्यस्त है।

दोतरफा बातें और चालें चलती है भाजपा सरकार : अखिलेश

लखनऊ, ब्यूरो। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दोतरफा बातें और चालें चलती है। एक तरफ सरकार कहती है कि कोरोना का इलाज फ्री में है वहीं दूसरी ओर सरकारी बैंक कोरोना इलाज के लिए 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर से लोन दे रहे है।श्री यादव ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार की उपेक्षा के चलते उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हो गई है। प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी पर कोई नियंत्रण नहीं है। दवाओं, इंजेक्शन की कालाबाजारी बेरोकटोक जारी है। कोरोना कर्फ्यू और ऑक्सीजन की किल्लत ने लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है। बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल यह है कि मिर्जापुर के तिलोवगांव में एक गंभीर मरीज को चारपाई में लादकर उपचार के लिए आठ किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाने का ऋश्य सामने आया है। भाजपा राज में गंभीर मरीजों को एंबुलेंस तक नसीब नहीं है।उन्होने कहा कि निजी अस्पतालों ने कोरोना संकट में जबरन लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

यूपी में पंचायत के रिक्त पदों पर मतदान संपन्न, मतगणना 14 को

लखनऊ, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में रिक्त रह गए पदों के लिये मतदान शनिवार को शान्तिपूर्ण ढंग से 8321 पोलिंग बूथों पर सम्पन्न हुआ।

पोलिंग पार्टियां मतपेटियों को जमा करने के लिये पोलिंग बूथों से रवाना हो चुकीं हैं। आगामी 14 जून को मतगणना करायी जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 64.74 प्रतिशत मतदान हुआ है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि रिक्त रह गए पदों पर निर्वाचन की अधिसूचना 31 मई को जारी की गई थी। रिक्त पदों के निर्वाचन के लिये 253036 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है जिसमें 26 प्रधान, 01 सदस्य जिला पंचायत, 44 सदस्य क्षेत्र पंचायत एवं 206941 सदस्य ग्राम पंचायत निर्विरोध निर्वाचित हुए थे।

जिला पंचायत सदस्य के रिक्त सात पदों के लिये कुल 72 नामांकन प्राप्त हुए थे जिनमें से छह नामांकन पत्र रद्द होने एवं 05 नाम वापसी, एक सदस्य जिला पंचायत निर्विरोध निर्वाचित होने के फलस्वरूप अवशेष रिक्त 06 पदों के लिये रायबरेली में 02, उन्नाव, लखीमपुर खीरी, वाराणसी एवं बदाँयू में एक-एक पद के लिये मतदान कराया गया है।

इसी प्रकार सदस्य क्षेत्र पंचायत के रिक्त 186 पदों हेतु 665 नामांकन प्राप्त हुए थे जिनमें 31 नामांकन रद्द होने एवं 73 उम्मीदवारों द्वारा अपने नामांकन वापस लिए गए थे। 44 सदस्य क्षेत्र पंचायत निर्विरोध निर्वाचित हो जाने के फलस्वरूप 137 पदों पर आज मतदान हुआ। प्रधान ग्राम पंचायत के रिक्त 156 पदों हेतु 714 नामांकन दाखिल हुए थे जिसमें 08 नामांकन रद्द होने एवं 97 नाम वापसी तथा 26 निर्विरोध निर्वाचित हो जाने के फलस्वरूप 128 पदों पर आज मतदान कराया गया है। प्रधान ग्राम पंचायत के दो पदों श्रावस्ती के सिरसिया ब्लाक के ग्राम पंचायत रामपुर देवमन एवं खैरी तराई में कोई नामांकन प्राप्त न होने के कारण रिक्त रह गए ।

2,27,504 सदस्य ग्राम पंचायत के रिक्त पदों के लिये 2,51,585 नामांकन प्राप्त हुए थे जिसमें 7,405 नामांकन रद्द होने एवं 7,644 उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लिए जाने के फलस्वरूप 2,06,941 सदस्य ग्राम पंचायत निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। 14,179 रिक्त पदों पर आज मतदान कराया गया है। 6384 रिक्त सदस्य ग्राम पंचायत पद के लिये कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुए जिससे वह रिक्त रह गए हैं।

सरकार के कामों को जानने के लिये अखिलेश रोज पढ़े अखबारः खन्ना

लखनऊ, ब्यूरो।उत्तर प्रदेश के कबीना मंत्री सुरेश खन्ना ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को रोज अखबार पढ़ने की सलाह दी है ताकि वह सरकार के कामो के बारे में जाने बिना अनर्गल बयान न दें।श्री खन्ना ने शनिवार को कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को गर्त में ढकेलने वाले अखिलेश यादव को न कुछ दिखाई देता है न कुछ सुनाई देता है और उनके जानने और समझने की हास्यास्पद क्षमता तो जगजाहिर हो चुकी है। बिना जाने समझे कुछ भी बोलने वाले अखिलेश रोज का अखबार भी पढ़ रहे होते तो उनको सरकार के कामों की जानकारी जरूर होती। जिस योगी सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं की तारीफ डब्ल्यूएचओ समेत पूरी दुनिया कर रही है। अखिलेश उस पर सवाल खड़े करने की कोशिश कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि झूठे, बेबुनियाद और हास्यास्पद बयानबाजी की बजाय अखिलेश बाहर निकलकर यूपी की स्वास्थय सेवाओं को देखते तो शायद कुछ जानकारी बढ़ती। योगी सरकार ने कोरोना काल में 80 हजार से ज्यादा नए बेड अस्पतालों में बढ़ाए हैं। 72 नए ऑक्सीजन प्लांट शुरू करवाए हैं। प्रदेश में 30 नए मेडिकल कॉलेज, हर जिले में पीकू के 100 बेड के इंतजाम के साथ प्रदेश भर के सीएचसी और पीएचसी का कायाकल्प किया है। प्रदेश भर के अस्पतालों को वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की अत्याधुनिक सुविधओं से लैस किया है।उन्होने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों को अतिरिक्त सुविधाएं और भत्ते देकर उनको और बेहतर करने के लिये प्रोत्याहित किया है। एक वह भी दौर था जब सपा सरकार के दौरान लोग अस्पताल के दरवाजे पर दम तोड़ देते हैं। न बेड थे, न डॉक्टर और न ही एंबुलेंस। योगी सरकार ने केन्द्र के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जिसकी चर्चा देश में ही नहीं पूरी दुनिया में हो रही है।

मेनका ने सुलतानपुर में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया

लखनऊ, ब्यूरो। कोरोना महामारी के चलते जारी साप्ताहिक लॉक डाउन के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी ने शनिवार को स्वास्थ्य केंद्रो का निरीक्षण किया और कोरोना काल में मृतको के परिजनों के घर पहुंच की ढाढंस बधाया।संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय दौरे पर आई श्रीमती गांधी ने आज मोतिगरपुर एवं कादीपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थित में निरीक्षण किया। उन्होंने कोरोना टीकाकरण की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की और अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि वह स्वयं संक्रमित हो गई थी, इसके बावजूद अपने क्षेत्र में ऑक्सीजन प्लांट,स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाने में वह लगातार मुख्यमंत्री व सुलतानपुर जिला प्रशासन के संपर्क में थी। सांसद ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्होंने देखा कि अभी भी लोग टीकाकरण के प्रति गंभीर नहीं दिखाई पड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने बेहद चिंता व्यक्त की।उन्होने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की देखरेख व टीकाकरण में वृद्धि के लिए भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिले के समस्त 53 स्वास्थ्य केंद्रों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों द्वारा गोंद लिया गया है। श्रीमती गांधी ने कहा कि गरीबों व प्रवासी मजदूरों को नवंबर तक निशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाएगा , प्रत्येक प्रवासी मजदूरों तथा ठेले और पटरी दुकानदारों के बैंक खातों में 1000 रूपये की मदद भी सरकार के द्वारा दी जा रही है।सांसद ने कादीपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंवाद करते हुए कहा मैं सांसद के रूप में नहीं मां के रूप में आप सबको खुश देखना चाहती हूं। बड़े-बड़े काम तो मैं करती ही हूँ मगर मेरी दिलचस्पी लोगों के छोटे कामों, निजी दिक्कतों व रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान पर ज्यादा रहती है, क्योंकि यह मुसीबत लोगों के जीवन को प्रभावित करतीं है।

आजम की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

लखनऊ, ब्यूरो। समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर नेता आजम खान की मुश्किलें थमने का नाम नही ले रही है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्ड पीठ ने उत्तर प्रदेश में जलनिगम नियुक्ति धांधली मामले में पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा सांसद की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

25 अप्रैल 2018 को इस मामले में आजम खां के विरूद्ध लखनऊ के एसआईटी थाने में आईपीसी की धारा,409,420,120 बी और 201 के तहत केस दर्ज हुआ था । अदालत ने उन्हें अग्रिम जमानत देने से स्पष्ट इनकार कर दिया है।

गौरतलब है कि जल निगम में 1300 पदों पर नियुक्तियों से जुड़े धांधली के मामले में लखनऊ खंडपीठ ने आजम खान की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई की थी। इसके बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था । यह फैसला न्यायमूर्ति राजीव सिंह की पीठ ने मोहम्मद आजम खान की याचिका पर दिया है। बेंच के समक्ष इस याचिका पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई हुई थी ।

संपादकीय

कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों के लोग इस तरह उठा सकते हैं आरबीआइ की इस घोषणा से फायदा

आरबीआई ने उपर्युक्त लिक्विडिटी राहत घोषणा उन सेक्टर के लिए की है जो कोविड महामारी की दूसरी लहर से सर्वाधिक प्रभावित हैं। आलोच्य सभी सेक्टर लोगों के घर से बाहर निकलने, घूमने-फिरने, बाहर खाना खाने इत्यादि से संबंधित हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कोविड-19 की दूसरी लहर की सर्वाधिक मार झेल रहे अर्थव्यवस्था के कुछ सेक्टर के लिए ऑन-टेप लिक्विडिटी विंडो उपलब्ध कराया है। आरबीआई ने कतिपय संपर्क-गहन (कॉन्टैक्ट इंटेंसिव) सेक्टर के लिए 1500 करोड़ रुपये की लिक्विडिटी विंडो की घोषणा की है। उपर्युक्त स्कीम 7 जून, 2021 से आरंभ हो गई है और यह 31 मार्च, 2022 तक चालू रहेगी। आरबीआई उपर्युक्त स्कीम के तहत उन बैंकों को उपर्युक्त तरलता उपलब्ध कराएगा जो लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फैसिलिटी (एलएएफ) की शर्तों को पूरा करता है। फिर बैंक इस फंड का इस्तेमाल आलोच्य सेक्टर को कर्ज उपलब्ध कराने के लिए करेगा। बैंकों को आरबीआई से उपर्युक्त फंड रेपो दर यानी 4 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध होगा।

आरबीआई ने उपर्युक्त लिक्विडिटी राहत घोषणा उन सेक्टर के लिए की है जो कोविड महामारी की दूसरी लहर से सर्वाधिक प्रभावित हैं। आलोच्य सभी सेक्टर लोगों के घर से बाहर निकलने, घूमने-फिरने, बाहर खाना खाने इत्यादि से संबंधित हैं। परंतु लॉकडाउन की वजह से लोग घर से बाहर नहीं निकल पाये जिसकी वजह से इनका व्यवसाय अस्थायी तौर पर बंद हो गया। कोविड-19 की पहली लहर के पश्चात ये सेक्टर उबरने का ही प्रयास कर रहे थे कि दूसरी लहर ने इन्हें फिर से अपनी चपेट में लिया। गौरतलब है कि ये भारतीय अर्थव्यवस्था के ऐसे सेक्टर हैं जो बहुत सारे लोगों को रोजगार भी प्रदान करता है जिनमें स्व-रोजगार भी शामिल है। लॉकडाउन की वजह से ये नकदी की समस्या का सामना कर रहे थे, ऐसे में जाहिर है कि आरबीआई की यह लिक्विडिटी घोषणा राहत भरी खबर है। अब जबकि धीरे-धीरे लॉकडाउन खुलना आरंभ हुआ है, इन्हें अपने परिचालन के लिए नकदी की आवश्यकता होगी। इसलिए आरबीआई की घोषणा का समय भी काफी प्रासंगिक है।हालांकि उपर्युक्त सेक्टर से जुड़े लोगों की मानना है कि आरबीआई की उपर्युक्त घोषणा राहत प्रदान करने वाली है परंतु तीन वर्षों की स्कीम की अवधि कम है, इसे बढ़ाकर पांच वर्ष किया जाना चाहिये। ऐसा इसलिए कि जिस तरह के आर्थिक संकट का सामना ये सेक्टर कर रहे हैं, उससे उबरने के लिए तीन वर्षों का समय काफी नहीं है। दूसरी ओर इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ), जोकि 1,600 से अधिक ऑपरेटर्स का संघ है, का मानना है कि आरबीआई की उपर्युक्त घोषणा से आसान कर्ज मिल पाएगा और यह टूर ऑपरेटर्स को काफी मदद करेगा जिन्हें विगत एक वर्ष से अधिक समय से शून्य आय का सामना करना पड़ा है।हालांकि कुछ विशेषज्ञों ने कतिपय चिंताएं भी जतायी हैं।

पीओके में अभी विधानसभा चुनाव क्यों करा रहा है पाकिस्तान ? क्या हैं पाक अधिकृत कश्मीर के चुनावी मुद्दे ?

पाकिस्तान जिस पीओके में विधानसभा चुनाव कराने की बात कह रहा है वहां के लोगों के मन में क्या है, आइये अब यह जानते हैं। इस समय की बात करें तो पाकिस्तान सरकार और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ यहां के लोगों के मन में गहरा आक्रोश है।

पाकिस्तान एक ओर तो भारत के साथ शांति की बात करता है तो दूसरी ओर नापाक हरकतें भी करता रहता है। यह जानते हुए भी कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा है, पाकिस्तान के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने पीओके में 25 जुलाई को विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा कर डाली है। पाकिस्तान ने पिछले साल गिलगिट-बाल्टिस्तान में भी विधानसभा चुनाव कराया था जिसका विरोध करते हुए भारत ने कहा था कि सैन्य कब्जे वाले क्षेत्र की स्थिति को बदलने के लिए किसी भी कार्रवाई का पाकिस्तान के पास कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत सरकार ने पाकिस्तान को कई बार यह स्पष्ट रूप से बताया है कि गिलगिट और बाल्टिस्तान क्षेत्रों सहित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न अंग हैं।

जहाँ तक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की बात है तो वहाँ के मुख्य चुनाव आयुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अब्दुल राशिद सुलेहरिया ने 25 जुलाई को चुनाव कराने की घोषणा की है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार उम्मीदवार 21 जून तक अपना नामांकन पत्र भर सकते हैं और अंतिम सूची 3 जुलाई को जारी की जाएगी। पीओके में विधानसभा के 45 प्रतिनिधियों को चुनने के लिए चुनाव होगा। पाकिस्तान ने इस बार के चुनाव में चार विधानसभा सीटें बढ़ा दी हैं। पीओके विधानसभा के लिए पिछला आम चुनाव जुलाई 2016 में कराया गया था और तब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने उसमें जीत दर्ज की थी।

पाकिस्तान जिस पीओके में विधानसभा चुनाव कराने की बात कह रहा है वहां के लोगों के मन में क्या है, आइये अब यह जानते हैं। इस समय की बात करें तो पाकिस्तान सरकार और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ यहां के लोगों के मन में गहरा आक्रोश है। पिछले कुछ समय से यहां के लोग चीन की ओर से क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के किये जा रहे दोहन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। यही नहीं पीओके की जनता पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरन भूमि कब्जे के खिलाफ भी आवाज उठाती रही है। साथ ही बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार की समस्या से इस समय पीओके का हर आदमी परेशान है। इस क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का अभाव तो है ही साथ ही बेरोजगारी और कमीशनखोरी ने हर आदमी का जीना मुहाल कर रखा है। यही नहीं आईएसआई की ओर से अकसर लोगों पर की जाने वाली छापेमारी भी यहां बड़ा मुद्दा है। साथ ही लोगों का आरोप है कि यहां पर सर्वाधिक बिजली बनने के बावजूद लोगों को पूरे समय बिजली सप्लाई नहीं की जाती और उसे बाहर बेच दिया जाता है। हालिया समय में कई बार यहाँ खुलकर पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ प्रदर्शन होते रहे हैं और सामाजिक कार्यकर्ता भारत तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की माँग करते रहे हैं।

पीओके में महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तो चल ही रहे हैं साथ ही पिछले साल एक ऐसी घटना हुई थी कि पाक हुक्मरानों के होश उड़ गये थे। पिछले साल 21 अगस्त को पीओके के ददयाल शहर में एक सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार तनवीर अहमद ने पाकिस्तानी झंडा उतार दिया था जिसके बाद उसे सुरक्षा एजेंसियां उठा कर ले गयीं। यही नहीं इसी साल जनवरी में महँगाई के आसमान पर पहुँच जाने के खिलाफ स्थानीय नेताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद स्थानीय नेताओं की गिरफ्तारी के साथ ही आंदोलन हिंसक हो गया और पीओके में नागरिकों और पुलिस के बीच झड़पें हुई थीं। प्रदर्शनकारियों ने आजाद पट्टन इलाके में एक पुलिस थाने में आग लगा दी और पुलिस वाहनों को नष्ट कर दिया था जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग और लाठीचार्ज भी किया जिसमें कई लोग मारे गये और कई घायल हो गए थे।

पीओके के स्थानीय लोगों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार उनका विभिन्न तरह से शोषण कर रही है। देखा जाये तो पाकिस्तानी कब्जे वाले क्षेत्र के लोग इस्लामाबाद की मनमानी से तंग आ चुके हैं और लोगों को अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसके साथ ही मुजफ्फराबाद शहर में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नीलम-झेलम जल विद्युत परियोजना के निर्माण के खिलाफ भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चला रखा है। इस प्रदर्शन को पाकिस्तान सरकार बलपूर्वक दबाने का प्रयास भी कर चुकी है। यही नहीं जम्मू-कश्मीर नेशनल स्टूडेंट्स फेडरेशन द्वारा जंदाली में खुद को पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराने के लिए पिछले दिनों एक विशाल रैली का आयोजन किया गया था और उसमें पाकिस्तान से आजादी के नारे भी लगाये गये थे।जहां तक यह सवाल है कि पाकिस्तान पीओके में चुनाव कराकर क्या हासिल करना चाहता है तो हम आपको बता दें कि कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान भारत के लिए परेशानी खड़े करने के प्रयासों में कमी नहीं लाना चाहता। दूसरा अभी पीओके में नवाज शरीफ की पार्टी का शासन है तो इमरान खान सेना के सहयोग से हर जगह से नवाज की पार्टी को हटा कर अपनी पार्टी को सरकार में लाने की कवायद में लगे हुए हैं। यदि इमरान खान की पार्टी की सरकार पीओके में बनती है तो वहां चीन की परियोजनाओं के खिलाफ आवाजें उतनी आसानी से नहीं उठ पायेंगी।

बहरहाल, पाकिस्तान कश्मीर को लेकर कितना बेचैन रहता है इसका अंदाजा इस बात से भी लग सकता है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कश्मीर के मुद्दे को उठाने और इस पर समर्थन हासिल करने के लिए इस्लामाबाद में अगले साल मुस्लिम राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाने की घोषणा की है। शाह महमूद कुरैशी ने कहा है क अगर ईश्वर ने मुझे मौका दिया तो मैं कश्मीर के मुद्दे पर समर्थन जुटाने के लिए मार्च 2022 में इस्लामाबाद में मुस्लिम राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन करूंगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पाकिस्तान कश्मीर का सपना ही देखता रहता है चाहे दिन हो या रात। देखना होगा कि पीओके में कराये जाने वाले विधानसभा चुनाव के परिणाम क्या रहते हैं?

-नीरज कुमार दुबे

एलोपैथ, आयुर्वेद को आपस में नहीं लड़ाएं, इन चिकित्सा पद्धतियों को बीमारियों से लड़ने दें

एलोपैथी का गंभीर रोगों के उपचार में कोई जवाब नहीं है तो सदियों से भारतीयों का उपचार कर रही आयुर्वेद उपचार पद्धति का भी कोई तोड़ नही है। कोरोना महामारी जब शुरू हुई तब तक उसका कोई उपचार नहीं था। उसकी भयावहता से सब सहमे थे।

स्वामी रामदेव और एलोपैथिक चिकित्सकों में इस समय जुबानी जंग जारी है। रामदेव आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सक अपनी-अपनी पैथी की महत्ता बताने में लगे हैं। दोनों अपनी-अपनी चिकित्सा पद्धति के गुण गाते नहीं अघा रहे। अपनी चिकित्सा पद्धति को बड़ा बताने के चक्कर में दूसरी को नीचा दिखाने, कमतर बताने में लगे हैं। हालांकि स्वामी रामदेव केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के कहने पर खेद व्यक्त कर चुके हैं। इसके बावजूद जुबानी जंग रूकने का नाम नहीं ले रही। जबकि दोनों की अपनी जगह अलग-अलग महत्ता है। दोनों का अलग-अलग महत्व है।

एलोपैथी का गंभीर रोगों के उपचार में कोई जवाब नहीं है तो सदियों से भारतीयों का उपचार कर रही आयुर्वेद उपचार पद्धति का भी कोई तोड़ नही है। कोरोना महामारी जब शुरू हुई तब तक उसका कोई उपचार नहीं था। उसकी भयावहता से सब सहमे थे। दुनिया डरी थी। सबको अपनी जान की चिंता थी। ऐसे गंभीर समय में एलोपैथिक चिकित्सक और स्टाफ आगे आया। उसने प्राणों की परवाह नहीं की। मरीज की जान बचाने के लिए दिन-रात एक कर दिया। जो बन सकता था किया। उपलब्ध संसाधनों से वे लोगों की जान बचाने में लग गए। वैज्ञानिक आगे आए। उन्होंने एक वर्ष की अवधि में दुनिया को कोरोना की वैक्सीन उपलब्ध करा दी। ये आधुनिक चिकित्सा पद्धति का करिश्मा था। उसका कमाल था।कोरोना के आने के समय जब दुनिया के पास इसका कोई उपचार नहीं था। इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी, तब हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति आगे आई। आयुर्वेद आगे आया। उसने बताया कि सदियों से प्रयोग किया जा रहा आयुष काढ़ा, इस महामारी से लड़ने के लिए हमें सुरक्षा कवच देगा। हमारी इम्युनिटी बढ़ाएगा। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करेगा।

आयुर्वेद सदियों से बैक्टीरिया जनित बीमारी से लड़ने के लिए नीम की महत्ता बताता रहा है। चेचक के मरीज के कमरे के बाहर नीम की टूटी टहनियां परिवार की महिलाएं लंबे समय से रखती रहीं हैं। बीमार को नीम के पत्ते पके पानी में स्नान कराने का पुराना प्रचलन है। मान्यता है कि नीम बीमारी के कीटाणु मारता है। बुखार होने, ठंड लगने में तुलसा की चाय पीने का हमारे यहां पुराना चलन है।

गिलोय भी इसी तरह की है। ऐसी बीमारी के समय गिलोय का काढ़ा पीने का पुराना प्रचलन है। जब एलोपैथी के पास कोई दवा नहीं थी। उस समय भी हमारी परम्परागत पद्धति हमें बचा रहा थी। प्लेग, चेचक, कोरोना जैसी बीमारी से लड़ने में मदद दे रही थी।

हाथ मिलाने की परम्परा हमारी नहीं है। विदेशी है। हमारी दूर से हाथ जोड़कर प्रणाम करने की परंपरा है। इसका कोरोना काल में पूरी दुनिया ने लोहा माना। उसे कोरोना से बचाव में कारगर हथियार के रूप में स्वीकार किया।

पुराना किस्सा है एक वैद्य जी की प्रसिद्धि दूर नगर के वैद्य जी को ज्ञात हुई। उन्होंने नए विख्यात हो रहे वैद्य जी का ज्ञान परखने का निर्णय लिया। एक शिष्य को उनके पास कोई कार्य बताकर भेजा। पहले यात्रा पैदल होती थी। इसलिए आदेश किया कि आराम कीकर के पेड़ के नीचे करना। उसने ऐसा ही किया। वैद्य जी के पास जब वह पंहुचा तो उसकी बहुत खराब हालत थी। शरीर से जगह-जगह से खून बह रहा था। देखने से ऐसा लगता था कि वह कोढ़ का मरीज हो। वैद्य जी से वह मिला। उन्हें दूसरे वैद्य जी का संदेश दिया। वैद्य जी ने बीमारी के बारे में पूछा। उसने बता दिया। गुरु जी ने कीकर के वृक्ष के नीचे आराम करने को कहा था। वैद्य जी समझ गये कि ये कीकर के नीचे आराम करने से हुआ है।

वैद्य जी ने उसे नीम का काढ़ा पिलाया। पानी में नीम के पत्ते पकाकर स्नान कराया। जाते समय कहा कि रास्ते में नीम के पेड़ के नीचे विश्राम करते जाना। जब वह अपने गुरु जी के पास पंहुचा तो वह पूरी तरह स्वस्थ था। उसकी बीमारी खत्म हो गई थी। उसका शरीर पहले जैसा कांतिमान हो गया था। यह हमारी परंपरागत चिकित्सा है। इसे हम आयुर्वेद कहते हैं। यह पूर्वजों से चला आ रहा हमारा ज्ञान है। हमारी रसोई के मसाले पूरा आयुर्वेद है। इंसान का पूरा इलाज कर सकते हैं।

-अशोक मधुप

इथेनॉल मिश्रण नीति के जरिये किसानों और पर्यावरण को बड़ा लाभ पहुँचा रही मोदी सरकार

इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने से न केवल अधिशेष चीनी के इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल करने की सुविधा होगी, बल्कि यह किसानों को भी अपनी फसलों में विविधता लाने, विशेष रूप से मक्के की खेती के लिए प्रोत्साहित करेगा जिसमें कम पानी की आवश्यकता होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथेनॉल उत्पादन और पूरे देश में इसके वितरण के लिए ई-100 परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समय सीमा को पांच वर्ष और कम कर दिया है। इससे पहले यह लक्ष्य साल 2030 तक पूरा किया जाना था वहीं अब इसे वर्ष 2025 तक पूरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री की यह घोषणा निश्चित रूप से सरकार की गंभीरता व महत्वकांक्षा को दर्शाती है।

गौरतलब है कि देश में इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल कार्यक्रम (ईबीपी) को वर्ष 2003 में आरंभ किया गया था परंतु इस दिशा में प्रगति विगत सात वर्षों में जाकर ही हो सकी है। वर्ष 2014 तक पेट्रोल में औसत रूप में केवल 1.5 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाता था जो अब बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गया है। जाहिर है कि इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के प्रति गंभीरता मोदी शासन के दौरान हुयी है।दरअसल इथेनॉल आर्गेनिक यौगिक इथाइल अल्कोहल है जो बायोमास से उत्पादित होता है। यह अल्कोहल बेवरीज में भी इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री है। चूंकि इसका ऑक्टेन संख्या गैसोलिन से भी अधिक है जिसका मतलब यह है कि यह पेट्रोल की ऑक्टेन संख्या को बढ़ाता है। इथेलॉन में ऑक्सीजन होता है और यह ईंधन के पूर्ण दहन में दहन मदद करता है। इससे कम उत्सर्जन होता है जो भारत को पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौता के लक्ष्य की प्राप्ति में भी मदद करेगा। यही नहीं अधिक ऑक्टेन संख्या होने का मतलब है ईंधन की ऑक्टेन रेटिंग में भी बढ़ोतरी।

केंद्र सरकार ने ईबीपी कार्यक्रम को गति देने के लिए वर्ष 2018 में जैव ईंधन नीति की घोषणा की। पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण (ब्लेंडिंग) के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बी-हैवी मोलास (शीरा), गन्ने के रस, शुगर सिरप और चीनी से इथेनॉल उत्पादन की अनुमति दी है और चीनी मिलों को अतिरिक्त गन्ने को इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अलावा भारत सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास उपलब्ध अधिशेष मक्के और चावल को इथेनॉल के उत्पादन में इस्तेमाल करने की अनुमति भी दी है। सरकार ने यह भी घोषणा की है कि एफसीआई के पास उपलब्ध चावल को आने वाले वर्षों में डिस्टिलरीज को दिया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं जिसके कारण उपर्युक्त परिणाम प्राप्त हुये हैं जो न केवल अधिशेष खाद्यान्न उत्पादन की दशा में भी खाद्यान्न का उत्पादन करने वाले किसानों को लाभ हो रहा है और उनकी आय में वृद्धि हो रही है वरन् गन्ना किसानों को गन्ना का बकाया भुगतान भी ससमय हो सकेगा।साथ ही संकट का सामना कर रहे चीनी के उच्च भंडार वाली मिलों की नकदी समस्या भी दूर होगी। वर्ष 2013-14 में देश में लगभग 38 करोड़ लीटर इथेनॉल की खरीद हुई थी जो अब बढ़कर 320 करोड़ लीटर हो गई है। जाहिर है इसका लाभ देश के गन्ना किसानों को हुआ है।इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने से न केवल अधिशेष चीनी के इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल करने की सुविधा होगी, बल्कि यह किसानों को भी अपनी फसलों में विविधता लाने, विशेष रूप से मक्के की खेती के लिए प्रोत्साहित करेगा जिसमें कम पानी की आवश्यकता होती है।

उल्लेखनीय है कि भारत अपनी पेट्रोलियम खपत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। नीति आयोग के एक डेटा के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 भारत 185 एमटी पेट्रोलियम का विशुद्ध आयात किया जिसके लिए 55 अरब डॉलर का भुगतान करना पड़ा। बीस प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से भारत प्रतिवर्ष 4 अरब डॉलर यानी 30,000 करोड़ रुपये का बचत कर सकता है। यह आयात पर निर्भरता कम करके 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य प्राप्ति में भी मदद करेगा। इस तरह देखा जाये तो इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम बहुद्देश्यीय लाभ वाला है। सरकार इसके द्वारा एक तीर से दो नहीं बल्कि कई निशाने साधने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

-रतीश कुमार झा

कोरोना काल में मीडिया ने बड़े धैर्य के साथ किया है कई चुनौतियों का सामना

कोरोना ने हमारी जीवन शैली पर निश्चित ही प्रभाव डाला है। कई मामलों में रिश्ते भी दांव पर लगते दिखे। रक्त संबंधियों ने भी संकट के समय मुंह मोड़ लिया, ऐसी खबरें भी मिलीं। सही मायने में यह पूरा समय अनपेक्षित परिर्वतनों का समय है।

कोविड-19 के दौर में हम तमाम प्रश्नों से घिरे हैं। अंग्रेजी पत्रकारिता ने अपने सीमित और विशेष पाठक वर्ग के कारण अपने संकटों से कुछ निजात पाई है। किंतु भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के भी संकट जस के तस खड़े हैं। कोरोना संकट ने प्रिंट मीडिया को जिन गहरे संकटों में डाला है और उसके सामने जो प्रश्न उपस्थित किए हैं, उस पर संवाद जरूरी है। 30 मई, 1826 को जब पं. युगुल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिंदी के पहले पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया तब से लेकर प्रिंट मीडिया ने अनेक दौर देखे हैं। वे दौर तात्कालिक संकटों के थे और टल गए। अंग्रेजों के दौर से लेकर आजाद भारत में आपातकाल के दिनों से भी उसने जूझकर मुक्ति पाई। किंतु नए कोरोना संकट ने अभूतपूर्व दृश्य देखे हैं। आगे क्या होगा इसकी इबारत अभी लिखी जानी है।कोरोना ने हमारी जीवन शैली पर निश्चित ही प्रभाव डाला है। कई मामलों में रिश्ते भी दांव पर लगते दिखे। रक्त संबंधियों ने भी संकट के समय मुंह मोड़ लिया, ऐसी खबरें भी मिलीं। सही मायने में यह पूरा समय अनपेक्षित परिर्वतनों का समय है। प्रिंट मीडिया भी इससे गहरे प्रभावित हुआ। तरह-तरह की अफवाहों ने अखबारों के प्रसार पर असर डाला। लोगों ने अखबार मंगाना बंद किया, कई स्थानों पर कालोनियों में प्रतिबंध लगे, कई स्थानों वितरण व्यवस्था भी सामान्य न हो सकी। बाजार की बंदी ने प्रसार संख्या को प्रभावित किया तो वहीं अखबारों का विज्ञापन व्यवसाय भी प्रभावित हुआ। इससे अखबारों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। इसका परिणाम अखबारों के पेज कम हुए, स्टाफ की छंटनी और वेतन कम करने का दौर प्रारंभ हुआ। आज भी तमाम पाठकों को वापस अखबारों की ओर लाने के जतन हो रहे हैं। किंतु इस दौर में आनलाईन माध्यमों का अभ्यस्त हुआ समाज वापस लौटेगा यह कहा नहीं जा सकता।सवा साल के इस गहरे संकट की व्याख्या करने पर पता चलता है कि प्रिंट मीडिया के लिए आगे की राहें आसान नहीं है। विज्ञापन राजस्व तेजी से टीवी और डिजीटल माध्यमों पर जा रहा है, क्योंकि लॉकडाउन के दिनों में यही प्रमुख मीडिया बन गए हैं। तकनीक में भी परिर्वतन आया है। जिसके लिए शायद अभी हमारे प्रिंट माध्यम उस तरह से तैयार नहीं थे। इस एक सवा साल की कहानियां गजब हैं। मौत से जूझकर भी खबरें लाने वाला मैदानी पत्रकार है, तो घर से ही अखबार चला रहा डेस्क और संपादकों का समूह भी है। किसे भरोसा था कि समूचा न्यूज रूम आपकी मौजूदगी के बिना, घरों से चल सकता है। नामवर एंकर घरों पर बैठे हुए एंकरिंग कर पाएंगे। सारे न्यूज रूम अचानक डिजिटल हो गए। साक्षात्कार ई-माध्यमों पर होने लगे। इसने भाषाई पत्रकारिता के पूरे परिदृश्य को प्रभावित किया है। जो परिवर्तन वर्षों में चार-पांच सालों में घटित होने थे, वे पलों में घटित होते दिखे। तमाम संस्थाएं इसके लिए तैयार नहीं थीं। कुछ का मानस नहीं था। कुछ सिर्फ ईपेपर और ई-मैगजीन निकाल रहे हैं। बावजूद इसके भरोसा टूटा नहीं है। हमारे सामाजिक ढांचे में अखबारों की खास जगह है और छपे हुए शब्दों पर भरोसा भी कायम है।

इसके साथ ही अखबार को पढ़ने में होनी वाली सहूलियत और उसकी अभ्यस्त एक पीढ़ी अभी भी मौजूद है। कई बड़े अखबार मानते हैं कि इस दौर में उनके अस्सी प्रतिशत पाठकों की वापसी हो गयी है, तो ग्रामीण अंचलों और जिलों में प्रसारित होने वाले मझोले अखबार अभी भी अपने पाठकों की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वे मानते हैं कि उनके भी 40 प्रतिशत पाठक तो लौट आए हैं, बाकी का इंतजार है। नई पीढ़ी का ई-माध्यमों पर चले जाना चिंता का बड़ा कारण है। वैसे भी डिजिटल ट्रांसफार्मेशन की जो गति है, वह चकित करने वाली है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि डिजिटल का सूरज कभी नहीं डूबता और वह 24ङ्क7 है।

ऐसे कठिन समय में भी बहुलांश में पत्रकारिता ने अपने धर्म का निर्वाह बखूबी किया है। स्वास्थ्य, सरोकार और प्रेरित करने वाली कहानियों के माध्यम से पत्रकारिता ने पाठकों को संबल दिया है। निराशा और अवसाद से घिरे समाज को अहसास कराया कि कभी भी सब कुछ खत्म नहीं होता। संवेदना जगाने वाली खबरों और सरोकारों से जुड़े मुद्दों को अहमियत देते हुए आज भी पत्रकारिता अपना धर्म निभा रही है। संकट में समाज का संबल बनकर मीडिया नजर आया। कई बार उसकी भाषा तीखी थी, तेवर कड़े थे, किंतु इसे युगधर्म कहना ठीक होगा। अपने सामाजिक दायित्वबोध की जो भूमिका मीडिया ने इस संकट में निभाई, उसकी बानगी अन्यत्र दुर्लभ है। जागरूकता पैदा करने के साथ, विशेषज्ञों से संवाद करवाते हुए घर में भयभीत बैठे समाज को संबल दिया है। लोगों के लिए ऑक्सीजन, अस्पताल, व्यवस्थाओं के बारे में जागरूक किया है। हम जानते हैं मनुष्य की मूल वृत्ति आनंद और सामाजिक ताना-बाना है। कोविड काल ने इसी पर हमला किया। लोगों का मिलना-जुलना, खाना-पीना, पार्टियां, होटल, धार्मिक स्थल, पर्व-त्यौहार, माल-सिनेमाहाल सब सूने हो गए। ऐसे दृश्यों का समाज अभ्यस्त कहां है?

नडाल को पस्त कर जोकोविच फ़ाइनल में, खिताबी टक्कर सितसिपास से

पेरिस वार्ता। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने 13 बार के चैंपियन स्पेन के राफेल नडाल को चार घंटे 22 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 3-6, 6-3, 7-6(4), 6-2 से हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना पांचवीं सीड यूनान के स्तेफानोस सितसिपास से रविवार को होगा।

जोकोविच ने इस जीत के बाद कोर्ट पर कहा,%यह निश्चित रूप से पेरिस में खेले गए मेरे खूबसूरत मैचों में से एक है। % जोकोविच ने मैच में 50 विनर्स लगाए और 37 बेजां भूलें कीं जबकि नडाल ने 48 विनर्स लगाए और 55 बेजां भूलें कीं।इस हार से नडाल का रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लेम खिताब जीतने का सपना टूट गया जबकि जोकोविच करियर का दूसरे ग्रैंड स्लेम पूरा करने और 19वें मेजर खिताब से एक जीत दूर रह गए हैं। स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और नडाल के नाम 20-20 ग्रैंड स्लेम खिताब का विश्व रिकॉर्ड है।जोकोविच ने पिछले साल के फ़ाइनल में नडाल के खिलाफ फ़ाइनल में मात्र सात गेम जीते थे लेकिन इस साल नडाल के पास जोकोविच के आलराउंड प्रदर्शन का कोई जवाब नहीं था।

मैच कोर्ट फिलिप चैटरियर पर खेला गया जिसमें दर्शकों को पूरे मैच तक रुकने की अनुमति थी जबकि फ़्रांस में रात का कर्फ़्यू लगा हुआ है। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, %%आप खुद को कहते है कि कोई दबाव नहीं है लेकिन यकीन मानिये काफी दबाव था। %%

इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के बीच खेले गए 57 मुकाबलों .में से 50 पहला सेट जीतने वाले खिलाड़ी ने जीते हैं लेकिन जोकोविच ने इस बार कहानी उलटते हुए छठी बार इस क्ले कोर्ट स्लेम के फ़ाइनल में जगह बना ली।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा , मैच शुरू में पिछले साल के फ़ाइनल की तरह लग रहा था लेकिन मैं पहले सेट में ही खुद पर विश्वास जगाने में सफल रहा। हालांकि मैं यह सेट 3-6 से हार गया लेकिन मुझे अपना गेम मिल गया।

मैच में तीसरा सेट काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ और दोनों सुपरस्टार्स ने अपना सब कुछ इसमें झोंक डाला। दोनों ने जबरदस्त शॉट खेले, चार सर्विस ब्रेक्स हुए और 14 ब्रेक अंक देखने को मिले। पिछले कुछ वर्षों में यह सबसे बेहतरीन सेटों में से एक था।

जोकोविच ने 5-4, 30/0 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस करने का मौका गंवाया जब वह अपना फोरहैंड नेट में मार बैठे। लेकिन सर्बियाई खिलाड़ी ने गजब के ड्राप शॉट से 5-6 के स्कोर पर सेट अंक बचाया। उन्होंने रोमांचक टाई ब्रेक में दो ड्राप शॉट का पीछा करते हुए अंक बटोरे जबकि नडाल ऊंची फोरहैंड वाली को चूक गए जो अंत में उन पर भारी पड़ी ।नफ़ाल ने चौथे सेट में शुरूआती ब्रेक हासिल किया लेकिन जोकोविच ने आखिरी छह गेम जीतकर फ़ाइनल में स्थान बना लिया। जोकोविच ने कहा,%%हालांकि इस बार मेरी शुरुआरत अच्छी नहीं रही लेकिन मैं ज्यादा नर्वस नहीं था क्योंकि मुझे लग रहा था कि मैं गेंद पर अच्छी तरह प्रहार कर रहा हूं।

दोनों खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे थे जबकि पूर्व नंबर एक ब्रिटेन के एंडी मरे ने ट्वीट किया,आप इससे बेहतर क्ले कोर्ट टेनिस नहीं खेल सकते। यह परफेक्ट है । एक अन्य पूर्व नंबर एक एंडी रोडिक ने कहा,इस समय तक यह मेरा देखा हुआ सबसे बेहतर मैच है। जोकोविच ने नडाल के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 30-28 पहुंचा दिया है। जोकोविच के फ़ाइनल के प्रतिद्वंद्वी सितसिपास ने पहले सेमीफाइनल में छठी सीड अलेक्जेंडर जवेरेव को तीन घंटे 37 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3, 4-6, 4-6, 6-3 से हराया। सर्बियाई खिलाड़ी का 22 वर्षीय सितसिपास के खिलाफ 5-2 का करियर रिकॉर्ड है। जोकोविच ने पिछले वर्ष के सेमीफाइनल में सितसिपास को पांच सेटों में पराजित किया था।

आईसीसी टूर्नामेंटों को लेकर बीसीसीआई के बदले रुख से आईपीएल के लिए बड़ी विंडो की संभावना

नयी दिल्ली,वार्ता।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में 2024 से 2031 तक के चक्र में दो अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन को लेकर अपना रुख बदल दिया है, क्योंकि इन आयोजनों को लेकर बीसीसीआई का दृष्टिकोण अब कुछ अलग है। आईसीसी टूर्नामेंटों के प्रति बीसीसीआई के इस बदले रुख से आईपीएल के लिए एक बड़ी और विस्तारित विंडो की संभावना जताई जा रही है।

दरअसल पहले बीसीसीआई ने ज्यादा आईसीसी टूर्नामेंटों का विरोध किया था। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड भी इस विरोध का हिस्सा थे, लेकिन अब बीसीसीआई समेत तीनों बड़े क्रिकेट बोर्ड ने ज्यादा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के आयोजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई अध्यक्ष बनने से पहले सौरव गांगुली ने एक बयान में कहा था, ÷ जीवन में कम चीजें ही ज्यादा होती है, इसलिए हमें इससे सावधान रहना होगा। फुटबॉल विश्व कप हर चार साल बाद होता है और आप इसके लिए प्रशंसकों में पागलपन देख सकते हैं। यह फैसला आईसीसी को करना है कि मैं इस पर बात करने या टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं। जब भी मुझे चर्चा का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा, मैं बोलूंगा।

दिलचस्प बात यह है कि गांगुली ने खुद आईसीसी बोर्ड के इस हालिया प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें अगले आठ साल के चक्र के लिए दो एकदिवसीय विश्व कप, चार टी-20 विश्व कप और दो चैंपियंस ट्रॉफी को मंजूरी दी गई थी। बीसीसीआई के आईसीसी टूर्नामेंट के संबंध में इस यू टर्न के पीछे आईपीएल को एक बड़ी और विस्तारित विंडो से जोड़कर देखा जा सकता है। वर्तमान में आईपीएल के 60 मैचों के लिए 52 से 54 दिनों का समय लगता है। अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए अप्रैल-मई में अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर फ्री रखा जाता है। अगर आईपीएल में दो नई टीमें जुड़ती हैं तो 15 से 20 दिन अतिरिक्त चाहिए होंगे। लहाल अभी आईपीएल में दो टीमें जोड़ने को लेकर चीजों को अंतिम रूप में नहीं दिया गया है। बीसीसीआई की जनरल बॉडी ने बेशक इसे मंजूरी दी है, लेकिन इसके लिए कम से कम 15 से 20 दिन अतिरिक्त लगेंगे। यह बोर्ड पर निर्भर करता है कि आईपीएल के नए स्वरूप पर कैसे काम किया जाएगा। इसे एक चरण में आयोजित किया जाएगा या दो चरण। आईपीएल के आईसीसी टूर्नामेंटों से अलग समय पर होने से ही ब्रॉडकास्टर्स को इसे कवर करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कठिन परिस्थितियों में शांत रहना ओलंपिक में हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा : नवनीत कौर

बेंगलुरु,वार्ता।भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवनीत कौर का मानना है कि आगामी ओलंपिक के दौरान टीम को स्पष्ट रूप से सोचने और सही फैसले लेने के लिए कठिन परिस्थितियों में शांत रहने का तरीका ढूंढ़ने की जरूरत होगी।

भारत के लिए 79 मैच खेल चुकी नवनीत ने शनिवार को एक बयान में कहा, ÷ टीम को 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान त्रुटियों को कम करने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी के पास दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का कौशल और प्रतिभा है, हालांकि पिच पर महत्वपूर्ण फैसला लेना किसी भी टीम के लिए एक अहम बात है, इसलिए हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होगा कि हम मुश्किल परिस्थितियों में शांत रहें और अपनी क्षमताओं के अनुसार फैसला लें।

उन्होंने कहा, एक गलत गेंद पास भी हमें काफी नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम स्पष्ट रूप से सोच रहे हैं और ओलंपिक के दौरान पिच पर बहुत अधिक अप्रत्याशित त्रुटियां नहीं कर रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी खिलाड़ी पिच पर भी अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट हों। 25 वर्षीय नवनीत ने कहा, हम सभी के लिए पिच पर अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट होना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि मैच के दिन खिलाड़ियों के बीच कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। कोच और कप्तान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर कोई अपनी भूमिकाओं के बारे में जानता हो और वे अपनी योजनाओं को कैसे कार्यान्वित कर सकते हैं, ताकि हम मैच के दौरान पिच पर अच्छा समन्वय कर सकें। ओलंपिक हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होने जा रहा है और हमें अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

युवा फॉरवर्ड ने भारतीय टीम के प्रशिक्षण सत्र के बारे में कहा, हम इस समय काफी कड़ा प्रशिक्षण ले रहे हैं। हम अभ्यास के दौरान मैच की स्थितियों का अनुकरण करने की कोशिश करते हैं और प्रशिक्षण सत्र के दौरान अपना शत प्रतिशत देते हैं। हम अपनी क्षमताओं को लेकर बहुत आश्वस्त हैं। सारी बात मैच के दिन अपनी योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित करने के ऊपर है। अगर हम अपनी क्षमता के अनुसार खेलते हैं तो हम निश्चित रूप से टोक्यो में बहुत अच्छा करेंगे।

विनेश ने पोलैंड ओपन में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली वार्ता। टोक्यो ओलम्पिक का कोटा हासिल कर चुकी भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पोलैंड ओपन में यूक्रेन की क्रिस्टीना ब्रेज़ा को वारसॉ में शुक्रवार को 53 किग्रा वर्ग में 8-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

26 वर्षीय विनेश का सत्र का यह तीसरा स्वर्ण पदक है । इससे पहले उन्होंने मार्च में मातियो पेलिकोन और अप्रैल में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थेभारत का प्रतियोगिता में यह दूसरा पदक है। इससे पहले रवि कुमार दहिया ने बुधवार को 61किग्रा में रजत पदक जीता था। इस बीच विनेश की टीम साथी अंशु मलिक बुखार होने के कारण 57 किग्रा वर्ग से हट गयी। मौजूदा एशियाई चैंपियन का कोरोना टेस्ट भी कराया गया लेकिन उन्हें परिणाम आने तक आइसोलेशन में रखा गया है।अंशु मलिक के टूर्नामेंट से हटने से पहले दीपक पुनिया कोहनी की चोट के कारण पुरुष 86 किग्रा वजन वर्ग से हट गए थे।

विंडीज पर पारी की हार का खतरा

सेंत लूसिया,वार्ता। वेस्ट इंडीज पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन पारी की हार का खतरा मंडराने लगा है। विंडीज ने पहली पारी में 225 रन के बड़े अंतर से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में स्टंप्स तक अपने चार विकेट 82 रन पर गंवा दिए हैं और उसे पारी की हार से बचने के लिए अभी 143 रन और बनाने हैं।विंडीज को पहले दिन पहली पारी में मात्र 97 रन पर ढेर करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्टंप्स तक चार विकेट पर 128 रन बना लिए थे। स्टंप्स के समय रैसी वान डेर डुसेन 34 और विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक चार रन बनाकर क्रीज पर थे। डुसेन 46 रन बनाकर आउट हुए जबकि डी कॉक ने 170 गेंदों में 12 चौकों और सात छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को 225 रन की मजबूत बढ़त दिला दी।वियान मुल्डर ने उपयोगी 25 रन बनाये। विंडीज की तरफ से पूर्व कप्तान जैसन होल्डर ने 75 रन पर चार विकेट और जेडन सील्स ने 75 रन पर तीन विकेट लिए।विंडीज की दूसरी पारी में कैगिसो रबादा और एनरिक नोर्त्जे ने दो-दो विकेट निकालकर विंडीज को दबाव में ला दिया। स्टंप्स के समय रोस्टन चेज 21 और जर्मेन ब्लैकवुड 10 रन बनाकर क्रीज पर थे।

ब्रिटेन के मरे को क्वींस क्लब में मिला वाइल्ड कार्ड

लंदन, वार्ता। पांच बार के विजेता ब्रिटेन के एंडी मरे को एटीपी 500 टूर्नामेंट क्वींस क्लब में वाइल्ड कार्ड मिला है जिसे उन्होंने मंजूर कर लिया है । यह टूर्नामेंट 14 से 20 जून तक खेला जाएगा।

मरे ने एक बयान में कहा,क्वींस का टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है यही वह जगह है जहां मैंने अपना पहला एटीपी मैच जीता था। मैंने क्वींस में किसी अन्य टूर्नामेंट से ज्यादा एकल मैच जीते हैं और मैं यहां 2019 की अपनी युगल सफलता को कभी नहीं भूल सकता। ब्रिटिश खिलाड़ी का इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में 30-7 का जबरदस्त रिकॉर्ड है। यहाँ उन्होंने 2009, 2009, 2011-13 और 2015-16. में खिताब जीते थे। 2019 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद अपने कूल्हे की सर्जरी के उपरान्त उन्होंने अपना पहला टूर्नामेंट यहीं खेला था और फेलिसियानो लोपेज के साथ युगल खिताब जीता था।विश्व के 123 वें नंबर के खिलाड़ी मरे ने अपना आखिरी सिंगल मैच रोटर्डम में इस वर्ष मार्च में खेला था।

माइनर लीग क्रिकेट टी-20 के लिए दुनिया भर के 80 से अधिक प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को किया गया साइन

न्यूयॉर्क, वार्ता।अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज (एसीई) ने माइनर लीग क्रिकेट (एमआईएलसी) टी-20 की सभी 27 फ्रेंचाइजियों के लिए टीम ड्राफ्ट की घोषणा कर दी है। आगामी 31 जुलाई से शुरू हो रहे इस टी-20 टूर्नामेंट के लिए दुनिया भर के 80 से अधिक प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को साइन किया गया है।

सप्ताहांत में खेले जाने और छह हफ्ते तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के 80 से अधिक प्रथम श्रेणी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें से कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खेल चुके हैं। खिलाड़ियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि 12 खिलाड़ी अभी भी अपना अमेरिकी वीजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

माइनर लीग क्रिकेट टी-20 टूर्नामेंट कुछ परिचित अंतरराष्ट्रीय नामों को पेश करने के लिए तैयार है। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर कोरी एंडरसन को उनकी घरेलू फ्रेंचाइजी डलास ने साइन किया है, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकाई ऑफ स्पिनर डेन पीड्ट को डीसी हॉक्स ने चुना है। वहीं वेस्ट इंडीज के स्पिनर रहकीम कॉर्नवाल अटलांटा फायर के लिए उतरेंगे और पाकिस्तानी जोड़ी शमी असलम और हम्माद आजम गोल्डन स्टेट ग्रिजलीज फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करेंगे। माइनर लीग टूर्नामेंट के अंतिम ड्राफ्ट ने रिकार्डो पॉवेल के रूप में भी एक सरप्राइज दिया है, जो 42 साल की उम्र में अटलांटा परमवीर्स के लिए लीग क्रिकेट में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

माइनर लीग क्रिकेट ने इस साल प्रथम श्रेणी के कुछ भारतीय प्रतिभाओं को भी मौका दिया है। भारतीय अंडर-19 टीम के पूर्व और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के मौजूदा विकेटकीपर बल्लेबाज स्मित पटेल को मैनहट्टन यॉर्कर्स ने अनुबंधित किया है। पटेल 55 प्रथम श्रेणी मैच खेलने और अपने भारतीय क्रिकेट करियर को अलविदा कहने के बाद अब अमेरिका में रहते हैं।

दिल्ली एवं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व बल्लेबाज मिलिंद कुमार को फिलाडेल्फियंस ने चुना है। अनुभवी तेज गेंदबाज एवं गुजरात के पूर्व कप्तान सिद्धार्थ त्रिवेदी को सेंट लुइस अमेरिकियों ने साइन किया है। कुल मिलाकर 11 भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेट खिलाड़ियों को ड्राफ्ट में शामिल किया गया है।

अमेरिकी बल्लेबाज मोनांक पटेल ने लॉस एंजेलिस की ओर से रिलीज किए जाने के आग्रह के बाद फ्लोरिडा बीमर्स के साथ एक प्रीड्राफ्ट अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। एरोन जोन्स स्टीवन टेलर के साथ अटलांटा फायर का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिका के कप्तान सौरभ नेत्रवलकर, वेस्ट इंडीज के पूर्व बल्लेबाज नरसिंह देवनारायन और पूर्व श्रीलंकाई ऑल राउंडर शेहान जयसूर्या सिलिकॉन वैली स्ट्राइकर्स के साथ जुड़ेंगे।

उल्लेखनीय है कि पूरे अमेरिका से 54 अंडर-21 और 27 अंडर-19 खिलाड़ियों सहित कुल 420 खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजियों में शामिल किया गया है। एकादश में अंडर-21 और अंडर-19 खिलाड़ियों की जगह की गारंटी और दुनिया भर के प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के समूह के साथ माइनर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट युवा अमेरिकी क्रिकेटरों को विविध पेशेवरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक अनूठी प्रतिस्पर्धा प्रदान करने के लिए तैयार है। समझा जाता है कि अमेरिका क्रिकेट बोर्ड द्वारा माइनर लीग क्रिकेट को अमेरिकी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में प्रवेश के प्रमुख मार्गों में से एक के रूप में देखा गया है।

नीरज ने लिस्बन में भाला फेंक में जीता स्वर्ण

लिस्बन, वार्ता। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने अपने अंतर्राष्ट्रीय सत्र की शुरुआत सिटी ऑफ़ लिस्बन एथलेटिक्स मीट में गुरूवार को 83.18 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतते हुए की।नीरज ने लिस्बन यूनिवर्सिटी स्टेडियम में 80.17 मीटर के साथ शुरुआत की और अपनी छठी एवं आखिरी थ्रो में 83.18 मीटर तक भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीत लिया।एशियाई खेलों के चैंपियन चोपड़ा का इस वर्ष मार्च में पटियाला में इंडियन ग्रां प्री में 88.07 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है ।

उन्होंने छह राउंड में से तीन फ़ाउल किये। उनकी एक अन्य वैध थ्रो चौथी थी जिसमें उन्होंने 78.50 मीटर तक भाला फेंका था।23 वर्षीय नीरज ने अपनी जीत के बाद कहा कि उनका यह स्वर्ण जीतने का प्रयास ट्रेनिंग मोड में था और वह आगामी अंतर्राष्ट्रीय मीट में अपना प्रदर्शन और आगे बढ़ा सकते हैं। यह मीट एक वर्ष से ज्यादा समय में नीरज की पहली अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता थी।

नीरज ने कहा,हम पहले से जानते थे कि लिस्बन में कौन-कौन भाग लेंगे और मेरे कोच ने कहा था ट्रेनिंग मोड में प्रतिस्पर्धा करना और अपना 100 फीसदी नहीं करना।

उनका आखिरी प्रयास पहले 78.15 मीटर दिखाया गया जिसका मतलब था कि वह 80.71.मीटर की पहली थ्रो के साथ स्वर्ण जीत सकते थे। उनके टीम प्रबंधन ने आयोजकों से फ़ाइनल थ्रो की मैनुअल नाप का आग्रह किया और फिर यह थ्रो 83.18 मीटर आयी।

शिक्षा मंत्रालय के जीएडीटीएलसी ने शारीरिक शिक्षा एवं खेल पर पहला ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम किया आयोजित

नयी दिल्ली, वार्ता। शिक्षा मंत्रालय के दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में स्थित गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर (जीएडीटीएलसी) ने शारीरिक शिक्षा और खेल पेशेवरों के लिए टीचिंग एवं लर्निंग, आईसीटी और व्यावसायिक दृष्टिकोण में नवाचार के माध्यम से शारीरिक शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहली बार ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया।27 मई से 02 जून तक आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर के परियोजना प्रमुख एवं संयुक्त निदेशक डॉ. विमल रार इस कार्यक्रम के राष्ट्रीय समन्वयक थे।संकाय विकास कार्यक्रम के 27 मई को उद्घाटन समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए थे। वहीं पूर्व मानव संसाधन मंत्री डॉ संजय पासवान की मौजूदगी में दो जून को समापन सत्र आयोजित किया गया था।

इस मौके पर जितेंद्र सिंह ने सभी शारीरिक शिक्षा विषय पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों से नवीनतम सूचना एवं प्रौद्योगिकी से खुद को अवगत रखने की अपील की थी। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री होने के नाते उन्होंने खेल विज्ञान पर भी जोर दिया था। वहीं डॉ. पासवान ने अपने संबोधन में शहरों और गांवों के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता पर जोर दिया था और कहा था कि यह संभव होने पर ही हम प्रतिभा का दोहन कर सकते हैं और प्रतिभा को पूरी तरह से पोषित कर सकते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला था कि ग्रामीण खेलों को महत्व दिया जाना चाहिए।उल्लेखनीय है कि तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा 01 जुलाई 2016 को शुरू किए गए गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर ने पिछले एक वर्ष से कोरोना महामारी के दौरान 45 हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है।

कॉनवे और यंग के शानदार अर्धशतकों ने न्यूज़ीलैंड का करारा जवाब

बर्मिंघम, वार्ता। पहले मैच के दोहरे शतकधारी डिवॉन कॉनवे (80) और विल यंग (82) के शानदार अर्धशतकों से न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को तीन विकेट पर 229 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया।इस मैच में केन विलियम्सन की जगह कप्तानी संभाल रहे टॉम लाथम के मात्र छह रन बनाकर आउट हो जाने के बाद कॉनवे ने यंग के साथ दूसरे विकेट के लिए 122 रन की शानदार साझेदारी की। कॉनवे जब अपने शतक से 20 रन दूर थे कि उन्हें स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपना शिकार बना लिया।

कॉनवे ने 143 गेंदों पर 80 रन में 12 चौके लगाए। यंग ने फिर अनुभवी रॉस टेलर के साथ तीसरे विकेट के लिए 92 रन जोड़कर न्यूज़ीलैंड को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। डेनियल लॉरेंस के यंग को ओली पॉप के हाथों कैच कराते ही दिन का खेल भी समाप्त हो गया। यंग ने 204 गेंदों पर 82 रन में 11 चौके लगाए। टेलर 97 गेंदों पर छह चौकों के सहारे 46 रन बनाकर नाबाद हैं। न्यूज़ीलैंड अभी इंग्लैंड के पहली पारी के 303 रन के स्कोर से मात्र 79 रन पीछे है और उसके सात विकेट शेष हैं।इससे पहले निचले मध्य क्रम के बल्लेबाज डेनियल लॉरेंस (नाबाद 81) के शानदार अर्धशतक से इंग्लैंड ने सात विकेट पर 258 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में तीन सौ रनों का आंकड़ा पार करते हुए 303 रन बनाये।लॉरेंस ने 67 रन और मार्क वुड ने 16 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया।

दोनों टीम के स्कोर को 288 के स्कोर तक ले गए। इसी स्कोर पर लेफ्ट आर्म स्पिनर एजाज पटेल ने मार्क वुड को आउट कर इंग्लैंड का आठवां विकेट गिरा दिया। इसके एक रन बाद ही ट्रेंट बोल्ट ने स्टुअर्ट ब्रॉड को शून्य पर आउट कर दिया।जेम्स एंडरसन चार रन बनाकर टीम के 303 के स्कोर पर बोल्ट की गेंद पर पगबाधा हो गए। लॉरेंस 124 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 81 रन बनाकर नाबाद रहे।न्यूज़ीलैंड की तरफ से बोल्ट ने 85 रन पर चार विकेट,, मैट हेनरी ने 78 रन पर तीन विकेट और एजाज पटेल ने 34 रन पर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका ने विंडीज को 97 पर निपटाया

सेंत लूसिया, वार्ता। लुंगी एनगिदी (19 रन पर पांच विकेट) और एनरिक नोर्त्जे (35 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने वेस्ट इंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गुरूवार को मात्र 97 रन पर ढेर कर दिया।

दक्षिणअफ्रीका ने इसके जवाब में स्टंप्स तक चार विकेट पर 128 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 31 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हो गयी है। दक्षिण अफ्रीका की पारी में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम ने 110 गेंदों में सात चौकों की मदद से 60 रन बनाये। स्टंप्स के समय रैसी वान डेर डुसेन 34 और विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक चार रन बनाकर क्रीज पर थे।

वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला सही साबित नहीं हुआ और उसने 56 रन तक अपने सात विकेट गंवा दिए। विंडीज के तीन विकेट तो 56 रन के स्कोर पर ही गिरे। सलामी बल्लेबाज शायी हॉप ने 15 रन बनाये जबकि एन्क्रूमाह बोनर तेज गेंदबाज एनरिच नोर्त्जे की तेज बाउंसर हेलमेट पर लगने से कन्कशन के शिकार हो गए। बोनर दक्षिण अफ्रीका की पारी में क्षेत्ररक्षण करने नहीं उतरे और उनकी जगह फील्ड में कीरन पॉवेल ने संभाली।

बोनर को नोर्त्जे की पहली गेंद ही हेलमेट पर लगी। जांच कराने के बाद भी उन्होंने खेलना जारी रखा और 10 रन बनाकर कैगिसो रबादा की गेंद पर बोल्ड हो गए। विंडीज ने ट्विटर पर बोनर के कन्कशन से पीड़ित होने की पुष्टि की है। विंडीज के पूर्व कप्तान जैसन होल्डर ने 41 गेंदों पर 20 रन और रहकीम कॉर्नवॉल ने 11गेंदों पर 13 रन बनाकर विंडीज को 97 रन तक पहुंचाया।

दक्षिण अफ्रीका की पारी में अपना पहला टेस्ट खेल रहे तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने तीन विकेट निकालकर मेहमान टीम को थोड़ा अंकुश में रखा। केमार रोच ने पारी के पहले ही ओवर में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एवं ओपनर डीन एल्गर का विकेट लेकर विंडीज को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन मारक्रम ने कीगन पेटरसन 19 के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 रन और डुसेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

रवि किशन और पवन सिंह स्टारर मेरा भारत महान 15 अगस्त पर हो सकती है रिलीज

मुंबई,वार्ता। भोजपुरी सिनेमा के मेगास्टार रवि किशन और पावर स्टार पवन सिंह की जोड़ी वाली फिल्म स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रिलीज हो सकती है।

वी प्रांजल फिल्म्स क्रियेशन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी तथा सत्यजीत राय एवं विपुल राय निर्मित मेरा भारत महान में रवि किशन और पवन सिंह ने मुख्य भूमिका निभायी है। फ़िल्म के निर्देशक देवेन्द्र तिवारी ने बताया कि यह फ़िल्म देश भक्ति कहानियों से सजी है। कई महीनों से कोविड 19 के कारण बंद पड़े सिनेमाघर खुल जाये और सबकुछ ठीक-ठाक रहा तो फ़िल्म को इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को रिलीज किया जा सकता है।गौरतलब है कि मेरा भारत महान में रवि किशन, पवन सिंह के अलावा गरिमा परिहार, अंजना सिंह, मणि भट्टाचार्य, अवकाश यादव, संजीव सिद्धार्थ, कमल किशना, संतोष पहलवान, बीना पांडेय, ज्योति कलश, संजय वर्मा, लोटा तिवारी, उमाकांत राय, अयान सिंह, केवल कृष्णा, मन्टू सिंह की भी अहम भूमिकाये हैं।

पापोन का नया गाना हाते हात धोरी हुआ रिलीज़

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड सिंगर पापोन का नया गाना हाते हात धोरी रिलीज़ हो गया है, जो उनके माता पिता के शाश्वत प्रेम को समर्पित है।

बारिश के इस मौसम में गायक पापोन हाते हात धोरी नामक एक रोमांटिक सॉन्ग लेकर आए हैं। इस आसामी लव सॉन्ग को उन्होंने अपने माता पिता और असम के मशहूर संगीतकार जोड़ी अर्चना और खगेन महंत को समर्पित किया है। प्रसिद्ध गायक खगेन महंत की सातवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में इस आसामी गाने को बारिश के इस मौसम में रिलीज़ किया गया है। सजदा करूं, डांस इट आउट, पार होबो ऐ शोमोय, नीलांजोना और हाय रब्बा जैसे गीतों के निर्माण / प्रतिपादन करने के बाद, पापोन ने इस प्रेम गीत को स्वरबद्ध किया है।मुकुंदा सैकिया द्वारा लिखित और होपुन सैकिया द्वारा रचित पापोन का यह गीत एक स्वतंत्र एकल है जो पुराने ज़माने के रोमांस और प्यार में रहने के विचार को रेखांकित करता है।इस गाने के म्यूज़िक वीडियो में एक ऐसे बुजुर्ग जोड़े की प्रेम कहानी को दर्शाया गया है, जो एक दूसरे के साथ प्यार में हैं और इस प्यार के साथ वे जीवन की प्रेमयात्रा को तय कर चुके हैं। उनकी इस उम्र और हालात में प्यार इस तरह खिल कर बाहर आता है जिसे बयान करने के लिए शब्दों की आवश्यकता नहीं है और यही इस पारंपरिक रोमेंटिक सॉन्ग को अलग बनाता है।पापोन का कहना है, हाते हात धोरी इस गाने के मेलोडी, लिरिक्स, और विजुअल में जिस तरह का प्यार कैप्चर किया गया है जिसकी अभिलाषा हर किसी को है। यह गाना मैंने अपने माता पिता को समर्पित किया है जिन्होंने 50 साल तक साथ में गाने गाएं और अपना पूरा जीवन संगीत को अर्पित कर दिया। यह एक बहुत ही प्यारी रचना है और यह बिना किसी दिखावे के शाश्वत प्रेम का संदेश देता है और यही इस गाने की खूबसूरती है। मैं इस गाने के प्रति लोगों के विचार जानने के लिए उत्सुक हूं।

अला वैकुंठपुरमलो के रीमेक में काम करेंगे कार्तिक आर्यन!

मुंबई,वार्ता।बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन दक्षिण भारतीय फिल्म अला वैकुंठपुरमलो के हिंदी रीमेक में काम करते नजर आ सकते हैं।बॉलीवुड में चर्चा है कि कार्तिक आर्यन जल्द ही तेलगू सुपरहिट फिल्म अला वैकुंठपुरमलो के हिंदी रीमेक में काम करते नजर आने वाले हैं। अला वैकुंठपुरमलो में अल्लू अर्जुन, पूजा हेगड़े और तब्बू ने अहम भूमिकायें निभायी थी। हाल ही में कार्तिक ने इस फिल्म के गाने बोटा बोम्मा में धमाकेदार डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया था।बताया जा रहा है कि अला वैकुंठपुरमलो में कार्तिक के साथ कीर्ति सैनन की भी अहम भूमिका होगी। इससे पहले कार्तिक-कीर्ति की जोड़ी फिल्म लुका छिपी में साथ नजर आयी थी।

तापसी पन्नू की हसीन दिलरूबा का ट्रेलर रिलीज

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म हसीन दिलरूबा का ट्रेलर रिलीज हो गया है।तापसी पन्नू , विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे की आने वाली फिल्म हसीन दिलरूबा का ट्रेलर रिलीज हो गया है।ट्रेलर की शुरुआत होती है तापसी पन्नू से जो विक्रांत मैसी से पूछती हैं कि आपने दिनेश पंडित की किताब पढ़ी है? क्या लिखते हैं, छोटे-छोटे शहरों में बड़े-बड़े कत्ल करा देते हैं। पता ही नहीं चलता। इसके बाद तापसी के घर में होता है ब्लास्ट जिसमें विक्रांत की मौत हो जाती है।अब इसके बाद पुलिस तापसी की पूछताछ करती हैं और उनकी जिंदगी के कई पहलुओं का खुलासा होता है।तापसी के लवर के रूप में हर्षवर्धन राणे नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच कई लव मेकिंग सीन हैं। हसीन दिलरूबा सस्पेंस और थ्रिलर से भरी है। हसीन दिलरूबा पहले थिएटर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर फिल्म को ओटीटी का सहारा लेना पड़ा। फिल्म नेटफ्लिक्स पर 02 जुलाई को रिलीज होगी।फिल्म को विनिल मैथ्यू ने निर्देशित किया है।

दिलीप कुमार स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से घर पहुंचे

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड के ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार को स्वस्थ होने के बाद शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।दिलीप कुमार को सांस लेने में तकलीफ होने के बाद हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके फेफड़े का ऑपरेशन कर पानी निकाला गया और स्वस्थ होने के बाद आज उन्हें घर भेज दिया गया।दिलीप कुमार के ट्विटर अकाउंट पर इस संबंध में जानकारी दी गयी है। उनके ट्विटर पर लिखा गया,आपके प्यार और स्नेह, आपकी प्रार्थनाओं और डॉक्टर गोखले, पारकर, डॉक्टर अरुण शाह और हिंदुजा की पूरी टीम के मेहनत के कारण दिलीप कुमार स्वस्थ होकर अपने घर वापस जा रहे हैं।

कटरीना कैफ हुई हर्षवर्धन कपूर से नाराज

विकी कौशल के साथ अफेयर की बात को किया हैं सार्वजनिक

नई दिल्ली वार्ता। विकी कौशल और कटरीना कैफ के अफेयर को आधिकारिक करने के बाद हर्षवर्धन कपूर से कटरीना कैफ नाराज हैंद्य हर्षवर्धन कपूर ने विकी कौशल और कटरीना कैफ के अफेयर को सार्वजनिक कर दिया हैद्य हर्षवर्धन कपूर कटरीना कैफ को नहीं जानतेद्य हालांकि एक इंटरव्यू में उन्होंने विकी कौशल और कटरीना कैफ को कपल बताया हैद्य इसके चलते यह इंटरव्यू वायरल हो गया और कटरीना कैफ हर्षवर्धन कपूर से नाराज हो गई है क्योंकि उन्होंने उनके रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है।

कटरीना कैफ से जुड़े एक खास दोस्त ने स्पॉटबॉय को बताया, हर्षवर्धन कपूर को कटरीना कैफ की लव लाइफ एक चैट शो पर चर्चा नहीं करनी चाहिए थीद्य वह उन्हें जानती भी नहीं है और अगर उन्हें जानती भी थी तो भी उन्हें पहले कटरीना कैफ से उनके निजी जीवन के बारे में बात करने के लिए अनुमति लेनी चाहिए थीद्य कटरीना कैफ अपने रिश्ते को लेकर बहुत सावधान हैद्य इसके पीछे कारण यह है कि वह अपने रिश्तों को लेकर पहले बहुत बुरी तरह हर्ट हो चुकी है और अब अपने रिश्ते के बारे में शांत रहना चाहती हैं

हर्षवर्धन कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा था, विकी कौशल और कटरीना कैफ एक-दूसरे को डेट कर रहे हैंद्य यह बात सही है और यह बात सार्वजनिक करने के लिए मैं मुश्किल में पड़ सकता हूंद्य हाल ही में इमरान हाशमी ने भट्ट परिवार के अंदरुनी कलह पर अपनी बात रखी थीद्य इसके चलते भट्ट परिवार उनसे नाराज हो गया था।

विकी कौशल और कटरीना कैफ एक-दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे हैंद्य हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया हैद्य यह पहली बार है जब किसी कलाकार ने दोनों रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि की है। कटरीना कैफ का अफेयर इसके पहले रणबीर कपूर से थाद्य हालांकि बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया था।

कोरोना मुक्त होने के बाद कटरीना कैफ ने शुरू की स्टेप बाई स्टेप एक्सरसाइज

नई दिल्ली वार्ता। ि बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ अपनी पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। अब उन्होंने अपने कोरोना मुक्त होने के बाद से अपनी फिटनेट की ओर ध्यान देते हुए फिर वर्कआउट शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फोटो के साथ एक पोस्ट शेयर कर दी है।इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'कोविड से ठीक होने के बाद मुझे वापस एक्सरसाइज करने के मामले में खुद के साथ धैर्य रखना पड़ा। आपको अपनी गति से चलना होगा और अपने शरीर की सुननी होगी। लेकिन जब आप खुद को थका हुआ महसूस करें तो धीमी गति से चलना और अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भरोसा करें और खुद को वक्त दें। स्टेप बाई स्टेप।'साथ ही उन्होंने अपनी इस पोस्ट के साथ इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वो बेहद सुंदर दिख रही हैं। फोटो एक्ट्रेस कलर फूल जैकेट में पोज देती दिख रही हैं। आपको बता दें कि कटरीना का 6 अप्रैल को कोरोना टेस्ट पॉजीटिव आया था और 17 अप्रैल को उनका कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया था। इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर दी थी।

वहीं उनके वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही हॉरर कॉमेटी फिल्म 'फोन भूत' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वो उनके साथ ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं।

इसके अलावा अभिनेत्री रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सूर्यवंशी' में एक्टर अक्षय कुमार के साथ मुख्य किरदार में नजर आएंगी। साथ ही वो टाइगर फ्रेंचाइजी की फिल्म 'टाइगर 3' में सलमान खान के साथ नजर आने वाली हैं। बता दें कटरीना कैफ को बड़े पर्दे पर आखिरी बार फिल्म 'भारत' में देखा गया था, इस फिल्म में बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान ने अहम भूमिका निभाई थी।

Nusrat Jahan Controversies

संसद में मॉर्डन ड्रेस से लेकर दुष्कर्म आरोपी से प्यार तक, नुसरत जहां का रहा विवादों से पुराना नाता

नई दिल्ली वार्ता। बंगल एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। नुसरत राजनीति और एक्टिंग दोनों ही क्षेत्रों में अपने काम को लेकर फाफी चर्चा में रहती हैं। लेकिन इन दिनों वह अपनी पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल की वजह से खबरों में छाई हैं। नुसरत ने 19 जनवरी, 2019 को तुर्की में अपने ब्वॉयफ्रेंड निखिल जैन से शादी की थी। उनकी शादी शादी हिन्दू और इस्लामिक दोनों रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के बाद दोनों की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे। लेकिन, हाल ही में टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने अपनी शादी को अवैध बना दिया। उन्होंने कहा कि भारत में निखिल संग उनकी शादी वैध नहीं है। वहीं इसी बीच उनके प्रेग्नेंट होने की खबर भी खूब तूल पकड़ रही है। हाल ही में बेबी बंप के साथ नुसरत की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। ऐसा पहली बार नहीं है जब नुसरत जहां विवादों में आई हैं, उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। आइए जानते हैं कुछ अनसुने पहलू...

1.30 सितंबर 2016 को नुसरत के कथित ब्वॉफ्रेंड कादर खान को घटना के चार साल बाद सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वही उस दौरान एक्ट्रेस की शादी होने वाली थी। यही नहीं नुसरत पर भी एक अपराधी को पनाह देने का अरोल लगा था।

2. वहीं नुसरत17-18 जून 2019 को बाकी सांसदों के साथ शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुई थी। कथित तौर पर, वह अस्वस्थ थीं और उन्हें कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

3. खबरों की माने तो उनके बीमार होने के पीछे दो पहलू खबरों में थे। एक, लंबे समय से अस्थमा की समस्या के कारण उन्हें सांस की बीमारी हो गई थी। वहीं दूसरा, ड्रग ओवरडोज की वजह से उन्हें परेशान हुई थी। हालांकि उनके ड्रग वाली खबर को लेकर कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले थे न ही नुसरत या उनके परिवार ने इसको लेकर कोई बात की थी।

4. वहीं सांसद बनने के बाद साल 2019 में जब नुसरत जहां पहली बार संसद गई थी, तो वेस्टर्न ड्रेस को लेकर लोगों ने उन्हें काफी ट्रोल किया था। उन्होंने अपनी दोस्त मिमी चक्रवर्ती के साथ संसद भवन के सामने एक सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

5. इसके बाद जब नुसरत निखिल जैन संग शादी के बाद लौटीं थीं तो वह संसद में चूड़ियां, सिंदूर और साड़ी पहनकर आने पर भी उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था।

6. वहीं अलग धर्म में शादी को लेकर भी काफी बवाल मचा था। मुफ्ती मुकर्रम अहमद, शाही इमाम, फतेहपुरी मस्जिद ने कहा था, यह शादी नहीं है। यह दिखावा है। मुसलमान और जैन दोनों इसे शादी नहीं मानेंगे। वह अब जैन या मुस्लिम नहीं है। उन्होंने बहुत बड़ा अपराध किया है और ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7. मुफ्ती के इस बयान के अगले ही दिन उन्हें संसद में मीडिया का सामना करना पड़ा था. अगले ही दिन उनका एक बयान धक्का मत दीजिए सुर्खियों में आ गई थी।

8. निखल जैन से शादी के बाद इसी साल यानी जनवरी 2021 में नुसरत जहां का नाम उनके को-स्टार यश दासगुप्ता के साथ जुड़ा। दोनों के अफेयर्स की खबरें खूब चर्चा में आने लगीं। वहीं फरवरी 2021 के आसपास, नुसरत को उनके पति निखिल जैन द्वारा तलाक के नोटिस भेजे जाने की खबरें आई थीं। हालांकि, नुसरत ने दावा किया कि उन्हें ऐसा नोटिस कभी नहीं मिला।

9. इसके बाद इसी महीने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी पोस्ट आया, जिसमें नुसरत जहां के प्रेग्नेंट होने की बात सामने आई। एक बंगाली न्यूज वेबसाइटों ने बताया कि वह छह महीने की गर्भवती हैं और यह भी कहा जाता है कि निखिल जैन इस बात से अनजान है।

10. वहीं अब नुसरत की एक तस्वीर काफी सुर्खियों में हैं जिसतें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

सलमान खान की राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई महाराष्ट्र के 2 सिनेमाघरों में की गई रिलीज, पहले दिन बिके मात्र 84 टिकट

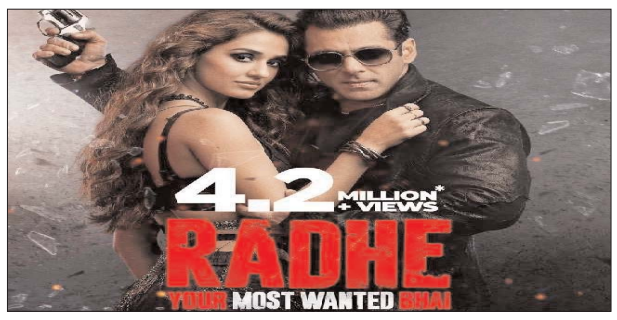

नई दिल्ली वार्ता। सलमान खान और दिशा पाटनी की फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई इस वर्ष13 मई को रिलीज हुई हैद्य इस फिल्म को कोरोना लॉकडाउन के चलते सिनेमाघरों में रिलीज करने का अवसर नहीं मिलाद्य अब जब लॉकडाउन शिथिल हुआ है तो महाराष्ट्र के दो सिनेमाघरों में राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई दिखाई जा रही हैंद्य हालांकि पहले दिन इस फिल्म की मात्र 84 टिकटें ही बिकी है।

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और दिशा पाटनी की फिल्म रिलीज हो गई हैद्य कोरोना महामारी की दूसरी लहर के चलते महाराष्ट्र में कठोर नियमों को लागू किया गया थाद्य हाल ही में महाराष्ट्र में लेवल 1 और लेवल 2 की श्रेणी में आने वाले शहरों को सिनेमा हॉल खोलने की अनुमति दी गई हैद्य इसके चलते महाराष्ट्र के दो सिनेमाघर राधे योर मोस्ट वांटेड भाई रिलीज कर पाए हैंद्य इंस्टाग्राम पर जी स्टूडियो ने एक पोस्ट शेयर किया हैद्य इसमें सिनेमा देखने वाले थिएटर में फिल्म देखते नजर आ रहे हैंद्य इसमें सलमान की फिल्म दिखाई जा रही है।

फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया गया है, योर मोस्ट वांटेड भाई इज वेटिंग इन मालेगांव इसके अलावा यह फिल्म औरंगाबाद के सिनेप्लेक्स में भी दिखाई जा रही हैद्य मालेगांव में इसके 2 शो दिखाये जा रहे हैंद्य वही सिनेप्लेक्स में दिन में चार बार यह दिखाई जा रही हैद्य एक रिपोर्ट के अनुसार 7-30 बजे के शो के लिए ड्राइव इन सिनेमा में फिल्म देखने22 लोग आएद्य जबकि 40 लोगों ने कुर्सी पर बैठकर यह सिनेमा देखाद्य वहीं सिनेमाघर के मैनेजर ने कहा कि 9-30 बजे का शो कैंसिल करना पड़ा क्योंकि कोई भी देखने नहीं आयावहीं खिंवासरा सिनेप्लेक्स के मैनेजर सुभाष कोटेचा ने कहा है कि शो की 22 टिकटें बिकी हैद्य हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 4 में से 2 शो कैंसिल कर दिए जाएंगेद्य गौरतलब है कि सलमान खान की फिल्म राधे योर मोस्ट वांटेड भाई अपनी रिलीज से ही चर्चा में हैद्य इस फिल्म को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की मिलाजुली प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।

जाह्नवी कपूर ने कराया ग्लैमरस अंदाज में फोटोशूट, तस्वीरें हुई वायरल

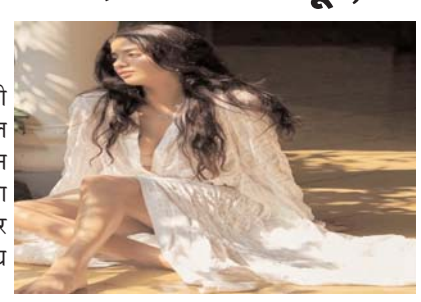

नई दिल्ली वार्ता। जिाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैद्य दरअसल जाह्नवी कपूर नेहाल ही में फोटोशूट करवाया हैद्य उन्होंने यह फोटोशूट अपने गार्डन में करवाया हैद्य इसमें जाह्नवी कपूर काफी खूबसूरत नजर आ रही हैद्य वह तस्वीरों में स्माइल कर रही हैंद्य उन्होंने वाइट कलर की ड्रेस पहन रखी हैद्य जाह्नवी कपूर के बाल खुले हुए हैंद्य उन्होंने सिल्वर इअरिंग और नेकलेस भी पहन रखी है।

फोटो शेयर करते हुए जाह्नवी कपूरने लिखा है, जिन लोगों को डांस करते हुए देखा गया, उन्हें उन लोगों द्वारा पागल समझा गया, जिन्हें संगीत की समझ नहीं थी। जाह्नवी कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैद्य उनके फैंस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैंद्य इसके पहले भी जाह्नवी कपूर अक्सर अपनी तस्वीर शेयर करती रही हैं जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती रही हैद्य जाह्नवी कपूर पिछली बार फिल्म रूही में नजर आई थीद्य इस फिल्म में उनके अलावा राजकुमार और वरुण शर्मा की अहम भूमिका थीद्य यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थीद्य जाह्नवी कपूर जल्द फिल्म गुडलक जेरी में नजर आएंगीद्य इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई हैद्य हाल ही में जाह्नवी कपूर की फिल्म कार्तिक आर्यन ने छोड़ दी हैद्य ऐसा कहा जा रहा है कि कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के बीच अनबन थी और दोनों के बीच बातचीत भी बंद थीद्य इसके चलते जाह्नवी कपूर की फिल्म कार्तिक आर्यन ने छोड़ दी हैद्य वहीं कई लोग यह कह रहे हैं कि उन्हें करण जौहर ने फिल्म से निकाल दिया हैद्य जाह्नवी कपूर फिल्म अभिनेत्री हैंद्य वह कई फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुकी है।जाह्नवी कपूर ने सोशल मीडिया पर सक्रिय हैद्य वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत करती हैद्य इसके चलते उनके फैंस भी उन्हें लेकर काफी उत्साहित रहते हैद्य जाह्नवी कपूर जिम और योग सेंटर के बाहर भी स्पॉट की जाती है।

एक ही फ्रेम में नजर आया रामायण की सीता का पूरा परिवार

बेटियों के साथ मॉर्डन लुक में नजर आई दीपिका चिखलिया

नई दिल्ली वार्ता। ि रामानंद सागर का चर्चित सीरियल रामायण लॉकडाउन में पुन- प्रसारित किया जा रहा है। रामायण आज भी घर-घर में लोकप्रीय है। रामायण ने टीआरपी के अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। रामायण के फिर से शुरू होने के बाद इस शो के सभी स्टारकास्ट एक बार फिर से लाइम लाइट में आ गए हैं। वहीं इस शो में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया भी सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी सक्रीय हैं। दीपिका लगातार शो से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज के साथ अपनी और फैमिली की फोटोज शेयर करती नजर आ रही हैं। इसी बीच दीपिका ने अपनी फैमिली संग तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का पूरा परिवार एक ही फ्रेम में नजर आ रहा है। उनकी इस फोटो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

दीपिका चिखलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी फैमिली की तस्वीर शेयर की है। पहली फोटो में दीपिका के साथ उनके पति और दोनों बेटियां और एक लड़का नजर आ रहा हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में दीपिका उनके पति और दोनों बेटियां हैं। इस दौरान सभी काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं तस्वीर में आप देख सकते हैं कि दीपिका वनपीस ड्रेस में काफी मॉर्डन लग रही हैं। वहीं देखा जाए तो पहली नजर में दीपिका ने खुद को इतना मेंटेन कर रखा है कि बेटियों और मां में अंतर कर पाना काफी मुश्किल होगा। दीपिका की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रसे ने कैप्शन में लिखा, परिवार - और परिवार की सुख-सुविधाएं...बीमारी, सेहत, मौज-मस्ती, बुरे समय में....दूसरें साथ छोड़ देते हैं लेकिन परिवार एक साथ खड़े रहते हैं।

आपको बता दें कि रामायण में सीता माता के किरदार के अलावा दीपिका विक्रम और बेताल, लव-कुश, 'दादा-दादी की कहानी, द स्वोर्ड ऑफ टीपू सुल्तान जैसे कई सीरियल के जरिए भी दर्शकों का मनोरंजन चुकी हैं। वहीं अब दीपिका जल्द ही सरोजनी नायडू की बायोपिक में भी नजर आने वाली हैं।

इसके अलावा अगर उनकी फिल्मों की बात करें तो उन्होंने साल 1983 में आई फिल्म सुन मेरी लैला से करियर की शुरुआत की थी। इसके अलावा उन्होंने भगवान दादा, चीख, खुदाई, रात के अंधेरे में जैसी फिल्मों में काम किया। वहीं हिंदी सिनेमा में ही नहीं दीपिका ने बंगाली और तमिल फिल्म में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा। वहीं दीपिका ने बंगाली और तमिल फिल्म में भी काम किया है। हाल ही में दीपिका चिखलिया को आयुष्मान खुराना, यामी गौतम और भूमि पेडनेकर स्टारर बाला में देखा गया था। इस मूवी में उन्होंने यामी गौतम की मां कि किरदार निभाया था।

पीएम किसान सम्मान निधि पाने के लिए ऐसे कराएं रजिस्ट्रेशन, प्रति वर्ष मिलेंगे 6000 रुपये

नयी दिल्ली वार्ता। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसान तक पैसा नहीं पहुंचने की पहली वजह यह हो सकती है कि पंजीकरण करते समय आपके आधार नंबर की गलत जानकारी फीड हो गई हो या फिर उन्होंने आधार की जानकारी ही न दी हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आते ही किसानों, मजदूरों, कारीगरों व छोटे-मोटे काम-धंधे करने वाले लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने व उन्हें नियत सरकारी मदद प्रदान करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाएं चलवाई, जिनमें से पीएम किसान सम्मान निधि भी एक है। इस स्कीम के तहत मोदी सरकार प्रत्येक किसान परिवार को प्रतिवर्ष छह हजार (6000/-) रुपये देती है। इसलिए, हम बता रहे हैं कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए आप कैसे कराएं अपना रजिस्ट्रेशन, ताकि आपको भी मिल सके एक सुनिश्चित धनराशि।

आजकल सरकार गांव गांव में सीएससी खुलवा चुकी है, ताकि आमलोगों को तकनीकी सहयोग बिना किसी दिक्कत के मिल सके। इसलिए किसान चाहें तो कॉमन सर्विस सेंटर जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

खुद से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए द्धह्लह्लश्चह्य=//श्चद्बद्म-द्बह्यड्डठ्ठ.द्दश1.द्बठ्ठ/पर जाकर फार्मर कॉर्नर पर जाएं। फिर 'न्यू फार्मर रजिस्ट्रेशन' विकल्प पर क्लिक करें। तत्पश्चात आपको आधार नंबर डालना होगा। फिर कैप्चा कोड डालकर राज्य को चुनना होगा। उसके बाद प्रोसेस को आगे बढ़ाना होगा। अब आपके सामने जो फॉर्म आएगा, उसमें आपको अपनी पूरी व्यक्तिगत जानकारी भरनी होगी। यहां पर आपको अपने बैंक अकाउंट का विवरण और खेत से जुड़ी अद्यतन जानकारी भी भरनी होगी। इसके बाद आप फॉर्म सबमिट कर सकते हैं।

किसान को यदि कोई असुविधा हो तो पीएम किसान हेल्पलाइन से भी सम्बन्धित जानकारी ले सकते हैं और किसी को कोई समस्या हो तो अपनी शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए पीएम किसान हेल्पलाइन नंबर 155261 है। इसके अतिरिक्त, पीएम किसान टोल फ्री नंबर 18001155266 और पीएम किसान लैंडलाइन नंबर 011-23381092, 23382401 भी है। पीएम किसान की एक और हेल्पलाइन नम्बर 0120-6025109 और ई-मेल आईडी है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत लाभार्थी बेनिफीशियरी लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं। यह लिस्ट श्चद्बद्म-द्बह्यड्डठ्ठ.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल पर अपलोड हो जाती है, जिसमें कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, पीएम किसान सम्मान निधि के तहत लाभ पाने वाले किसानों के नाम शामिल करता है। इसलिए आप अपना नाम यहां पर चेक करने के लिए श्चद्बद्म-द्बह्यड्डठ्ठ.द्दश1.द्बठ्ठ पर क्लिक करें। फिर वेबसाइट खुलने के बाद मेन्यू बार देखें और 'फार्मर कॉर्नर' पर जाएं। उसके बाद, लाभार्थी सूची या बेनिफीशियरी लिस्ट टैब पर क्लिक करें। उसके बाद अपना राज्य, जिला, उप-जिला, ब्लॉक और गांव का विवरण दर्ज करें। इसके बाद आपको गेट रिपोर्ट पर क्लिक करना होगा, जिसके बाद आपको जानकारी मिल जाएगी। जिन किसानों को इस योजना का लाभ सरकार की तरफ से दिया गया है, उनके भी नाम राज्य वार, जिलेवार, तहसीलवार व गांववार के हिसाब से देखे जा सकते हैं।

यदि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की लिस्ट में आपका नाम नहीं है तो आप पीएम किसान सम्मान निधि योजना की हेल्पलाइन नम्बर 011-24300606 पर कॉल कर के अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यहां पर आपको यह स्पष्ट कर दें कि पीएम किसान सम्मान योजना के तहत सरकार 3 किश्तों में किसानों को पैसा ट्रांसफर करती है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पहली किश्त 1 दिसंबर से 31 मार्च के बीच, दूसरी किस्त 1 अप्रैल से 31 जुलाई के बीच और तीसरी किश्त 1 अगस्त से 30 नवंबर के बीच में किसानों के खाते में पहुंचती है, जिससे उन्हें खाद-बीज खरीदने में सहूलियत होती है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसान तक पैसा नहीं पहुंचने की पहली वजह यह हो सकती है कि पंजीकरण करते समय आपके आधार नंबर की गलत जानकारी फीड हो गई हो या फिर उन्होंने आधार की जानकारी ही न दी हो। इसकी कुछ अन्य वजहों में आधार कार्ड पर नाम या पता गलत होना, या बैंक अकाउंट की गलत जानकारी या फिर आधार ऑथंटिकेशन का फेल होना आदि भी शामिल हो सकता है। इसलिए अपनी किस्त सही समय पर पाने के लिए अपनी सभी डिटेल्स को तुरंत चेक करें और यदि आपको लगे कि कोई गलती हुई है तो उसे अविलम्ब ठीक कराएं।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत यदि किसान के रिकॉर्ड में सुधार हो तो आप कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर उसमें सुधार करा सकते हैं। या फिर पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। आपको बता दें कि जब आप वेबसाइट पर इसके बाद फार्मर्स कॉर्नर में बेनेफिशियरी स्टेटस पर क्लिक करेंगे तो वहां पर आपको आधार नंबर, अकाउंट नंबर और फोन नंबर का विकल्प दिखेगा। इसलिए, यहां पर आप देख सकते हैं कि आपकी सूचना सही है या नहीं। यदि आपका आधार नम्बर यहां पर दर्ज नहीं है तो उसे दर्ज करें, या फिर गलत आधार नम्बर अंकित हो तो वहां पर सही आधार नंबर डालें। इसी प्रकार से यदि कोई अन्य डिटेल गलत है तो उसमें सुधार करें और कैप्चा कोड डालकर सबमिट कर दें। इस प्रकार यदि आपका आवेदन किसी डॉक्युमेंट यानी आधार नम्बर, मोबाइल नंबर या बैंक खाता की वजह से रुका है तो वह डॉक्युमेंट ऑनलाइन अपलोड भी कर सकते हैं। इतना करने के बाद आपको प्रतिवर्ष 6 हजार रुपया मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा जो दो दो हजार रुपये करके तीन समान किश्तों में मिलेगा।

ड्राइविंग टेस्ट देने की नहीं होगी जरूरत! नए नियम जुलाई से होंगे लागू

नयी दिल्ली वार्ता। मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, यह प्रक्रिया तकनीक से संचालित होगी और इसमें किसी भी अन्य व्यक्ति की जरूरत नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक, मान्यता केवल उन केंद्रों को दी जाएगी जो ड्राइविंग ट्रैक, आईटी और बायोमेट्रिक सिस्टम के मानदंडों को पूरा कर पाएंगे।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नियम जुलाई से बदलने वाले है। जी हां, सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक नया नियम अधिसूचित किया है जिसके मुताबिक अब आपको लाइसेंस बनवाने के लिए ऋह्लह्र के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और साथ ही कोई टेस्ट देने की भी जरूरत नहीं होगी। बता दें कि लाइसेंस के लिए आप किसी भी मान्यता प्राप्त ड्राइविंग सेंटर्स में अप्लाई कर सकते हैं जिसके बाद अपनी ट्रेनिंग पूरी होने के बाद आपको एक टेस्ट पास करना होगा और तभी आपको लाइसेंस जारी किया जाएगा। इसके लिए आपको किसी भी आरटीओ ऑफिस में जाकर ड्राइविंग टेस्ट देने की जरूरत नहीं होगी। टीओआई में छपी एक खबर के मुताबिक, आपके लाइसेंस की पूरी प्रक्रिया को रिकॉर्ड किया जाएगा। यह रिकॉर्डिंग पूरी तह से इलेक्ट्रॉनिकली होगी।

मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, यह प्रक्रिया तकनीक से संचालित होगी और इसमें किसी भी अन्य व्यक्ति की जरूरत नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक, मान्यता केवल उन केंद्रों को दी जाएगी जो ड्राइविंग ट्रैक, आईटी और बायोमेट्रिक सिस्टम के मानदंडों को पूरा कर पाएंगे और निर्धारित सिलेबस के अनुसार टेस्ट देंगे। एक बार केंद्र प्रमाण पत्र जारी होने के बाद, यह संबंधित मोटर वाहन लाइसेंस अधिकारी तक पहुंच जाएगा। नियम जुलाई से लागू होंगे, यानी ड्राइवर ट्रेनिंग के लिए ऐसी सुविधाएं चलाने के इच्छुक लोग और संस्थान राज्य सरकारों को आवेदन करना शुरू कर सकते हैं।

राजस्थान में डीजल 100 पर; कर्नाटक में भी पेट्रोल का भाव चढ़ा ऊपर

नयी दिल्ली वार्ता। कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में तेजी के बीच सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल के भाव में प्रति लीटर 27 पैसे और डीजल में 23 पैसे की वृद्धि की। गत चार मई के बाद पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में 23 बार वृद्धि की गयी है जिससे राजस्थान में डीजल 100 रुपये/लीटर और कर्नाटक में पेट्रोल का भाव भी 100 रुपये/लीटर पर पहुंच गया है। कर्नाटक ऐसा सातवां राज्य हो गया है जहां पेट्रोल का भाव 100 रुपये को छू गया है या उससे ऊपर पहुंच गया है। विभिन्न राज्यों में वैट और स्थानीय करों की विभिन्नता के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के स्थानीय भाव अलग-अलग होते हैं।

दिल्ली में पेट्रोल 96.12 रुपये/लीटर और डीजल का भाव86.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध प्रदेश, तेलंगाना और केंद्र शासित लद्दाख में पेट्रोल के खुदरा भाव पहले ही 100 रुपये या उससे से ऊपर पहुंच गए थे। इस सूची में शनिवार को कर्नाटक भी जुड़ गया। कर्नाटक में बीदर, बेल्लारी, कप्पल, दावणगिरि, शिमोगा और चिकमंगलूर में पेट्रोल 100 रुपये से ऊपर की दर से बिक रहा है। बेंगलुरु में पेट्रोल का भाव 99.39 और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में पेट्रोल देश में सबसे ऊंची दर पर बिक रहा है।वहां पेट्रोल का भाव 107.22 और डीजल 100.05 के भाव मिल रहा है। वहां प्रीमियम पेट्रोल की दर 110.50 और प्रीमियम डीजल की दर 103.72 रुपये प्रति लीटर है। राजस्थान में वैट की दर सबसे ऊंची है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के भाव 102.30 रुपये और 94.39 रुपये प्रति लीटर है। चार मई के बाद 23 बार की बढ़ोतरी में पेट्रोल 5.72 रुपये और डीजल 6.25 रुपये महंगा हो चुका है।

सोना कॉमस्टार ने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से जुटाए 2,498 करोड़

नयी दिल्ली वार्ता। वाहन कलपुर्जा कंपनी सोना बीएलडब्ल्यू प्रीसिशन फोर्जिंग्स (सोना कॉमस्टार) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एंकर निवेशकों से 2,498 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी का आईपीओ सोमवार को खुलेगा। बीएसई के शुक्रवार के एक सर्कुलर के अनुसार कंपनी ने 42 एंकर निवेशकों को 291 रुपये प्रति शेयर के के भाव पर 8.6 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित किया है। यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है। इस भाव पर कंपनी ने 2,498 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह कंपनी के आईपीओ के आकार 5,550 करोड़ रुपये का 45 प्रतिशत बैठता है।

कुल 42 एंकर निवेशकों ने कंपनी के शेयर खरीदे हैं। इनमें 24 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, 11 घरेलू म्यूचुअल फंड, पांच जीवन बीमा कंपनियों और दो वैकल्पिक निवेशक कोष (एआईएफ) शामिल हैं। कंपनी के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 285 से 291 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ 14 जून को खुलकर 16 जून को बंद होगा।

एयरएशिया इंडिया की सेल, किराया 1,177 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली वार्ता। निजी किफायती विमान सेवा कंपनी एयरएशिया इंडिया ने देश में उड़ान आरंभ करने की सातवीं वर्षगांठ पर सेवेनटैस्टिक सेल की घोषणा की है जिसके तहत किराया 1,177 रुपये से शुरू हो रहा है।

एयरलाइन ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विशेष सेल के तहत टिकट 12 जून से 14 जून तक बुक कराये जा सकेंगे। ऑफर 01 अगस्त 2021 या उसके बाद की यात्रा के लिए ही लागू होगा। किसी भी माध्यम से बुकिंग कराकर ग्राहक सेल का लाभ उठा सकते हैं। कंपनी की नयी वेबसाइट एयरएशियाडॉटकोडॉटइन से टिकट बुक कराने वाले ग्राहकों के लिए बुकफास्टफ्लाईफ्री के नाम से एक प्रतियोगिता भी रखी गई है।

एयरएशिया इंडिया ने 12 जून 2014 को देश में उड़ानों का परिचालन शुरू किया था। वर्तमान में इसके गंतव्यों में 17 शहर शामिल हैं। कंपनी के पास 32 एयरबस ए320 विमान हैं।

ऑफर के तहत सबसे सस्ते किराये वाले मार्गों में गुवाहाटी-कोलकाता और चेन्नई-हैदराबाद (1,177 रुपये से), हैदराबाद-चेन्नई, बेंगलुरु-चेन्नई और बेंगलुरु-चेन्नई (1,377 रुपये से), कोलकाता-गुवाहाटी और दिल्ली-जयपुर (1,477 रुपये से), बेंगलुरु-पुणे, इंफाल-गुवाहाटी और चेन्नई-मुंबई (1,577 रुपये से) और मुंबई-चेन्नई 1,677 रुपये से शामिल है।

क्या प्रकाशकों को सच में मिली गूगल और फेसबुक द्वारा 600 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता?

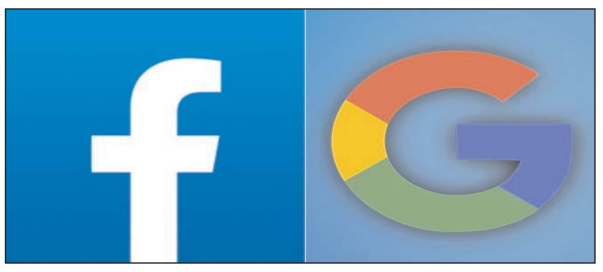

नयी दिल्ली वार्ता।दूसरी ओर कई मीडिया विश्लेषकों और समाचार व्यवसाय के अधिकारियों ने यह भी दावा किया की गूगल और फेसबुक ने जिस फंडिंग को निर्धारित किया है उससे प्रशासकों के विज्ञापन राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई नहीं हो पा रही है।

तकनीक और इंटरनेट के जमाने में ऑनलाइन न्यूज़ कमाई का अच्छा जरिया बनता जा रहा है। इन्हीं सबके बीच नियामक और राजनीतिक दबाव को ध्यान में रखते हुए फेसबुक और गूगल ने विश्व स्तर पर समाचार आउटलेट को सहयोग देने की बात करते हुए संयुक्त रूप से 600 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता जताई थी। इसे डिजिटल युग के लिए क्रांतिकारी कदम माना जा रहा था। यह भी कहा जा रहा था कि इससे डिजिटल क्षेत्र में नए लोग जुड़ेंगे।तकनीक की इन दोनों दिग्गज कंपनियों के घोषणा के अनुसार अब तक हजारों मीडिया आउटलेट्स को फैक्ट चेकिंग और रिपोर्टिंग से लेकर ट्रेनिंग तक की हर चीज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इनके अनुसार कुछ प्रशासकों ने इनका आभार भी जताया है। लेकिन साथ ही साथ यह भी कहा जा रहा है कि तकनीक के इन बड़ी कंपनियों के इस घोषणा के बाद से समाचार आउटलेट्स के कारोबार पर फर्क पड़ा है और विज्ञापन राजस्व में गिरावट आई है।

दूसरी ओर कई मीडिया विश्लेषकों और समाचार व्यवसाय के अधिकारियों ने यह भी दावा किया की गूगल और फेसबुक ने जिस फंडिंग को निर्धारित किया है उससे प्रशासकों के विज्ञापन राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई नहीं हो पा रही है। उनका यह भी दावा है कि तकनीकी कंपनियों ने डिजिटल विज्ञापन व्यापार पर कब्जा कर लिया है। एक मार्केट रिसर्च कंपनी द्गस्ड्डद्दह्यद्गह्लद्गह्ल के अनुसार, 2020 में त्रश्शश्चद्दद्य और स्नड्डष्द्गड्डश्शश्च ने अमेरिकी डिजिटल विज्ञापन राजस्व का 54त्न मार्किट कैप्चर किया हुआ है।कुछ प्रकाशकों का यह भी आरोप है कि तकनीक की इन दोनों कंपनियों के ऐलान के अनुसार किसको कितनी फंडिंग की गई और कब की गई, इसके बारे में कुछ भी साफ नहीं है। यही कारण है कि अब कुछ प्रकाशक इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कर रहे हैं। उन प्रकाशकों का यह भी कहना है कि हमें ग्रांट देने की बजाय पहले जैसी स्थिति को बहाल कर दिया जाए। हम उससे ही अपने नुकसान की भरपाई कर लेंगे। इसके साथ ही गूगल ने मंगलवार को भारत में 30 समाचार संगठनों के साथ अपने न्यूज शोकेस की पेशकश की, जिसका मकसद गूगल के समाचार और खोज मंचों पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रदर्शित करने के लिए प्रकाशकों को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना है। इसके साथ ही गूगल भारत में अगले तीन वर्षों के दौरान समाचार संगठनों और पत्रकारिता विद्यालयों के 50,000 पत्रकारों और पत्रकारिता के छात्रों को डिजिटल हुनर सिखाएगा। गूगल के उपाध्यक्ष (उत्पाद प्रबंधन) ब्रैड बेंडर ने कहा, ''हम अब प्रकाशकों की मदद के लिए न्यूज शोकेस पेश कर रहे हैं, ताकि लोगों को भरोसेमंद खबर मिल सके, विशेष रूप से इस महत्वपूर्ण समय में जब कोविड संकट जारी है। समाचार शोकेस दल प्रकाशकों की पसंद के अनुसार लेखों को बढ़ावा देता है, और उन्हें खबर के साथ अतिरिक्त संदर्भ देने की अनुमति भी देता है, ताकी पाठकों में इस बात की बेहतर समझ बन सके कि उनके आसपास क्या हो रहा है।''

मॉन्डेलीज़ इंडिया ने लॉन्च किया बोर्नविटा क्रंची

नयी दिल्ली वार्ता। देश के पसंदीदा स्नैकिंग ब्रांड्स कैडबरी डेयरी मिल्क, बोर्नविटा और ओरियो उत्पादक तथा बेकर्स मॉ-?डेलीज़ इंडिया ने बोर्नविटा क्रंची लॉन्च के साथ होलसम बिस्किट्स वर्ग में अपना विस्तार करने की घोषणा की है।इस नए उत्पाद ए क्रंची बाइट ऑफ होलग्रेन्स एंड बैरीज के साथ, कंपनी अपनी बेटर फॉर यू उत्पाद पेशकश को और मजबूत बना रही है। साथ ही संतुलित पौष्टिक स्नैक्स की तलाश कर रहे उपभोक्ताओं की जरूरतों को लगातार पूरी कर रही है। बोर्नविटा क्रंची दिसंबर 2020 के मध्य से देश भर की दुकानों में उपलब्ध होगा।मॉन्डेलीज़ इंडिया में विपणन (बिस्किट्स) के सहायक निदेशक सुधांशु नागपाल ने लांच पर कहा, हाल ही में जारी स्टेट ऑफ स्नैकिंग रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश भारतीय वयस्कों पहले से ज्यादा स्नैक्स खाने को स्वीकार किया है।

एसबीआई और डाकघर आवर्ती जमा में बेहतर कौन, देखें लेटेस्ट ब्याज दरें

नयी दिल्ली वार्ता।भारतीय स्टेट बैंक और पोस्ट ऑफिस अपने ग्राहकों को आवर्ती जमा के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बहुत से निवेशकों के लिए लघु बचत का यह आसान माध्यम है। खाते के लिए एक बार तय की गई किस्त राशि बदली नहीं की जा सकती। बता दें आवर्ती जमा खाता बैंकों द्वारा दी जाने वाली एक प्रकार की सावधि जमा है। आइए जानें भारतीय स्टेट बैंक और पोस्ट ऑफिस के ऋष्ठ में कौन बेहतर है...एसबीआई आरडी ब्याज दरें आम जनता के लिए 5त्न -5.4त्न और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 आधार अंकों की अतिरिक्त ब्याज दर में भिन्न होती हैं। ये दरें 8 जनवरी 2021 से प्रभावी हैं। डाकघर आरडी 5.8त्न सालाना ब्याज की पेशकश करते हैं, जो तिमाही में कंपाउंडिंग करते हैं। ये दरें 1 जनवरी 2021 से प्रभावी हैं।एसबीआई आवर्ती जमाओं में 1 से 10 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि होती है, लेकिन पोस्ट ऑफिस केवल 5 वर्ष के लिए आरडी देते हैं।एसबीआई आरडी खाता चेक / नकद द्वारा खोला जा सकता है, लेकिन एक डाकघर में एक आरडी खाता केवल नकद द्वारा खोला जा सकता है।आप नेट बैंकिंग सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन एसबीआई आरडी खाता खोल सकते हैं, लेकिन पोस्ट ऑफिस आरडी खाता खोलने के लिए आपको पोस्ट ऑफिस शाखा में जाना होगा। एसबीआई आरडी खाते में, ग्राहकों को न्यूनतम 100 रुपये की मासिक किस्त या 10 के गुणकों में करना आवश्यक है। जमा पर कोई अधिकतम सीमा नहीं है, लेकिन पोस्ट ऑफिस में आरडी खाता खोलने के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि 10 रुपये प्रति माह या 5 के गुणकों में कोई राशि है। हालांकि, निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।सरकार डाकघर के लिए 5-वर्षीय आरडी दर का फैसला करती है। हालांकि, एसबीआई के लिए ब्याज दर साल-दर-साल भिन्न-भिन्न होती हैं।

Social Media influencer बनकर खूब करें कमाई, निवेश की भी जरूरत नहीं

नई दिल्ली वार्ता। जैसा की नाम में ही सोशल मीडिया, इस से इस बात का तो पता चल ही जा रहा है कि जो लोग भी सोशल मीडिया से जुड़े हैं उन्हीं के लिए यह काम है। आप सोशल मीडिया पर अपनी जानकारी और रुचि के हिसाब से बनाए गए वीडियो को डाल सकते है और इसे साझा कर सकते है। कुल मिलाकर देखे तो सोशल मीडिया पर हम दो तरह से काम करते है।

आज इंटरनेट के दौर में हम घर बैठे पैसे कमाने के लिए लगातार सोचते हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आजकल कमाई के कई और विकल्प हमारे सामने रखे है। सोशल मीडिया के जरिए आप घर बैठे लाखों की कमाई कर सकते हैं। बशर्ते इसके लिए आपके पास कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। अगर आपके पास स्मार्टफोन भी है तो भी आप सोशल मीडिया के जरिए कमाई कर सकते हैं। अब तक हमने आपको वेबसाइट, ब्लॉक, एफिलिएट मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग और यूट्यूब के जरिए पैसे कैसे कमाए जाते हैं इसके बारे में बताया है। आज हम आपको यह बताने जा रहे हैं कि कैसे स्श्चष्द्बड्डद्य स्द्गस्त्रद्बड्ड द्बठ्ठद्बद्यह्ल-द्गठ्ठष्द्गह्ल बनकर आप भी पैसे कमा सकते हैं।जैसा की नाम में ही सोशल मीडिया, इस से इस बात का तो पता चल ही जा रहा है कि जो लोग भी सोशल मीडिया से जुड़े हैं उन्हीं के लिए यह काम है। आप सोशल मीडिया पर अपनी जानकारी और रुचि के हिसाब से बनाए गए वीडियो को डाल सकते है और इसे साझा कर सकते है। कुल मिलाकर देखे तो सोशल मीडिया पर हम दो तरह से काम करते है। पहला तो यह है कि हम दूसरों का पोस्ट देखने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं जबकि दूसरा है कि हम खुद के पोस्ट को डालने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। कई बार हम कंटेंट को इंटरेस्टिंग बनाने के लिए काफी मेहनत करते है। कुल मिलाकर हम इसे आसान शब्दों में दो भाग में बांट सकते हैं। एक के लिए क्रिएटर शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं जबकि दूसरे के लिए ऑडियंस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां ऑडियंस वह होता है जो दूसरे के पोस्ट को देखता है, पसंद करता है और बार-बार देखना चाहता है। जबकि क्रिएटर वह होता है जो अपने पोस्ट को इंटरेस्टिंग तरीके से सोशल मीडिया पर पेश करता है और उसे लोगों तक पहुंचाने के लिए मेहनत करता है। यही क्रिएटर आगे चलकर बन जाता है। वह होता है जिसके काम को लोग पसंद करने लगते हैं, उसके पोस्ट को हजारों लाखों में लाइक मिलते हैं और हर रोज वह नए लोगों को अपने साथ जोड़ता है। स्श्चष्द्बड्डद्य स्द्गस्त्रद्बड्ड द्बठ्ठद्बद्यह्लद्गठ्ठष्द्गह्ल इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब के जरिए लोगों में लोकप्रियता हासिल करता है।

एक वक्त था जब फिल्मी स्टार, क्रिकेटर या फिर नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट पर हजारों लाखों फॉलोअर्स हुआ करते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब कई ऐसे फेसबुक पेज और इंस्टाग्राम अकाउंट तथा यूट्यूब चैनल हैं जहां कोई स्टार नहीं जुड़ा है फिर भी उसके फॉलोअर्स लाखों में हैं।इंटरनेट के माध्यम से हर रोज नए-नए द्बठ्ठद्बद्यह्लद्गठ्ठष्द्गह्ल सामने आ रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर सोशल मीडिया कैसे बने?

1- इसके लिए सबसे पहले आपको एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चुनना होगा। इसमें आप फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, लिंकडइन में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। अगर आप चाहे तो एक साथ सभी प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं। परंतु शुरुआत में इनको मैनेज करने में आपको मशक्कत का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप पहले एक ही प्लेटफार्म को चुने और लोकप्रियता के बाद अपने आप सभी प्लेटफार्म पर आपको अच्छे खासे फॉलोअर्स आने लगेंगे।

2- प्लेटफार्म चुनने के बाद आपको कंटेंट का चयन करना होगा। आपका कंटेंट नया हो, अलग हो इस बात का हमेशा ध्यान रखना होगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आपके कंटेंट से किसी को बुरा ना लगे और कंटेंट पूरी तरह से आपकी हो।

3- अपने कंटेंट को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करें। बेहतर तरीके से लोगों को समझाने की कोशिश करें। साथ ही साथ आपका कंटेंट ऐसा होना चाहिए कि आम लोग भी इसको समझ सके। इसके लिए आपका प्रेजेंटेशन स्किल और कम्युनिकेशन स्किल मायने रखता है।

4- सोशल मीडिया पर अपने कंटेंट को डालने में आप निरंतरता रखें। ऐसा ना हो कि एक कंटेंट आज गया और एक दूसरा कंटेंट दो-तीन सप्ताह बाद या महीने बाद जा रहा है। अगर ऐसा होता है तो इससे आपके ऑडियंस टूटते हैं।

नेक्सजू मोबिलिटी ने लांच की ई साईकिल

नई दिल्ली वार्ता। सस्टेनेबल मोबिलिटी प्रदाता नेक्सजू मोबिलिटी ने अपने ईवी के पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नई साइकिलरोम्पस प्लस लांच करने की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह एक इनोवेटिव 3-स्पीड ईवी है, जिसका इस्तेमाल स्कूटर या साइकिल के रूप में किया जा सकता है। इसमें 36 वोल्ट का बीएलडीसी मोटर लगा है। इसमें इन फ्रेम 36वोल्ट, 5.2एएच लिथियम आयन बैटरी है ।यह महज 2.5 से 3 घंटे में फुल चार्ज होती है । 25 किमी प्रति घंटे की गति और ऑटो कटऑफ फीचर के साथ, यह ईवी थ्रोटल मोड पर 25 किमी की रेंज और इको पेडेलक मोड पर 35 किमी की सवारी प्रदान करती है। इसकी कीमत 31,983 रुपए है। मोटर और बैटरी भी ब्रांड की फिलोसॉफी के हिसाब से बनी है और 18 महीने की वारंटी मिलती है।कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) राहुल शोणक ने कहा, रोम्पस प्लस नेक्सजू के शहरी मोबिलिटी को और अधिक रोमांचक, स्वच्छ और मजेदार बनाने के विजन पर आगे बढ़ती है। हमारी रिसर्च और डेवलपमेंट टीम ने सबसे कुशल इलेक्ट्रिक पावरट्रेन और कुशल बैटरी को विकसित करने और उन्हें साथलाने का शानदार काम किया है जो ग्राहकों को लंबी राइड के विकल्प प्रदान करता है।

केजरीवाल ने नौ अस्पतालों में 22 नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज वर्चुअल माध्यम से दिल्ली सरकार के नौ अस्पतालों में स्थापित 22 नये पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया।

श्री केजरीवाल ने कहा कि इन प्लांट की संयुक्त क्षमता 17 टन है और अब तक दिल्ली में ऑक्सीजन के कुल 27 प्लांट चालू हो चुके हैं। केंद्र सरकार के भी छह ऑक्सीजन के प्लांट चालू हो गए हैं और केंद्र के सात प्लांट अभी आने वाले हैं। इसके अलावा, ऑक्सीजन के 17 और प्लांट जुलाई तक लग जाएंगे।

उन्होंने कहा,÷ तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर 'आप' की सरकार पूरी शिद्दत के साथ तैयारी कर रही है। हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण की इस लहर में हमें सबसे ज्यादा ऑक्सीजन की किल्लत महसूस हुई। कहीं से ऑक्सीजन मिली, तो उसे लाने के लिए हमारे पास टैंकर नहीं थे। इसलिए हम ऑक्सीजन टैंकरभी खरीद रहे रहे हैं। इससे पहले, हम भंडारण के लिए तीन ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक और 13.5 टन संयुक्त क्षमता केदो ऑक्सीजन के प्लांट का भी उद्घाटन कर चुके हैं।उन्होंने कहा, कोरोना की यह लहर देश के लिए भले ही दूसरी लहर रही हो, लेकिन हमारे दिल्ली के लिए यह चौथी लहर थी। दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने कड़े संघर्ष और बड़े अनुशासन के साथ मिलकर इसका सामना किया और इस पर काबू पाने में हम लोग सफल रहे। इसमें हमारे डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक स्टाफ, सफाई कर्मचारियों आदि ने बहुत बढ़-चढ़कर भूमिका अदा की। मैं कई डॉक्टर को जानता हूं, जो कई-कई दिनों तक अपने घर नहीं गए। उन सब के प्रति दिल्ली की जनता की तरफ से मैं आभार व्यक्त करता हूं। यह चौथी लहर बहुत भयानक थी। इसका आप इसी बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि जो पहली लहर आई थी, उसकी पीक के दौरान प्रतिदिन संक्रमण के 4500 मामले आए थे। पिछले साल सितंबर के आसपास जब दूसरी लहर आई थी, उसमें छह हजार के करीब मामले थे। जो तीसरी आई थी, उसमें 8500 मामले प्रतिदिन आए थे और यह जो चौथी लहर आई थी, उसमें केस 8500 से बढ़कर एकदम से 28,000 केस प्रतिदिन आ रहे थे।

श्री केजरीवाल ने कहा, ÷ इस बार बहुत ज्यादा लोग बीमार पड़ रहे थे। इस बार हमने कई सारे लोगों को खोया। अगर आप चारों तरफ अपने लोगों से बातचीत करें, तो ऐसा लगता है कि शायद ही कोई ऐसा घर था, जो कोरोना से अछूता रहा। हर घर में कोई न कोई बीमार पड़ा और लोगों ने कई अपनों को खोया लेकिन हम सब लोगों ने मिलकर इस का मुकाबला किया और इसमें इंडस्ट्री के सहयोग के लिए मैं बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं। दिल्ली सरकार की जिन लोगों ने मदद की, उन सभी का मैं तहेदिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं और दिल्ली की जनता की तरफ से उनका आभार व्यक्त करना चाहता हूं।÷

उन्होंने कहा, ÷अब हमें कोरोना की तीसरी लहर का डर है। यूनाइटेड किंगडम जो संकेत मिल रहे हैं, उनके अनुसार, वहां पर तीसरी लहर का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। वहां पर केस काफी ज्यादा बढ़ते जा रहे हैं, जबकि वहां पर 45 फीसद लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। फिर भी केस बढ़ते जा रहे हैं। उसको मद्देनजर रखते हुए हमें हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठना है। हमें पूरी तैयारी करनी पड़ेगी और वही तैयारी पूरी शिद्दत के साथ 'आप'की सरकार कर रही है, हम लोग हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठे हैं। ÷श्री केजरीवाल ने कहा, ÷अब हमें अपनी तैयारी करनी है और हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठ सकते हैं। तीसरी लहर आने की संभावना काफी वास्तविक हैं। जब तीसरी लहर आएगी, तो हम यह नहीं कह सकते कि हमने कुछ नहीं किया। इस वक्त 'आप'की सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। गुरुवार को ही मैने ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक का उद्घाटन किया। इस बार दिक्कत यह भी हुई कि ऑक्सीजन अगर बाहर से आ भी जाए, कहीं से हमें ज्यादा ऑक्सीजन मात्रा में मिल जाए, तो उसके भंडारण की क्षमता दिल्ली में नहीं है। इसलिए गुरुवार को हम लोगों ने तीन ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक का उद्घाटन किया। प्रत्येक स्टोरेज टैंक 57-57 मीट्रिक टन क्षमता के हैं। इसके अलावा, हमने लगभग 13.5 मीट्रिक टन क्षमता के दो ऑक्सीजन उत्पादन प्लांट का उद्घाटन किए।

श्री केजरीवाल ने 22 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट के उद्घाटन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज दिल्ली के नौ अस्पतालों में 22 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया जा रहा है। इनकी संयुक्त क्षमता 17 टन के करीब है। यह बहुत बड़ा डेवलपमेंट और बहुत बड़ा काम है। इसमें जितने भी लोगों का सहयोग है, सभी हॉस्पिटल, एचसीएल, मारुति, सभी इंजीनियर और पीडब्ल्यूडी समेत सभी लोगों को बधाई देता हूं और सबका शुक्रिया अदा करता हूं कि एक से डेढ़ महीने के अंदर आप लोगों ने 22 प्लांट शुरू कर दिए। अब दिल्ली के अंदर ऑक्सीजन के कुल 27 प्लांट चालू हो गए।उन्होंने कहा, इसके अलावा केंद्र सरकार ने छह ऑक्सीजन के प्लांट चालू कर दिए हैं और सात और प्लांट केंद्र सरकार के आने वाले हैं। मैं केंद्र सरकार का भी तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं कि यह इतनी बड़ी बीमारी है, इससे हम अकेले नहीं लड़ सकते हैं। इससे हम सब को मिलकर लड़ना होगा। इसमें सबका सहयोग भी मिला है। दिल्ली में 17 और ऑक्सीजन प्लांट जुलाई के महीने तक लग जाएंगे। इसके अलावा ऑक्सीजन टैंकर भी हम लोग खरीद रहे रहे हैं, ताकि अगली लहर अगर आए तो हमें टैंकर की कमी नहीं होनी चाहिए। हमें जो भी कदम उठाने चाहिए, वे सभी कदम उठाए जा रहे हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि कोरोना वायरस संक्रमण की यह तीसरी लहर न आए। हम लोगों का वैक्सीनेशन कार्यक्रम अच्छा चल रहा है। जब वैक्सीन की कमी होती है, तब दिक्कत आती है। अन्यथा पिछले हफ्ते दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किया गया 'जहां वोट, वहां वैक्सीनेशन' का कार्यक्रम बहुत अच्छा चल रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि तीसरी लहर न आए और अगर आए भी, तो हम लोग इसी तरह मिलकर उसका भी सामना करेंगे।÷

इस दौरान दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि श्री केजरीवाल द्वारा आज 22 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का विधिवत उद्घाटन किया गया। इनमें से 17 प्लांट एचसीएल और चार मारुति ने दिए हैं। एचसीएल की तरफ से पांच और प्लांट दिए जा रहे हैं, वह भी जल्द आ जाएंगे। इसके साथ-साथ पांच पीएसए प्लांट पहले ही लग चुके हैं, जो शुरू हो चुके हैं। यह पांच प्लांट संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, सत्यवादी राजा हरीशचंद्र अस्पताल, अंबेडकर नगर अस्पताल, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल और बुराड़ी अस्पताल में एक-एक लगाए गए हैं। आज जो 22 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट शुरू हो रहे हैं, उनकी क्षमता लगभग 9500 एलपीएम है।

उन्होंने कहा, ÷हमें ऑक्सीजन की अगर जरूरत पड़ती है, इन 22 प्लांट से करीब 1000 बेड के लिए ऑक्सीजन अस्पताल के अंदर ही 24 घंटे उत्पादित होगी। हमने पहले जो प्लांट शुरू किए हैं, उससे उनकी कुल क्षमता 2700 एलपीएम है और लगभग 275 मरीजों को ऑक्सीजन दी जा सकती है। अब इन दोनों को मिलाकर के लगभग 1300 बेड के लिए ऑक्सीजन अस्पताल में ही उत्पादित की जा सकेगी। अब हमें किसी पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। दिल्ली में अब तक 27 प्लांट लगा दिए गए हैं। साथ ही और भी बहुत से प्लांट लगाए जा रहे हैं, जो जल्द ही शुरू कर दिया जाएंगे। मेरी तरफ से सभी मेडिकल प्रोफेशनल, एमएस, डॉक्टर, नर्स, पैरा मेडिकल आदि का धन्यवाद है। दिल्ली के अंदर इतनी बड़ी लहर आई थी, इसका उन्होंने जमकर मुकाबला किया और लोगों की जान बचाई। इस बार कोरोना की बहुत ही भयंकर लहर थी। अब काफी हद तक काबू में है, लेकिन हमें आगे की भी तैयारी करके रखनी है। लोग कह रहे हैं कि तीसरी लहर के आने की संभावना है, उसकी तैयारी के लिए हम अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं। इस बार सबसे बड़ी दिक्कत ऑक्सीजन की रही थी। इसलिए हम लोग ऑक्सीजन का प्रबंध करने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस ने की कोरोना मृतकों के आंकड़े छिपाने की न्यायिक जांच की मांग

आंकड़े छिपाने में भाजपा सरकार का सांप और नेवला जैसा रिश्ता है- पवन खेड़ा

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर कोरोना मृतकों के आंकड़े छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश में जिन राज्यों में उसकी सरकारें हैं वहां आंकड़ों में हेराफेरी हुई है इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मामले की न्यायिक जांच करानी चाहिए और वहां के मुख्यमंत्रियों को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आंकड़े छिपाने में भाजपा सरकार का सांप और नेवला जैसा रिश्ता है। भाजपा सरकार ने सिर्फ कोविड से होने वाले मृतकों की संख्या ही नहीं छिपाई है बल्कि बेरोजगारी, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट सहित सभी तरह के आंकड़ों को छिपाती है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा सरकार ने कोरना मृतकों के आंकड़े छुपाए। इसी तरह से मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर आदि शहरों में आंकड़े छिपाए गए। हालात देख के लगता है कि गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक जैसे भाजपा शासित राज्यों के बीच कोरोना आंकड़े छिपाने की प्रतिस्पर्धा हो रही है। लाखों ऐसे मृतक हैं जिनके बारे में यह पता ही नहीं चला कि उनकी मृत्यु कोरोना से हुई है या किसी अन्य बीमारी से हुई है।

प्रवक्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना मृतकों की संख्या छिपाने के लिए श्मशान घाटों पर एक तरह से पर्दे लगाए गए थे ताकि कोई बाहर से फोटो नहीं खींच सकें। राज्य के वाराणसी में आंकड़े छिपाने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अप्रैल में वहां 127 मौतें दिखाई गई है जबकि अकेले मणिकर्णिका घाट पर ही इस महीने के एक सप्ताह में 1500 दाह संस्कार हुए। इसी दौरान वाराणसी के अन्य 13 घाटों पर 1500 मृतकों के शव जलाए गए।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा देना चाहिए और श्री मोदी को पूरे देश में न्यायिक जांच कराने का आदेश देना चाहिए जिससे यह पता चल से कि देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना के इलाज में देरी और आंकड़े छुपाने के लिए कौन जिम्मेदार है।

ईरानी ने की बाल श्रम की जानकारी देने की अपील

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बाल श्रम के मामलों की जानकारी 'पेंसिल पोर्टल' पर या 'चाइल्डलाइन-1098' पर देने की अपील की है।

श्रीमती ईरानी ने शनिवार को 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' के अवसर पर जारी एक संदेश में कहा कि शिक्षा और खुशहाल बचपन हर बच्चे का अधिकार है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर सभी बाल श्रम की समस?या से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरानी चाहिए। उन्होंने कहा, ÷लोगों की भागीदारी से ही हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे बच्चों को वह बचपन मिले जिसके वे हकदार हैं।÷

उन्होंने कहा, ÷मैं प्रत?येक नागरिक से यह अपील करती हूं कि वे बाल श्रम के मामलों की जानकारी 'पेंसिल पोर्टल अथवा 'चाइल्डलाइन-1098' पर कॉल करके दें।

मोदी ने गिरायी है देश की प्रतिष्ठाः प्रियंका

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि सरकार उनके लिए प्रचार तंत्र के रूप में काम करती है और कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने जो भूमिका निभायी, उससे देश की प्रतिष्ठा गिरी है।श्रीमती वाड्रा ने अपने अभियान जिम्मेदार कौन के तहत शनिवार को यहां जारी एक बयान में श्री मोदी को अक्षम प्रधानमंत्री और अकुशल शासक बताते हुए कहा है कि वह जिम्मेदारी का निर्वहन करने की बजाय प्रचार पर ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी डरपोक व्यक्ति की तरह व्यवहार करते हैं और उन्होंने देश की प्रतिष्ठा को गिराया है। उनके लिए देश के नागरिक नहीं बल्कि राजनीति प्राथमिक होती है। प्रधानमंत्री के लिए सत्य के कोई मायने नहीं होते हैं और इसकी वजह है कि वह प्रोपेगेंडा पर ज्यादा विश्वास करते हैं ।कांग्रेस नेता

ने कहा कि पूरी दुनिया शासन करने की उनकी क्षमता को पहचानती है। देश की जनता को उन्होंने जो सब्जबाग दिखाये थे, उनकी पोल अब खुल चुकी है और यही सही वक्त है कि श्री मोदी से पूछा जाए कि देश की बदहाली के लिए जिम्मेदार कौन है ।उन्होंने कहा कि श्री मोदी को महामारी के खिलाफ बहादुरी से लड़ना चाहिए था लेकिन उन्होंने कोरोना से लड़ने के लिए किसी के सुझाव को नहीं माना और अहंकार के कारण विशेषज्ञों कि राय को भी नजरअंदाज कर दिया जिसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ रहा है।

अमेरिका के ऑस्टिन में गोलीबारी, 12 घायल

वाशिंगटन, वार्ता। अमेरिका में टेक्सास प्रांत की राजधानी ऑस्टिन में गोलीबारी की एक घटना में कम से कम 12 लोग घायल हो गये।ऑस्टिन-ट्रैविस काउंटी इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज ने शनिवार को यह जानकारी दी।सर्विसेज ने ट्वीट किया, घायलों की संख्या 12 है।

घायलों को ट्रामा सेंटर में रखा गया है। एक की हालत गंभीर है। दूसरी तरफ अमेरिकी मीडिया ने गोलीबारी में करीब 16 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है , हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

अफगानिस्तान में शादी समारोह में हमला, पांच मरे

काबुल, वार्ता।अफगानिस्तान के काबुल में एक शादी समारोह में सशस्त्र हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी।टोलो न्यूज ने पुलिस के हवाले शनिवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।रिपोर्ट के मुताबिक कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने पाघमन जिले में शादी समारोह से लौट रहे पूर्व मुजाहिदीन कमांडर गाजी ओरयाखिल और उनके रिश्तेदारों का अपहरण कर लिया और बाद में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।पुलिस ने हमले के लिए तालिबान को जिम्मेदार ठहराया है।तालिबान ने अभी हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कोरोना के मामले बढ़ने पर अफगानिस्तान में अमेरिका वीजा संचालन पर रोक

काबुल, वार्ता। अफगानिस्तान में अमेरिकी राजनायिक मिशन ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर रविवार से वीजा संचालन पर रोक लगा दी है।अमेरिकी दूतावास ने अपने एक बयान में कहा, वर्तमान में कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए 13 जून से दूतावास का परामर्श अनुभाग सभी वीज़ा संचालन पर रोक लगायेगा। बयान में यह भी कहा गया है कि जिन लोगों की नियुक्तियां निर्धारित हैं, वे वीजा संचालन फिर से शुरू होते ही उन्हें पुनर्निर्धारित कर सकेंगे। राजनयिक मिशन ने कहा, हम आवेदकों को हुई असुविधा को स्वीकार करते हैं और इस पर खेद व्यक्त करते हैं क्योंकि हम सबसे पहले अपने कर्मचारियों और आवेदकों के स्वास्थ्य की रक्षा करना चाहते हैं ताकि हम आगे वीज़ा और अन्य सेवाओं का पूरा समर्थन कर सकें।दूतावास ने कहा कि अमेरिकी सरकार हालांकि अफगानिस्तान और विश्व स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने का हरसंभव प्रयास जारी रखेगी।अफगानिस्तान में अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण के 87 हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और इस महामारी से 60,500 लोग ठीक हो गए हैं जबकि 3412 मरीजों की मौत हो चुकी है।

ब्लिंकन ने रूसी नागरिकों को रूसी राष्ट्रीय दिवस पर दी बधाई

वाशिंगटन, वार्ता। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने शनिवार को रूसी राष्ट्रीय दिवस पर वहां के नागरिकों को बधाई दी।

श्री ब्लिंकन ने अपने बयान में कहा, अमेरिकी सरकार की ओर से मैं रूसी राष्ट्रीय दिवस पर रूस के नागरिकों को बधाई देता हूँ। यह पवित्र तिथि 12 जून, 1991 को रूस द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है, जब उसने अपना पहला स्वतंत्र, खुला और निष्पक्ष चुनाव कराया और रूसी राज्य संप्रभुता की घोषणा को अपनाया। विदेश मंत्री ने 'अधिक स्थिर और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के हित में' रूसी सरकार के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए अमेरिका की इच्छा को दर्शाया है।श्री ब्लिंकन ने कहा, इसी तरह हम रूसी नागरिकों के समर्थन के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं क्योंकि वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने और वैश्विक चिंता के मामलों पर शांतिपूर्वक सहयोग करने की अपनी इच्छा को बनाए रखना जारी रखते हैं। अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन बुधवार के लिए निर्धारित है और यह दोनों देशों के बीच संबंधों में बढ़े तनाव के बीच होगा और जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडन के सत्ता में आने के बाद इन संबंधों में काफी गिरावट आई है। श्री बाइडन जिनेवा में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

वेनेजुएला द्वारा वैक्सीन की खरीद के लिए दिया गया फंड मुक्त करे अमेरिकाः मादुरो

ब्यूनस आयर्स,वार्ता। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका से मांग की है कि वह कोवैक्स योजना के तहत देश की ओर से कोरोना के टीकों की खरीद के लिए किये गये भुगतान पर से पाबंदी हटाये।एक दिन पहले वेनेजुएला के विदेश मंत्री जॉर्ज अर्रेज़ा ने कोवैक्स अधिकारियों के एक पत्र को सार्वजनिक किया जिसमें कहा गया है कि कुल 46 लाख डॉलर के चार भुगतानों को अवरुद्ध कर दिया गया है। वेनेजुएला ने वैक्सीन के लिए 10 करोड़ डॉलर से अधिक के कुल 12 भुगतान किये हैं।श्री मादुरो ने शुक्रवार को सार्वजनिक संबोधन में कहा, ÷यह आपराधिक चोरी है, ये आपराधिक प्रतिबंध हैं, वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिका की आपराधिक कार्रवाई है। मैं मांग करता हूं कि जो बिडेन प्रशासन टीकों की खरीद के लिए फंड को अवरूद्ध करना बंद करे।उन्होंने कहा कि कोवैक्स प्रणाली को वैक्सीन की आपूर्ति शुरू करने के लिए पर्याप्त फंड मिल चुका है। इसके लिए वेनेजुएला ने 10 करोड़ डालर से अधिक का भुगतान किया है। वेनेजुएला अपने वैक्सीन अभियान के लिए डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व वाली कोवैक्स योजना के माध्यम से रूस के स्पूतनिक वी वैक्सीन के साथ-साथ चीन के सिनोफार्म और एस्ट्राजेनेका की आपूर्ति पर निर्भर है।गौरतलब है कि अमेरिका ने श्री मादुरो को इस्तीफे के लिए मजबूर करने के प्रयास में 2017 से वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाये हैं। श्री मादुरो पर अमेरिका ने भ्रष्टाचार, मानवाधिकारों के उल्लंघन और 2018 के चुनाव में हेरफेर का आरोप लगाया था।

युद्ध और अभियानों के इतिहास के संग्रह,संकलन और सार्वजनिक करने की नीति को मंजूरी

नयी दिल्ली वार्ता। रक्षा मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए युद्धों और अभियानों के इतिहास के संग्रह, संकलन , प्रकाशन और उन्हें सार्वजनिक करने की नीति को मंजूरी दे दी है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को इस नीति को मंजूरी दी। इस नीति के तहत रक्षा मंत्रालय का प्रत्येक संगठन जैसे सेनाएं, एकीकृत रक्षा स्टाफ , असफ राइफल्स और भारतीय तटरक्षक युद्ध डायरियों , कार्यवाही से संबंधित पत्रों , संचालन संबंधी रिकार्ड बुक और अन्य सभी रिकार्ड रक्षा मंत्रालय के इतिहास विभाग को भेजेंगे जिससे कि उन्हें संकलित और संग्रहित कर इतिहास लेखन के काम में इस्तेमाल किया जा सके।रिकार्ड को सार्वजनिक करने की जिम्मेदारी पब्लिक रिकार्ड एक्ट 1993 और पब्लिक रिकार्ड रूल 1997 के तहत संबंधित संगठन की ही होगी। नयी नीति के अनुसार सामान्य तौर पर रिकार्ड 25 वर्षों में सार्वजनिक किये जाने चाहिए। पच्चीस वर्षों से पुराने रिकार्ड युद्ध और अभियानों के इतिहास के संकलन तथा विशेषज्ञों को सूचना देने के बाद राष्ट्रीय अभिलेखागार में भेजे जाने चाहिए।युद्ध और अभियानों के संकलन , मंजूरी और प्रकाशन के समन्वय की जिम्मेदारी इतिहास विभाग की होगी । नीति में रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन का प्रावधान किया गया है जिसमें सेनाओं, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ साथ अन्य संगठनों के प्रतिनिधि और जरूरत पड़ने पर जाने माने सैन्य इतिहासकार शामिल होंगे जो इतिहास का संकलन करेंगे। इस समिति का गठन युद्ध के दो वर्ष के अंदर किया जाना होगा और इसे तीन वर्षों में रिकार्ड का संकलन उसे संबंधित पक्षों को भेजना होगा।इस नीति की सिफारिश कारगिल समीक्षा समिति ने की थी और इसका उद्देश्य विभिन्न सबकों का विश्लेषण करना तथा भविष्य में गलतियों को न दोहराना है।

कांग्रेस पार्टी देशद्रोहियों का 'क्लब' है: भाजपा

नयी दिल्ली वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी देशद्रोहियों का क्लब है जो टूल किट के माध्यम से लंबे समय से देश को खोखला करने का काम कर रही है।शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अनुच्छेद 370 को लेकर दिए गए कथित बयान की आलोचना करते हुए कहा कि श्री सिंह वही व्यक्ति हैं जिन्होंने पुलवामा हमले को एक दुर्घटना बताया था और इसे आतंकवादी हमला मानने से इनकार किया था। श्री सिंह वही हैं कि जिन्होंने मुंबई आतंकी हमले को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की साजिश बताया था और उस समय पाकिस्तान का पक्ष लिया था। कश्मीर जैसे गंभीर मुद्दे पर कांग्रेस नेता का यह बयान कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के खिलाफ किस प्रकार बोलना है, प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के खिलाफ किस प्रकार जहर उगलना है, इन सब साजिशों को एक %टूल किट% के माध्यम अंजाम दिया जा रहा है। %क्लब हाउस% वाला मामला भी टूल किट से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान के पत्रकार की ओर से पूछा जाता है कि मोदी सरकार कब तक रहेगी और कांग्रेस जवाब देती है कि अगर मोदी सरकार खत्म होती है और कांग्रेस की सरकार बनती है तो कश्मीर में अनुच्छेद 370 फिर से बहाल किया जायेगा। यह घोर निंदा का विषय है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को इसका जवाब देना चाहिये।

श्री पात्रा ने कहा कि इसी प्रकार कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान में जाकर बयान देते हैं कि भारत के प्रधानमंत्री को हटाना होगा और कांग्रेस को वापस लाना होगा। इसका मतलब यह हुआ कि कांग्रेस पाकिस्तान की मदद से श्री मोदी को हटाना चाहती है। इसी साजिश को आज भी कांग्रेस पूरा करने में लगी हुई है। पहले श्री मणिशंकर ऐसे बयान देते थे, आज श्री सिंह ऐसा कह रहे हैं।उन्होंने कहा श्री सिंह पाकिस्तान की हां में हां मिला रहे हैं। वह कश्मीर को थाली में रखकर पाकिस्तान को सौंपना चाहते हैं। कांग्रेस शुरुआत से ही कश्मीर में शांति नहीं चाहती है और तरह-तरह से देश को अस्थिर करने की साजिश कर रही है। श्री सिंह की क्लब हाउस बातचीत भी कांग्रेस की टूलकिट का हिस्सा है।भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाया गया था तब 25 अगस्त 2019 को श्री गांधी ने ट्वीट किया था कि अनुच्छेद 370 को हटाकर भाजपा ने बड़ी गलती की है। जम्मू कश्मीर में हजारों लोग मारे जा रहे हैं। कश्मीर में कोई लोकतंत्र नहीं है। इसके बाद इसी को आधार बनाकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने 27 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र में यह एक डोजियर सौंपा था।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री सिंह का एक क्लब हाउस चैट वायरल हुआ है जिसमें श्री सिंह ने कथित तौर पर कहा है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को फिर से बहाल करने पर विचार किया जाएगा।

मेडिकल उपकरणों पर जीएसटी लगाकर जनता की कमर तोड़ रही है केंद्र सरकारः सिसोदिया

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सेनिटाइजर, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वैक्सीन, थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर लाए जाने की मांग की है ताकि आर्थिक तंगी से जूझ रहे आम आदमी पर टैक्स का भार न पड़े।

श्री केजरीवाल ने शनिवार को जीएसटी कॉउंसिल की मीटिंग में सेनिटाइजर, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वैक्सीन, थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर लाए जाने की मांग की ताकि आर्थिक तंगी से जूझ रहे आम आदमी पर टैक्स का भार न पड़े लेकिन केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों के वित्तमंत्रियों ने इसपर आपत्ति जताई और इन वस्तुओं पर टैक्स बनाए रखने का निर्णय लिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देशभर के लोगों जीएसटी कॉउंसिल की बैठक पर निगाह लगी हुई थी, लोग सरकार के निर्णय का इंतजार कर रहे थे कि सरकार महामारी से लड़ने के लिए जरुरी वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर करेगी लेकिन कार्उंसिल में बीजेपी शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों सहित केंद्रीय वित्त मंत्री ने इसके उलट निर्णय लिया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ये कड़वा सच है कि मास्क, सेनिटाइजर जैसे वस्तुएं लोगों के मासिक बजट का हिस्सा बन चुकी हैं, लोग जब हर महीने मास्क और सेनिटाइजर खरीदने में 500-500 रुपये खर्च करते हैं, तो सोचते हैं कि क्या उन्हें इन पर टैक्स देने से बचत मिलेगी या नहीं। कोरोना वायरस के कारण आम आदमी एक ओर जहां पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है उसके बावजूद क्या मेडिकल इक्विपमेंट जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे में रखना मानवीय है?

श्री सिसोदिया ने कहा कि ब्रिटेन में तेज़ी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं और इससे भारत में भी कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका है। इस समय राज्य और केंद्र सरकार मिलकर प्राइवेट और सरकारी हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए निवेश कर रही है, लेकिन जब सरकार किसी निजी अस्पताल को 10 लाख रुपये खर्च कर अपने बेड को वेंटीलेटर बेड में तब्दील करने को कहती है तो अस्पतालों के मन में ये सवाल ज़रूर आता है कि 10 लाख रुपये निवेश करने के साथ-साथ उन्हें 50 हज़ार रुपये टैक्स भी देना होगा इससे वो निवेश के प्रति उदासीन हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि संकट के इस समय सरकारों को टैक्स कमाई करने की बजाय लोगों की मदद करने की ज़रूरत है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सहित कई राज्यों के वित्तमंत्रियों ने सेनिटाइजर, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वैक्सीन, थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर लाने की मांग का समर्थन किया लेकिन केंद्र और भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने इसे जीएसटी की दायरे से बाहर नहीं लाना चाहते बल्कि पूरी तरह से टैक्स लगाने के पक्ष में है। इस कारण इन आवश्यक वस्तुओं से टैक्स नहीं हटाया गया जो आम आदमी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय के इस निर्णय से असहमति जताई है। केंद्र सरकार से अपील की है कि संकट के इस दौर में जब आम आदमी की कमाई बंद हो गई है और वह मेडिकल खर्चों से घिर गया है उस दशा में सरकार आवश्यक मेडिकल वस्तुओं पर टैक्स लगाकर कमाई न करे। सरकार खुले मन और बड़े दिल से इस निर्णय पर दोबारा सोच विचार करे और सेनिटाइजर, ऑक्सीजन सिलिंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वैक्सीन, थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर करे।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विश्नू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर